



# स्वतंत्र मत

स्वतंत्र मत में विज्ञापन देने के लिए 9589920250 पर कॉल करें \* स्वतंत्र मत का अंक प्राप्त करने के लिए 9301359695 पर कॉल करें।



एकेएस विश्वविद्यालय के डॉ. प्रभाकर को पीएचडी ... ▶▶ 5



78 वर्ष की हुई हेमा मालिनी.. ▶▶ 7



जिला स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में ... ▶▶ 9

मौसम

अधिकतम तापमान

33.5 °C

न्यूनतम तापमान

19.2 °C

सूर्योदय - 6.08 | सूर्यास्त - 5.43

## नवरात्र का सातवां दिन



### सुधाकर दलेला नेपाल में भारत के राजदूत नियुक्त

नई दिल्ली (वार्ता) भारतीय विदेश सेवा के वरिष्ठ अधिकारी सुधाकर दलेला को नेपाल में भारत का अगला राजदूत नियुक्त किया गया है। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को बताया कि दलेला को नेपाल में भारतीय राजदूत नियुक्त किया गया है और उनके जलद ही नया कार्यभार संभालने की उम्मीद है। दलेला भारतीय विदेश सेवा के 1993 बैच के अधिकारी हैं और अभी मंत्रालय में सचिव (आर्थिक संबंध) हैं। अभी नवीन श्रीवास्तव नेपाल में भारत के राजदूत की जिम्मेदारी निभा रहे थे।

### यूजीसी नेट की परीक्षा तिथि में हुआ बदलाव

नई दिल्ली। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा यानी यूजीसी नेट दिसंबर 2026 को लेकर जरूरी जानकारी जारी की गई है। परीक्षा की तारीखों में बदलाव किया गया है। अब परीक्षा 14 दिसंबर से 18 दिसंबर और फिर 21 दिसंबर 2026 को आयोजित होगी। आवेदन करने की आखिरी तारीख 28 अक्टूबर 2026 तय की गई है। इन बदलावों में परीक्षा केंद्र पर पेन उपलब्ध कराने, परीक्षा शहर चुनने, दिव्यांग उम्मीदवारों को अतिरिक्त समय देने और मधुमेह से पीड़ित उम्मीदवारों को कुछ जरूरी चीजें ले जाने की अनुमति जैसे नियम शामिल हैं।

### दूध-केला खाने से 32 बच्चे बीमार

बैतूल। जिले के भीमपुर विकासखंड में आने वाले ग्राम भांडरीढाना में स्वयंसेवी संस्था द्वारा चलाए जा रहे सेवा कुटीर के 32 बच्चों को उल्टियां होने के बाद भीमपुर के अस्पताल में भर्ती किया गया है। बच्चों को सेवा कुटीर में दूध-केला खाने के लिए दिया गया था। शाम करीब चार बजे बच्चे घर पहुंचने के बाद अचानक उल्टी करने लगे। इस पर स्वजन उन्हें लेकर भीमपुर के अस्पताल पहुंचे।

### बोरवेल में फंसी मासूम की सांसें

जोधपुर। जोधपुर संभाग में लोहावट के नौसर क्षेत्र की पुनिया की ढाणी में बोरवेल में गिरे मासूम भोमाराम को सुरक्षित बाहर निकालने के लिए रेस्क्यू ऑपरेशन लगातार जारी है। मासूम को बचाने के लिए एनडीआरएफ और एसडीआरएफ सहित विभिन्न एजेंसियों की टीमें युद्धस्तर पर जुटी हुई हैं। हर गुजरते पल के साथ परिजनों और ग्रामीणों की चिंता बढ़ती जा रही है। रेस्क्यू टीमों द्वारा मासूम तक पहुंचने और उसे सुरक्षित बाहर निकालने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।

### दुखंत गौतम की निर्युक्ति के दिवसे ही राष्ट्रपति भवन तक मार्च

नई दिल्ली (वार्ता)। भाजपा नेता दुखंत गौतम को राज्यपाल पद पर नियुक्ति के विरोध में दिल्ली के विभिन्न सामाजिक संगठन 18 अक्टूबर को यहां इंडिया गेट से राष्ट्रपति भवन तक मार्च निकालेंगे। उत्तराखंड कांग्रेस के उपाध्यक्ष तथा प्रवक्ता धीरेंद्र प्रताप ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि अंकिता भंडारी हत्याकांड में सलिल वीआईपी की चर्चा में दुखंत गौतम का नाम सामने आने के बावजूद उन्हें राज्यपाल नियुक्त किये जाने का विरोध तेज हुआ है।



छिंदवाड़ा (स्वतंत्र मत)

किसानों की समस्याओं को लेकर आंदोलन करने वाले छिंदवाड़ा जिला पंचायत उपाध्यक्ष अमित सक्सेना ने भारतीय जनता पार्टी की प्राथमिक और सक्रिय सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है। पार्टी की ओर से अनुशासनहीनता के मामले में 7 दिन के भीतर जवाब मांगे जाने के बाद उन्होंने यह फैसला लिया।

## जनगणना : अब निजी शिक्षण संस्थानों के शिक्षक भी हो सकेंगे शामिल

नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने जनगणना के काम के लिए लोगों की नियुक्ति से जुड़े नियमों में बदलाव किया है। गृह मंत्रालय ने 16 अक्टूबर 2026 को जनगणना (संशोधन) नियम, 2026 की अधिसूचना जारी की। इसके तहत सरकारी और निजी शिक्षण संस्थानों के शिक्षक, सरकारी विभागों के क्लर्क और अधिकारी तथा दूसरे उपयुक्त लोगों को जनगणना में एन्युमरेटर यानी गणनाकर्मी की जिम्मेदारी दी जा सकेगी। इस बदलाव का उद्देश्य जनगणना के काम के लिए उपलब्ध लोगों के दायरे को स्पष्ट करना है। नए नियम अधिसूचना के आधिकारिक राजपत्र में प्रकाशित होने की तारीख से लागू हो गए हैं। नए नियमों में तीन श्रेणियों के लोगों को गणनाकर्मी के रूप में काम करने के लिए शामिल किया गया है। इनमें सरकारी, स्थानीय निकायों, सहायता प्राप्त



और बिना सहायता वाले निजी शिक्षण संस्थानों के शिक्षक; केंद्र और राज्य सरकार के विभागों सहित विभिन्न संस्थानों के क्लर्क और अधिकारी; तथा राज्य सरकार या केंद्र शासित प्रदेश प्रशासन की ओर से उपयुक्त

माने जाने वाले व्यक्ति शामिल हैं। जनगणना के दौरान लोगों और परिवारों से जुड़ी जानकारी जुटाने के लिए बड़ी संख्या में गणनाकर्मियों की जरूरत होती है। नए नियमों में अलग-अलग विभागों और संस्थानों से

जुड़े लोगों को शामिल करने का प्रावधान है। इससे गणनाकर्मी के रूप में नियुक्त किए जा सकने वाले लोगों की श्रेणियां स्पष्ट होती हैं। शिक्षक अपने काम के दौरान लोगों से संवाद करते हैं, जबकि सरकारी और अन्य संस्थानों के कर्मचारियों को भी इस जिम्मेदारी के लिए चुना जा सकता है। इसके साथ ही राज्य

सरकारों और केंद्र शासित प्रदेशों के प्रशासन को ऐसे अन्य उपयुक्त लोगों को चुनने का विकल्प दिया गया है, जिन्हें वे इस काम के लिए सही मानते हैं। अधिसूचना में हालांकि गणनाकर्मियों की कुल संख्या, नियुक्ति की तारीख या उनके मानदेय के बारे में कोई जानकारी नहीं दी गई है।

### कौन-कौन बन सकेगा एन्युमरेटर?

नए नियमों के मुताबिक, किसी भी सरकारी शिक्षण संस्थान, स्थानीय प्राधिकरण, सहायता प्राप्त या बिना सहायता वाले निजी संस्थान, सोसायटी या ट्रस्ट में काम करने वाले शिक्षक गणनाकर्मी बनाए जा सकते हैं। इसके अलावा केंद्र सरकार, राज्य सरकार, स्थानीय प्राधिकरण या किसी अन्य प्रतिष्ठान में काम करने वाले क्लर्क और अधिकारी भी इस काम के लिए पात्र श्रेणी में रखे गए हैं। इसमें सार्वजनिक क्षेत्र के उपक्रम, वैधानिक निकाय, बैंक, कंपनियां, संस्थान, सोसायटी और ट्रस्ट भी शामिल हैं। तीसरी श्रेणी में ऐसे किसी भी व्यक्ति को शामिल किया गया है, जिसे राज्य सरकार या केंद्र शासित प्रदेश का प्रशासन इस जिम्मेदारी के लिए उपयुक्त समझे। हालांकि, अधिसूचना में इन सभी लोगों की नियुक्ति अपने आप होने की बात नहीं कही गई है, बल्कि उन्हें गणनाकर्मी के रूप में काम के लिए पात्र श्रेणियों में शामिल किया गया है।

## टिवशा केस: सुप्रीम कोर्ट ने भोपाल में ट्रायल रोक



**भोपाल/जबलपुर।** भोपाल के चर्चित टिवशा शर्मा डेथ केस में सुप्रीम कोर्ट ने भोपाल के सेशन कोर्ट में चल रहे ट्रायल पर अगले आदेश तक रोक लगा दी है। कोर्ट ने मामले की सुनवाई दिल्ली ट्रांसफर करने की याचिका पर विपक्षी पक्ष को जवाब दाखिल करने के लिए समय दिया है। यह याचिका टिवशा के पिता और शिकायतकर्ता नवनीधि शर्मा ने लगाई थी। सुनवाई शुक्रवार को मुख्य न्यायाधीश न्यायमूर्ति सूर्यकांत की अदालत में हुई। याचिका में मांग की गई है कि भोपाल में चल रहे मामले को दिल्ली की सक्षम अदालत में ट्रांसफर किया जाए, ताकि सुनवाई स्वतंत्र और निष्पक्ष तरीके से हो सके। सुप्रीम कोर्ट ने गिरिबाला सिंह की जमानत अर्जी पर मध्यप्रदेश हाईकोर्ट में सुनवाई की अनुमति दी है। हालांकि, 16 अक्टूबर को जमानत पर बहस नहीं हो सकी। अब 26 अक्टूबर को सुबह 10.30 बजे सुनवाई होगी। सीनियर एडवोकेट सुरेंद्र सिंह ने बताया कि शुक्रवार को गिरिबाला सिंह की जमानत अर्जी पर बहस होनी थी। इसी दिन सुप्रीम कोर्ट में ट्रायल को मध्य प्रदेश से बाहर ट्रांसफर करने की याचिका पर सुनवाई हुई। सुप्रीम कोर्ट ने ट्रायल पर रोक लगाते हुए आरोपियों को नोटिस जारी किया है। सिंह के मुताबिक, सुप्रीम कोर्ट ने जमानत अर्जी पर सुनवाई को लेकर कोई रोक नहीं लगाई है। हाईकोर्ट के जज सुप्रीम कोर्ट का आदेश देखा चाहते थे, इसलिए जमानत पर बहस के लिए 26 अक्टूबर की तारीख तय की गई। उन्होंने स्पष्ट किया कि शुक्रवार को जमानत अर्जी पर कोई बहस नहीं हुई।

### पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क बढ़ा, डीजल पर घटा

**नई दिल्ली।** सरकार ने पेट्रोल के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स दो रुपये प्रति लीटर बढ़ा दिया है जबकि डीजल पर शुल्क में 7.50 रुपये प्रति लीटर की कटौती की गई है। इस संबंध में जारी केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड की अधिसूचना में कहा गया है कि निर्यात वाले पेट्रोल पर आज से 2.50 प्रति लीटर का उत्पाद शुल्क लागू जो पूरी तरह विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क के रूप में होगा।



## इस बार टॉस जीतकर पहले बैटिंग कर रही दिल्ली पुलिस प्रदर्शन से पहले हिरासत में लिए गए दिपके और नेहा बोरा

नई दिल्ली (वार्ता)

दिल्ली पुलिस ने कॉर्कोरोच जनता पार्टी के संस्थापक और राष्ट्रीय संयोजक अभिजीत दिपके तथा ऑल इंडिया स्टूडेंट्स एसोसिएशन की अध्यक्ष नेहा बोरा को शुक्रवार को हिरासत में ले लिया। यह कार्रवाई मतदाता सूचियों के विशेष गहन पुनरीक्षण

में कथित अनियमितताओं को लेकर मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग के लिए कर्नाट प्लेस के सेंट्रल पार्क में आयोजित 'लहरा दो तिरंगा' मार्च को रोकने के लिए किए गए सुरक्षा इंतजामों के तहत की गई। दिपके को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरद पवार) के प्रवक्ता अनीश गवांडे के आवास से सेंट्रल पार्क की ओर अकेले पैदल

जाते समय रोका गया। यह मार्च शाम 5 बजे निर्धारित था, लेकिन पुलिस ने इसकी अनुमति देने से इनकार कर दिया और आयोजन स्थल तक पहुंच पर प्रतिबंध लगा दिया था। नेहा बोरा और कई आइस व वामपंथी कार्यकर्ताओं को भी मंडी हाउस के पास विरोध प्रदर्शन के दौरान हिरासत में लिया गया।

### क्या राष्ट्रीय झंडा दिखाना जुर्म हो गया

हिरासत में लिए जाने से दिपके ने पुलिस कार्रवाई की आशंका जताई थी। उन्होंने कहा था, आज रात या कल सुबह, दिल्ली पुलिस वाले मुझे उठा सकते हैं। अगर इस देश में तिरंगा लहराने पर किसी को जेल जाना पड़े, तो हम इसके लिए तैयार हैं। सेंट्रल पार्क के आसपास लगाई गई पाबंदियों पर सवाल उठते हुए, दिपके ने पूछा कि क्या राष्ट्रीय झंडा दिखाना जुर्म हो गया है। उन्होंने कहा कि यह अभियान चुनावी प्रक्रिया में जवाबदेही चाहता है और इसका मकसद चुनी हुई सरकार को हटाना नहीं है। उन्होंने कहा, हम शांति और अहिंसा में विश्वास करते हैं, हम सिर्फ जवाबदेही की मांग रहे हैं।

### सदस्यों पर नजर रखी जा रही थी

सीजेपी ने आरोप लगाया कि पार्टी ने समर्थकों से बड़ी भीड़ से बचने, छोटे ग्रुप में राष्ट्रीय झंडे के साथ फोटो खिंचवाने और शांति से हटने की अपील की थी, फिर भी अधिकारियों ने जगह तक पहुंचने का रास्ता रोक दिया था। दिपके ने यह भी आरोप लगाया कि पार्टी के सदस्यों पर नजर रखी जा रही थी और दावा किया कि पुलिस और इंटेलिजेंस वाले उनका और दूसरे नेताओं का पीछा कर रहे थे। सीजेपी की विधि विभाग की प्रमुख रत्ना सिंह ने बताया कि पार्टी की कानूनी टीम न्यायिक हिरासत में लिए गए सीजेपी नेताओं आशुतोष रांका और सोरब दास की रिहाई के लिए अदालत का रुख करेगी।

### जंतर-मंतर और आसपास बैरिकेड्स

सीजेपी के प्रदर्शन के मद्देनजर दिल्ली के मध्य इलाके में 6000 से अधिक दिल्ली पुलिस कर्मियों और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों की 220 कंपनियों को तैनात किया गया है। कर्नाट प्लेस, जंतर-मंतर और आसपास के इलाकों में बैरिकेड्स लगाए गए हैं। कल ही नई दिल्ली नगर पालिका परिषद ने प्रशासनिक कारणों का हवाला देते हुए 16 और 17 अक्टूबर को सेंट्रल पार्क को बंद रखने का आदेश दिया था। इसके अलावा इलाके में भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता की धारा 163 लागू है। पुलिस ने कहा था कि मार्च की अनुमति नहीं दी है, वह किसी वैकल्पिक स्थान पर फ्लैग मार्च की अनुमति देने के लिए तैयार थी।

## अमित हत्याकांड : पत्नी और उसके प्रेमी को सजा-ए-मौत

**मेरठ।** मेरठ में बहसूमा क्षेत्र के गांव अकबरपुर सादात निवासी अमित कश्यप उर्फ मिक्की कश्यप हत्याकांड में आरोपियों को फांसी की सजा सुनाई गई है। इस मामले में अमित की पत्नी रविता और उसके प्रेमी अमरदीप को अदालत पहले ही हत्या और साक्ष्य मिटाने का दोषी करार दे चुकी थी। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश (एड्जी-12) जयवीर सिंह नागर की अदालत ने दोनों को दोषी ठहराया था। वहीं अमित की मां मुनेश देवी ने दोषियों को फांसी की सजा देने की मांग की थी। यह घटना 13 अप्रैल 2025 की है। उस सुबह अमित कश्यप का शव उसके बिस्तर पर मिला था। शव के नीचे एक जिंदा घोड़ा पछाड़ सांप दबा हुआ था। उसके शरीर पर सांप के काटने के 10 निशान भी थे। पत्नी रविता



ने दावा किया था कि अमित की मौत सांप के काटने से हुई है। शुरुआत में परिजनों ने इसे सर्पदंश से हुई मौत माना। हालांकि, पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत की वजह सर्पदंश नहीं बल्कि दम घुटना सामने आया।

## ‘मैं सर्कस का शेर नहीं’

जिला पंचायत उपाध्यक्ष ने नोटिस के बाद भाजपा से दिया इस्तीफा

अमित सक्सेना ने भाजपा जिला अध्यक्ष के नाम इस्तीफा पत्र जारी कर स्पष्ट किया कि वे किसानों के मुद्दों को उठाना जारी रखेंगे। दरअसल, पिछले दिनों अमित सक्सेना ने जिले में सुखे की समस्या और किसानों की अन्य मांगों को लेकर प्रदर्शन किया था। वे किसानों के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे थे और 10 सूत्रीय मांगों को लेकर ज्ञापन सौंपा था। इस प्रदर्शन से पहले ही भाजपा ने उन्हें नोटिस जारी कर सात दिन में जवाब मांगा था। पार्टी ने उनके आंदोलन को अनुशासनहीनता से जोड़ते हुए जवाब तलब किया था। नोटिस जारी होने के बाद अमित सक्सेना ने स्पष्ट कहा था

कि वे किसानों के मुद्दों पर पीछे नहीं हटेंगे। उनका कहना था कि वे सर्कस के शेर नहीं हैं, जिन्हें पार्टी के इशारे पर चलना पड़े। किसानों के हक में आवाज उठाने से उन्हें कोई पार्टी नहीं रोक सकती। अब नोटिस की समयसीमा पूरी होने के बाद जवाब देने के बजाय उन्होंने पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। अपने पत्र में उन्होंने कहा कि क्षेत्र के किसानों की समस्याओं को उठाने पर उन्हें अनुशासनहीन बताया गया। बधियच में भी किसानों के मुद्दे उठाने पर पार्टी की ओर से रोक लगाए जाने की आशंका के चलते उन्होंने इस्तीफा देने का निर्णय लिया।

## प्रधानमंत्री ‘परिसीमन’ पर सर्वदलीय बैठक बुलाएं

### कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने लिखा पत्र

नई दिल्ली (वार्ता)

कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से परिसीमन के नये प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाने और संसद में प्रस्तावों को अंतिम रूप देने से पहले इस पर सभी राजनीतिक दलों तथा अन्य संबंधित पक्षों को पर्याप्त समय देने की मांग की है। खड़गे ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री को लिखे पत्र में कहा कि संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त को अनिश्चित काल के लिए स्थगित हुए 64 दिन हो चुके हैं लेकिन संसद के दोनों सदनों को अभी तक स्थगित नहीं किया गया है। उन्होंने कहा कि ऐसी स्थिति पहले कभी नहीं देखी गई। कांग्रेस नेता ने कहा कि उन्होंने 11 अप्रैल को पहली बार प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर परिसीमन पर संविधान संशोधन विधेयक लाने से पहले सर्वदलीय बैठक बुलाने का आग्रह किया था लेकिन ऐसा नहीं किया गया। इसके बाद 14 अप्रैल की देर शाम को विधेयक सार्वजनिक किए गए और 16 अप्रैल को संसद का विशेष सत्र बुलाया गया। खड़गे ने कहा कि



परिसीमन संबंधी संविधान संशोधन विधेयक 17 अप्रैल को लोकसभा में आवश्यक दो-तिहाई बहुमत हासिल करने से बहुत कम अंतर से चूक गया था। इसके बाद उन्होंने 16 जुलाई और 27 अगस्त को भी प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर सर्वदलीय बैठक बुलाने की मांग की थी और अब वह चौथी बार

यह आग्रह कर रहे हैं। कांग्रेस नेता ने प्रधानमंत्री से अनुरोध किया कि नये प्रस्तावों पर विस्तार से चर्चा के लिए सर्वदलीय बैठक बुलाई जाए और प्रस्तावों को संसद में विचार के लिए अंतिम रूप देने से पहले सभी राजनीतिक दलों को आपस में तथा अन्य सभी संबंधित पक्षों के साथ विचार-विमर्श करने के लिए पर्याप्त समय दिया जाए। खड़गे ने पत्र में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को एक बार फिर संसद के माध्यम से बड़े संविधान संशोधन विधेयक को संसद में प्रयास करने का प्रयास नहीं करना चाहिए। उन्होंने पिछले प्रयास का उल्लेख करते हुए कहा कि उस विधेयक का जो परिणाम होना चाहिए था वही हुआ।

### सरकार इस महीने संसद का स्पेशल सेशन बुला सकती है

केंद्र सरकार इसी महीने संसद का विशेष सत्र बुला सकती है। इसमें लोकसभा सीटें बढ़ाने के लिए संविधान (131वां संशोधन) बिल, परिसीमन (संशोधन) बिल और केंद्र शासित प्रदेश कानून (संशोधन) बिल को पास कराया जाएगा। इनके जरिए महिला आरक्षण लागू किया जाएगा। 6 महीने (16 और 17 अप्रैल) पहले सरकार पहले प्रयास में कामयाब नहीं रही थी और लोकसभा में दो तिहाई बहुमत जुटा नहीं पाई थी। अब कहा जा रहा है कि सरकार ने संख्याबल जुटा लिया है। विशेष सत्र बुलाने से करीब एक हफ्ते पहले इसकी सूचना दी जा सकती है। संसद का मानसून सत्र 13 अगस्त को खत्म हुआ था, लेकिन इसका अब तक सत्रावसान नहीं किया गया है।

# कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने जन विश्वास शिविर में सफल उद्यमियों से किया संवाद

स्वरोजगार योजनाओं से आत्मनिर्भर बन रहे ग्रामीण, कलेक्टर ने व्यवसाय विस्तार और अन्य लोगों को रोजगार से जोड़ने के लिए किया प्रेरित

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

जन सेवा संकल्प अभियान के तहत गोहपारू जनपद पंचायत की ग्राम पंचायत बरेली में आयोजित जन विश्वास शिविर में कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने सफल उद्यमियों एवं स्व-सहायता समूह की महिलाओं से संवाद किया। इस दौरान उद्यमियों ने शासन की स्वरोजगार योजनाओं का लाभ लेकर अपना व्यवसाय स्थापित करने और उससे होने वाली आय के संबंध में अनुभव साझा किए। कलेक्टर ने उद्यमियों के प्रयासों की सराहना करते हुए उन्हें व्यवसाय का विस्तार करने, आय बढ़ाने तथा अन्य लोगों को भी स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित करने की समझाइश दी।

स्वरोजगार योजनाओं से आत्मनिर्भर बन रहे उधमी

संवाद के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति एवं महाप्रबंधक जिला व्यापार एवं उद्योग केंद्र मनीष अलावा ने शासन द्वारा संचालित स्वरोजगार एवं आजीविका संवर्धन योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शासन द्वारा युवाओं, उद्यमियों एवं महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने के लिए विभिन्न योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनमें प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम पीएमईजीपी मुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजना, प्रधानमंत्री मुद्रा योजना तथा राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन प्रमुख हैं। इन योजनाओं के माध्यम से पात्र हितग्राहियों को स्वयं का व्यवसाय स्थापित करने, आजीविका गतिविधियां शुरू करने तथा पहले से संचालित व्यवसायों का विस्तार करने के लिए ऋण एवं नियमानुसार अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाती हैं। पीपर गांव में राइस मिल का संचालन कर रहे विवेक गुप्ता ने अपने व्यवसाय के अनुभव साझा किए। उन्होंने बताया कि



स्वरोजगार के माध्यम से राइस मिल स्थापित कर उन्होंने अपनी आजीविका का बेहतर साधन विकसित किया है। इसी प्रकार गोहपारू में रेस्टोरेंट का संचालन कर रहे अभिमन्यु गुप्ता ने प्रधानमंत्री रोजगार सृजन कार्यक्रम के माध्यम से व्यवसाय स्थापित करने तथा उससे होने वाले लाभ की जानकारी दी। उन्होंने बताया कि शासन की स्वरोजगार योजनाएं युवाओं को स्वयं का व्यवसाय शुरू करने और आत्मनिर्भर बनने का अवसर प्रदान करती हैं। ग्राम बरेली की गंगा स्व-सहायता समूह की दीदी ने भी

अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि किराना दुकान का संचालन एवं मुर्गी पालन उनकी आय के महत्वपूर्ण साधन बन गए हैं।

**व्यवसाय का विस्तार कर अन्य लोगों को भी रोजगार से जोड़ें**

कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने सफल उद्यमियों से कहा कि स्वरोजगार केवल स्वयं की आय बढ़ाने का माध्यम नहीं है, बल्कि इससे अन्य लोगों के लिए भी

रोजगार के अवसर सृजित किए जा सकते हैं। उन्होंने उद्यमियों को अपने व्यवसाय की संभावनाओं को पहचानने, बाजार की मांग के अनुरूप गतिविधियों का विस्तार करने तथा शासन की योजनाओं का लाभ लेकर आर्थिक स्थिति और मजबूत बनाने की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि सफल उद्यमियों को अपने अनुभव अन्य युवाओं एवं ग्रामीणों के साथ साझा करने चाहिए, ताकि अधिक से अधिक लोग स्वरोजगार अपनाने के लिए प्रेरित हों। चार स्व-सहायता समूहों को 3-3 लाख रुपये की सीसीएल, प्रतिमा विश्वास की मुद्रा ऋण वितरित जन विश्वास शिविर में आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से चार स्व-सहायता समूहों को 3-3 लाख रुपये की केश क्रेडिट लिमिट (सीसीएल) वितरित की गई। इससे समूहों को अपनी आर्थिक गतिविधियों के संचालन एवं विस्तार में सहायता मिलेगी। इसके साथ ही प्रतिमा विश्वास को मुद्रा ऋण भी वितरित किया गया, जिससे उन्हें अपना स्वरोजगार आगे बढ़ाने में मदद मिलेगी। इस अवसर पर अग्रणी जिला प्रबंधक (एलडीएम) अमित चौरसिया ने प्रधानमंत्री

जन-धन योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना तथा अटल पेंशन योजना सहित विभिन्न सामाजिक सुरक्षा एवं पेंशन योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने पात्र हितग्राहियों को बैंकिंग सुविधाओं से जुड़ने और इन योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। जन विश्वास शिविर में सफल उद्यमियों के अनुभवों का आदान-प्रदान, स्वरोजगार योजनाओं की जानकारी तथा स्व-सहायता समूहों को वित्तीय सहायता उपलब्ध कराने की पहल से ग्रामीण क्षेत्रों में आजीविका संवर्धन और आर्थिक आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का संदेश दिया गया।

शिविर में पुलिस अधीक्षक डॉ. संजय अग्रवाल, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, एसडीएम जयसिंहनगर काजोल सिंह, वनमंडलाधिकारी पेंडे, डिप्टी कलेक्टर भागीरथी लहरे, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत गोहपारू सुधीर कुमार, एपीओ मनोज मिश्रा सहित विभिन्न विभागों के जिला एवं जनपद स्तरीय अधिकारी उपस्थित रहे।



**कमिश्नर ने शिविर में सुनी आमनज की समस्याएं और शिकायतें**

**शहडोल (स्वतंत्रमत)।** कमिश्नर संभाग सुरभि गुप्ता ने उमरिया जिले के ग्राम पंचायत बकेली में मुख्यमंत्री जन विश्वास अभियान के तहत आयोजित शिविर में लोगो की समस्याएं एवं शिकायतें सुनी तथा यथासंभव निराकरण करने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। साथ ही शिविर में कमिश्नर ने विभिन्न योजनाओ के लाभान्वित हितग्राहियो को हितलाभ का वितरण भी किया। इस अवसर पर कलेक्टर उमरिया राखी सहाय सहित अन्य अधिकारी एवं बड़ी संख्या में स्थानीय लोग उपस्थित रहें।

**25 तक अधिकारी बिना अनुमति के मुख्यालय नहीं छोड़ें : कलेक्टर**

शहडोल (स्वतंत्रमत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के 25 अक्टूबर को प्रस्तावित शहडोल दौरे के मद्देनजर कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने विभिन्न विभागों के जिला स्तरीय अधिकारियों को कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में दायित्व सौंपि हैं। कलेक्टर ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि मुख्यमंत्री के प्रस्तावित दौरे को ध्यान में रखते हुए सभी आवश्यक तैयारियां समय-सीमा में पूर्ण करना सुनिश्चित करें। कार्यक्रम का आयोजन जिला मुख्यालय स्थित बाणगंगा मैदान में किया जाएगा। कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों को बाणगंगा मैदान का समतलीकरण कराने, प्रदर्शनी की व्यवस्था करने, हितग्राहियों को हितलाभ वितरण की तैयारियां करने तथा लोकार्पण एवं शिलान्यास के लिए प्रस्तावित कार्यों की सूची तैयार करने के निर्देश दिए। कलेक्टर पार्थ जायसवाल ने हैलीपैड तथा हैलीपैड से कार्यक्रम स्थल तक पहुँच मार्गों को परम्पत कराने के निर्देश भी संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम से संबंधित सभी व्यवस्थाएं समय रहते पूर्ण की जाएं, ताकि आयोजन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो।

# लोकतंत्र विरोधी नारे लगाने वालों के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की मांग



ब्यौहारी (स्वतंत्रमत)।

गोंडवाना गणतंत्र पार्टी, ब्लॉक इकाई ब्यौहारी ने लोकतंत्र विरोधी नारे लगाए जाने के मामले में थाना

प्रभारी ब्यौहारी को जापन सौंपकर निष्पक्ष जांच एवं दोषियों के विरुद्ध कड़ी कानूनी कार्यवाही की मांग की।

पार्टी के अनुसार 12 अक्टूबर

को ब्यौहारी तहसील में लालबहादुर सिंह नेटी, रामप्रताप कुशवाहा, भोलेप्रसाद कोल एवं माउजर खान द्वारा कथित रूप से च्लोकतंत्र हटाओऊ के नारे लगाए जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हुआ है। पार्टी ने मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्यवाही करने की मांग की। जापन में ब्यौहारी थाना के बाहर असाмаजिक तत्वों के जमावड़े का भी उल्लेख करते हुए प्रशासन से क्षेत्र में शांति एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने की अपील की गई। पार्टी ने चेतावनी दी कि यदि मामले में उचित कार्यवाही नहीं की गई, तो गोंडवाना गणतंत्र पार्टी थाना घेराव करने के लिए बाध्य होगी। इसकी संपूर्ण जिम्मेदारी शासन-प्रशासन की होगी।

**वन अधिकार समिति की बैठक**

मण्डला।

कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में जिला स्तरीय वन अधिकार समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर ने की। बैठक में खंड स्तरीय समितियों द्वारा मान्य-अमान्य की अनुशंसा के साथ जिला स्तरीय समिति को प्रेषित प्रकरणों की विस्तृत समीक्षा की गई। कलेक्टर ने कहा कि खंड स्तरीय समितियां सामुदायिक वन अधिकार दावों का गंभीरतापूर्वक परीक्षण करें प्राथमिकता के आधार पर इनका निराकरण कर प्रकरणों को मूल नस्तियों व अभिलेखों के साथ जिला स्तरीय समिति को भेजा जाए बैठक में बिछिया विकासखंड से प्राप्त मुवालासानी, बरगांव और रहंगी के तीन सामुदायिक वन अधिकार दावों का परीक्षण किया गया। साथ ही वन ग्राम बधरीडी के 24 व्यक्तिगत वन अधिकार दावों पर भी चर्चा की गई।

# छात्रावास में रिक्त पड़ी भूमि में मौसमी सब्जियों का करें उत्पादन : कलेक्टर

**कलेक्टर ने छात्रावास बरेली का किया निरीक्षण, अधीक्षक को नोटिस**

शहडोल (स्वतंत्रमत)।

कलेक्टर पार्थ जायसवाल एवं पुलिस अधीक्षक संजय कुमार अग्रवाल ने जनपद पंचायत गोहपारू के ग्राम बरेली में संचालित 50 सीटर आदिवासी जूनियर बालक छात्रावास का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने छात्रावास में दी जा रही सुविधाओं के संबंध पर धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं।



रामदयाल प्रजापति को कारण बताओं नोटिस जारी करने के निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि छात्रावास में रिक्त बड़ी भूमि में

कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुए समुचित प्रकाश की व्यवस्था करने के निर्देश दिए। उन्होंने किचन कक्ष की साफ सफाई एवं रंगाई पुताई कराने, बच्चों के आने जाने पर रजिस्टर में दर्ज करने एवं अभिभावकों का पहचान पत्र अनिवार्य रूप से संधारित करने के निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने पालक समिति की बैठक, अभिभावक रजिस्टर सहित अन्य कार्यों का अवलोकन कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत शिवम प्रजापति, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व काजोल सिंह सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

**यूपीआई पर प्रस्तावित एमडीआर शुल्क स्थगित करने के निर्णय का कैट ने किया स्वागत**



**उमरिया (स्वतंत्रमत)।** अखिल भारतीय व्यापारी परिषद (कैट) की उमरिया टीम ने यूपीआई डिजिटल भुगतान पर प्रस्तावित मर्चेट डिस्काउंट रेट (एमडीआर) शुल्क स्थगित करने के सरकार के निर्णय का स्वागत किया है। संगठन ने इसे देश के व्यापारियों, छोटे कारोबारियों एवं एमएसएमई के हित में महत्वपूर्ण कदम बताते हुए कहा कि इससे डिजिटल भुगतान व्यवस्था के प्रति व्यापारियों का विश्वास मजबूत होगा। कैट के जिला अध्यक्ष कीर्ति कुमार सोनी ने बताया कि व्यापारियों की मांगों और उनके हितों को ध्यान में रखते हुए सरकार द्वारा लिया गया यह निर्णय स्वागतयोग्य है। न्यु के माध्यम से डिजिटल भुगतान आज व्यापारिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण हिस्सा बन चुका है। शुल्क स्थगित करने का निर्णय व्यापार जागत के लिए राहतकारी है। उन्होंने कहा कि व्यापारी देश की अर्थव्यवस्था को मजबूत करने, रोजगार उपलब्ध कराने और डिजिटल भुगतान को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। व्यापारियों की समस्याओं और सुझावों पर सकारात्मक विचार होना आवश्यक है। अखिल भारतीय व्यापारी परिषद (कैट), टीम उमरिया की ओर से जिला अध्यक्ष कीर्ति कुमार सोनी, संगठन मंत्री राहुल अग्निहोत्री, उपाध्यक्ष नरेश लालवानी, सचिव अश्विनी वाधवा, नगर अध्यक्ष हेमंत चंदानी, कपड़ा प्रकोष्ठ संयोजक अमित गुप्ता एवं मोबाइल प्रकोष्ठ संयोजक अभिषेक गुप्ता ने भी सरकार के इस निर्णय का स्वागत किया है।

**विधायक शिवनारायण सिंह ने किया सीसी रोड का भूमि पूजन**

**उमरिया (स्वतंत्रमत)।** नगर पालिका परिषद उमरिया के वार्ड क्रमांक-2 स्थित जेल बिल्डिंग के पीछे सीसी रोड तथा विकटग्रज स्थित शांतिकुंज आश्रम(शाखा-खजुरीताल) में शुक्रवार 16 अक्टूबर को रंगमंच निर्माण कार्य का भूमि पूजन बांधवागढ़ विधायक शिवनारायण सिंह द्वारा किया गया। दोनों विकास कार्यों के लिए विधायक मद से कुल 9.10 लाख रुपये की राशि स्वीकृत की गई है। इसमें सीसी रोड निर्माण के लिए 5 लाख रुपये तथा रंगमंच निर्माण के लिए 4.10 लाख रुपये स्वीकृत हुए हैं। दोनों निर्माण कार्यों की एजेंसी ग्रामीण यांत्रिकी सेवा को बनाया गया है।भूमि पूजन कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक शिवनारायण सिंह ने कहा कि विकास कार्यों का



वास्तविक उद्देश्य आम नागरिकों की जरूरतों को पूरा करना और उन्हें बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराना है। वार्ड क्रमांक-2 में जेल बिल्डिंग के पीछे लंबे समय से सड़क निर्माण की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। स्थानीय नागरिकों की मांग और आवागमन की समस्या को देखते हुए यहां सीसी रोड निर्माण की स्वीकृति दिलाई गई है। विधायक ने कहा कि सड़क निर्माण पूरा होने के बाद

स्थानीय रहवासियों को आवागमन में बड़ी राहत मिलेगी। बारिश सहित अन्य मौसम में आने-जाने में होने वाली परेशानियां कम होंगी और क्षेत्र के नागरिकों को बेहतर आवागमन सुविधा मिल सकेगी। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की छोटी-बड़ी आवश्यकताओं को प्राथमिकता के साथ पूरा करना उनकी जिम्मेदारी है और विकास कार्यों के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं।शांतिकुंज

आश्रम में रंगमंच निर्माण को लेकर विधायक ने कहा कि विकटग्रज स्थित शांतिकुंज आश्रम धार्मिक और सांस्कृतिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण केंद्र है। यहां समय-समय पर धार्मिक, सामाजिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित होते रहते हैं।

ऐसे में लंबे समय से एक व्यवस्थित रंगमंच की आवश्यकता महसूस की जा रही थी। उन्होंने कहा कि आश्रम के समीप बनने वाला यह रंगमंच आने वाले समय में धार्मिक और सांस्कृतिक आयोजनों के लिए उपयोगी साबित होगा। इससे स्थानीय प्रतिभाओं को अपनी कला और संस्कृति प्रस्तुत करने के लिए बेहतर मौक़ मिलेगा तथा क्षेत्र में सामाजिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियों को भी बढ़ावा मिलेगा।

# ब्यौहारी के वरिष्ठ समाजसेवी लालचंद बजाज का निधन

**उनके निधन से नगर में शोक की लहर सामाजिक क्षेत्र में अपूरणीय क्षति**

**ब्यौहारी (स्वतंत्रमत)।** नगर के वरिष्ठ समाजसेवी लालचंद बजाज के निधन का समाचार सामने आने से क्षेत्र में शोक का माहौल है। उनके निधन को सामाजिक क्षेत्र के लिए एक अपूरणीय क्षति के रूप में देखा जा रहा है। उनके जाने से परिजनों, मित्रों, शुभचिंतकों एवं परिचितों के बीच दुःख का वातावरण है। लालचंद बजाज जी को ब्यौहारी के वरिष्ठ नागरिक एवं समाजसेवी के रूप में याद किया



जा रहा है। उनके निधन से नगर ने एक ऐसे व्यक्ति को खो दिया, जिनसे अनेक लोगों का सामाजिक और व्यक्तिगत जुड़ाव रहा। उनके व्यक्तित्व, व्यवहार और जीवन से जुड़ी स्मृतियां उनके करीबियों के लिए हमेशा यादगार रहेंगी किसी भी व्यक्ति का जीवन केवल उसके

परिवार तक सीमित नहीं होता, बल्कि समाज के साथ उसके संबंध, लोगों के प्रति उसका व्यवहार और वषों में बनी उसकी पहचान भी उसे विशेष बनाती है। लालचंद बजाज जी के निधन से उनके परिचितों और शुभचिंतकों को गहरा दुःख पहुंचा है। उनके निधन पर शोक व्यक्त करते हुए दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की जा रही है। इस दुःख की घड़ी में शोकाकुल परिवार के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की जा रही हैं। ईश्वर से प्रार्थना है कि दिवंगत आत्मा को अपने श्रीचरणों में स्थान दें तथा परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करें।

# विश्व खाद्य दिवस पर विधिक साक्षरता शिविर आयोजित दुकानदारों और ग्राहकों को किया जागरूक

**उमरिया (स्वतंत्रमत)।** शुक्रवार 16 अक्टूबर को विश्व खाद्य दिवस के अवसर पर प्रधान न्यायाधीश माननीय श्री प्रियदर्शन शर्मा के मार्गदर्शन एवं खाद्य सुरक्षा आयुक्त भोपाल और कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय के निर्देशन में उमरिया नगर में खाद्य सुरक्षा एवं जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सचिव श्री मोहन डाबर की उपस्थिति में स्टेडियम के समीप चौपाटी में खाद्य पदार्थों का विक्रय करने वाले दुकानदारों एवं हाथ ठेला संचालकों को सुरक्षित खाद्य सामग्री बेचने के संबंध में जागरूक किया गया।

शिविर में न्यायाधीश श्री मोहन डाबर ने दुकानदारों को खाद्य पदार्थों का विक्रय निर्धारित नियमों एवं मानकों के अनुसार करने की समझाइश दी। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्य कानून के दायरे में रहकर और निर्धारित मापदंडों के अनुरूप करना सभी की सुरक्षा के लिए आवश्यक है। वहीं, शहडोल संभाग से आई चलित खाद्य प्रयोगशाला के केमिस्ट पीयूष कुमार मिश्रा ने खाद्य तेल खरीदते समय फोर्टिफाइड का निशान देखने तथा खाद्य सामग्री का उपयोग उसकी एक्सपयारी अवधि के भीतर करने की जानकारी दी।

खाद्य सुरक्षा अधिकारी मंजू



वर्मा ने दुकानदारों को एक्सपायरी मसालों एवं खाद्य पदार्थों में अनधिकृत रंगों का उपयोग नहीं करने, साफ-सफाई बनाए रखने तथा ताजे फल-सब्जियों का

इस्तेमाल करने के निर्देश दिए। उन्होंने त्योहारों के दौरान खाद्य सामग्री की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने और जांच-परख के बाद ही सामग्री खरीदने के लिए

आमजन को भी जागरूक किया। कार्यक्रम में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के पैरालीगल वॉलंटियर (पीएलवी) के.के. शुक्ला, राजेंद्र तिवारी तथा चलित खाद्य प्रयोगशाला के सदस्य उपस्थित रहे। जागरूकता कार्यक्रम के बाद खाद्य सुरक्षा दल ने संजय मार्केट स्थित जूस पॉइंट, होटल किशन दीप भोजनालय और राजकुमार सेवाराम किराना स्टोर का निरीक्षण किया। इस दौरान एक्सपायरी खाद्य सामग्री को हटवाया गया तथा प्रतिष्ठान संचालकों को साफ-सफाई और स्वच्छता बनाए रखने के आवश्यक निर्देश दिए गए।

## नवरात्रि में नौ देवियों का महत्व नारी शक्ति और आत्मजागरण का पर्व



नवरात्रि केवल पूजा-अर्चना का पर्व नहीं, बल्कि नारी शक्ति, साहस, करुणा और आत्मविश्वास का उत्सव है।

**माँ दुर्गा के नौ स्वरूप हमें जीवन में सकारात्मकता अपनाने, बुराइयों पर विजय पाने और समाज में समानता स्थापित करने की प्रेरणा देते हैं।**

### नौ देवियाँ, नौ जीवन संदेश

नवरात्रि में माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है। प्रत्येक देवी का स्वरूप जीवन के महत्वपूर्ण गुणों और आदर्शों का संदेश देता है।

**माँ शैलपुत्री**– दृढ़ता और धैर्य – माँ शैलपुत्री हमें कठिन परिस्थितियों में भी अपने संकल्प पर अडिग रहने और प्रकृति से जुड़ाव बनाए रखने की सीख देती हैं।

**माँ ब्रह्मचारिणी**– तपस्या और अनुशासन – उनका स्वरूप बताता है कि धैर्य, संयम और निरंतर प्रयास से जीवन के लक्ष्य प्राप्त किए जा सकते हैं।

**माँ चंद्रघंटा**– साहस और निर्भीकता – वे अन्याय का विरोध करने, सत्य का साथ देने और निर्बलों की रक्षा करने की प्रेरणा देती हैं।

**माँ कृष्ण्डा**– सृजन और सकारात्मकता – उनका स्वरूप आशावादी सोच, रचनात्मकता और नई संभावनाओं को अपनाने का संदेश देता है।

**माँ स्कंदमाता**– ममता और करुणा – वे प्रेम, वात्सल्य, संरक्षण और परिवार के प्रति जिम्मेदारी का महत्व समझाती हैं।

**माँ कात्यायनी**– संघर्ष और संकल्प– वे सामाजिक कुरीतियों, भेदभाव और अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाने की प्रेरणा देती हैं।

**माँ कालरात्रि**– निर्भयता – उनका स्वरूप भय, अज्ञान और नकारात्मकता का सामना आत्मविश्वास से करने की सीख देता है।

**माँ महागौरी**– पवित्रता और शांति – वे निर्मल विचारों, विनम्रता, करुणा और दूसरों के प्रति सम्मान का संदेश देती हैं।

**माँ सिद्धिदात्री**– ज्ञान और विवेक – वे बताती हैं कि वास्तविक सफलता सदाचार, बुद्धिमत्ता और आत्मिक विकास में निहित है।

### नारी शक्ति का सम्मान ही सच्ची आराधना

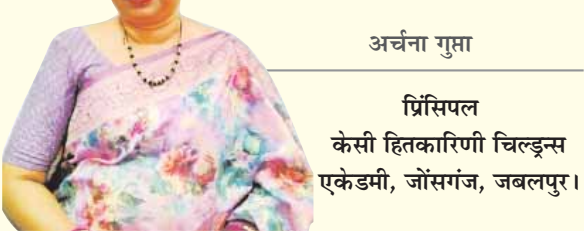
भारतीय संस्कृति में नारी को सृजन, संवेदना और शक्ति का प्रतीक माना गया है। महिलाएँ परिवार, शिक्षा, विज्ञान, प्रशासन और समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान देती हैं। इसलिए नवरात्रि हमें बेटीयों की शिक्षा, महिलाओं की सुरक्षा, समान अधिकार और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने का संकल्प लेने की प्रेरणा देती है। देवी की पूजा तभी सार्थक है, जब प्रत्येक महिला को सम्मान और आगे बढ़ने के समान अवसर मिलें।

### आस्था के साथ आत्मशुद्धि का संदेश

नवरात्रि हमें अपने भीतर की बुराइयों क्रोध, अहंकार, ईर्ष्या, लालच और भेदभावको दूर करने की सीख देती है। इन नौ दिनों में हमें जरूरतमंदों की सहायता करने, कन्या शिक्षा को प्रोत्साहित करने, पर्यावरण की रक्षा करने और समाज में प्रेम तथा सद्भाव बढ़ाने का प्रयास करना चाहिए।

### आदर्शों को जीवन में अपनाएँ

नवरात्रि के नौ दिन हमें दृढ़ता, संयम, साहस, करुणा, निर्भयता और विवेक जैसे गुण अपनाने की प्रेरणा देते हैं। आइए, इस पर्व पर हम केवल माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा न करें, बल्कि उनके आदर्शों को अपने आचरण में भी उतारें। जहाँ नारी का सम्मान होता है, वहीं समाज का वास्तविक उत्थान होता है। यही नवरात्रि का सच्चा संदेश और आत्मजागरण का मार्ग है।



अर्चना गुप्ता  
प्रिंसिपल  
केसी हितकारिणी चिल्ड्रन्स  
एकेडमी, जोंसगंज, जबलपुर।

## व्रत और विज्ञान : आस्था के साथ स्वास्थ्य का संतुलन

भारत की संस्कृति में व्रत और उपवास का विशेष महत्व है। नवरात्रि, एकादशी और महाशिवरात्रि जैसे पर्वों पर लोग श्रद्धापूर्वक व्रत रखते हैं। सामान्यतः व्रत को आस्था और भक्ति से जोड़कर देखा जाता है, लेकिन इसका संबंध खान-पान, दिनचर्या और आत्मसंयम से भी है। वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाकर हम इसके लाभों और सावधानियों को बेहतर ढंग से समझ सकते हैं।

**व्रत का धार्मिक और आध्यात्मिक महत्व**– व्रत का अर्थ केवल भोजन का त्याग करना नहीं, बल्कि मन और इंद्रियों पर नियंत्रण रखना भी है। इस दौरान व्यक्ति पूजा-पाठ, ध्यान और आत्मचिंतन के लिए समय निकालता है। इससे मानसिक शांति और अनुशासन की भावना विकसित हो सकती है। इस प्रकार व्रत आध्यात्मिक विकास के साथ हमारी जीवनशैली से भी जुड़ा हुआ है।

**व्रत और विज्ञान का संबंध**– विज्ञान के अनुसार, स्वस्थ रहने के लिए संतुलित आहार, दौरान अस्वस्थता महसूस होने पर स्वास्थ्य को

पर्याप्त पानी, अच्छी नींद और नियमित दिनचर्या आवश्यक हैं। उपवास के दौरान भोजन करने के समय में बदलाव होता है। कुछ वैज्ञानिक अध्ययनों में समय-सीमित भोजन के संभावित लाभ सामने आए हैं, ये लाभ प्रत्येक व्यक्ति में समान नहीं होते। केवल व्रत रखने से स्वास्थ्य बेहतर होने की गारंटी भी नहीं है। भोजन से पर्याप्त ऊर्जा न मिलने पर शरीर संचित ऊर्जा का उपयोग करने लगता है। हालांकि, लंबे समय तक भूखे रहने या पर्याप्त पोषण न लेने कमजोरी, चक्कर और निर्जलीकरण जैसी समस्याएँ हो सकती हैं। इसलिए व्रत को शरीर की सफाई या सभी रोगों के उपचार का निश्चित तरीका मानना उचित नहीं है।

**स्वास्थ्य के प्रति रहें जागरूक**– हर व्यक्ति की शारीरिक आवश्यकताएँ अलग होती हैं। बच्चों, गर्भवती महिलाओं, बुजुर्गों और मधुमेह जैसी बीमारियों से पीड़ित लोगों को उपवास करने से पहले चिकित्सकीय सलाह लेनी चाहिए। व्रत के अनुसार, स्वस्थ रहने के लिए संतुलित आहार, दौरान अस्वस्थता महसूस होने पर स्वास्थ्य को

प्रार्थमिकता देना जरूरी है।

**आस्था और विज्ञान का संतुलन**– व्रत और विज्ञान एक-दूसरे के विरोधी नहीं हैं। आस्था हमें मानसिक संतुलन और अनुशासन देती है, जबकि विज्ञान शरीर की आवश्यकताओं को समझने में सहायता करता है। व्रत का वास्तविक उद्देश्य केवल भूखा रहना नहीं, बल्कि आत्मसंयम, सकारात्मक सोच और संतुलित जीवनशैली अपनाना भी है। जब हम धार्मिक परंपराओं का पालन विवेक और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता के साथ करते हैं, तभी आस्था और विज्ञान के बीच उचित संतुलन स्थापित कर पाते हैं।



दीप्ति शुक्ला  
टीचर  
बीएमडी, हितकारिणी  
चिल्ड्रन्स एकेडमी,  
दीक्षितपुरा, जबलपुर।

## आत्मशुद्धि, आत्मचिंतन और आंतरिक शक्ति को जागृत करने का पर्व

भारत त्योहारों और आध्यात्मिक परंपराओं का देश है। यहाँ प्रत्येक पर्व अपने भीतर कोई न कोई गहरा संदेश समेटे हुए है। नवरात्रि भी ऐसा ही पावन पर्व है, जो माँ दुर्गा की आराधना के साथ आत्मशुद्धि, आत्मचिंतन और सकारात्मकता की प्रेरणा देता है। नवरात्रि का अर्थ है नौ रातें, जिनमें माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा की जाती है।

### नवरात्रि का वास्तविक रहस्य

नवरात्रि का रहस्य केवल पूजा-पाठ, व्रत या गरबा खेलने तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने भीतर छिपी शक्ति को पहचानना भी है। देवी को शक्ति का प्रतीक माना गया है। यह शक्ति हमें कठिनाइयों का सामना करने, अन्याय का विरोध करने और सत्य के मार्ग पर चलने की प्रेरणा देती है। नवरात्रि के नौ दिन हमें साहस, धैर्य, संयम,



करुणा और आत्मविश्वास जैसे गुण अपनाने का संदेश देते हैं।

### व्रत और आत्मसंयम का महत्व

नवरात्रि में व्रत रखने का विशेष महत्व है। व्रत केवल भोजन का त्याग नहीं, बल्कि अपनी इच्छाओं

पर नियंत्रण रखने और मन को शांत करने का अभ्यास भी है। इस दौरान सात्त्विक भोजन, अच्छे विचारों और अनुशासित दिनचर्या को अपनाकर व्यक्ति आत्मसंयम की भावना विकसित कर सकता है। इससे जीवन के उद्देश्यों पर

ध्यान केंद्रित करने में सहायता मिलती है।

### बुराइयों पर विजय का संदेश

माँ दुर्गा द्वारा महिषासुर का वध अच्छाई की बुराई पर विजय का प्रतीक है। इसका संदेश है कि हमें

## नवरात्रि : आस्था, शक्ति और संस्कारों का पर्व

भारत त्योहारों और परंपराओं का देश है। यहाँ माना जाने वाला प्रत्येक पर्व हमें जीवन में कुछ नया सीखने और अच्छे संस्कार अपनाने की प्रेरणा देता है। नवरात्रि भी ऐसा ही पावन पर्व है, जो माँ दुर्गा के नौ

स्वरूपों की आराधना के साथ शक्ति, साहस, भक्ति और सकारात्मकता का संदेश देता है।

नवरात्रि के नौ दिनों में भक्त माँ दुर्गा की पूजा-अर्चना करते हैं। घरों और मंदिरों में दीप जलाए जाते हैं, भजन-कीर्तन होते हैं और वातावरण भक्तिमय हो जाता है। अनेक लोग व्रत रखकर संयम और अनुशासन का पालन करते हैं। यह पर्व सिखाता है कि सच्ची श्रद्धा केवल पूजा-पाठ तक सीमित नहीं होनी चाहिए, बल्कि हमारे विचारों और व्यवहार में भी दिखाई देनी चाहिए।

### नारी शक्ति का सम्मान ही सच्ची पूजा

नवरात्रि का सबसे महत्वपूर्ण संदेश नारी शक्ति का सम्मान है। माँ दुर्गा के विभिन्न स्वरूप साहस, ज्ञान, करुणा और शक्ति के प्रतीक हैं। नारी का वास्तविक सम्मान तभी संभव है, जब समाज में बेटीयों को समान अवसर, शिक्षा, सुरक्षा और आगे बढ़ने का अधिकार मिले। केवल नौ दिनों तक देवी की पूजा करना पर्याप्त नहीं है; महिलाओं के प्रति सम्मान और समानता की भावना पूरे वर्ष हमारे जीवन का हिस्सा होनी चाहिए।

### आस्था के साथ पर्यावरण की जिम्मेदारी

आज त्योहारों को मनाने के तरीके में पर्यावरण संरक्षण को भी महत्व देना आवश्यक है। भव्य सजावट और धार्मिक आयोजनों के साथ स्वच्छता का ध्यान

रखना हमारी जिम्मेदारी है। मिट्टी की प्रतिमाओं का उपयोग, प्राकृतिक सजावट तथा पूजा सामग्री का उचित निपटारा पर्यावरण को सुरक्षित रखने में सहायक हो सकते हैं। धार्मिक आस्था तभी अधिक सार्थक बनती है, जब उसके साथ सामाजिक जागरूकता भी जुड़ी हो।

### नवरात्रि का वास्तविक संदेश

नवरात्रि हमें विश्वास दिलाती है कि जीवन में कठिनाइयों कितनी भी बड़ी क्यों न हों, साहस, धैर्य और सकारात्मक सोच से उनका सामना किया जा सकता है। यह पर्व अपने भीतर की नकारात्मकता, अहंकार और बुरे विचारों को दूर करने की प्रेरणा देता है। जरूरतमंदों की सहायता करना, अच्छे संस्कार अपनाना और समाज में प्रेम तथा सद्भाव बनाए रखना भी इसी भावना

का हिस्सा है।

अंततः नवरात्रि का वास्तविक अर्थ केवल माँ दुर्गा की आराधना करना नहीं, बल्कि उनके आदर्शों को जीवन में अपनाना है। आइए, इस नवरात्रि संकल्प लें कि हम आस्था के साथ मानवता, शक्ति के साथ विनम्रता और परंपराओं के साथ सामाजिक जिम्मेदारी को भी महत्व देंगे। यही माँ दुर्गा की सच्ची आराधना है।



स्वीटी गुप्ता  
अकाउंटेंट  
हितकारिणी चिल्ड्रन्स  
एकेडमी, देवताल,  
गढ़ा, जबलपुर।

# नवरात्रि की नौ देवियों से मिलती हैं जीवन की नौ सीख

नवरात्रि केवल पूजा-अर्चना का पर्व नहीं, बल्कि अच्छे संस्कार, सकारात्मक सोच और नैतिक मूल्यों को अपनाने का अवसर भी है। माँ दुर्गा के नौ स्वरूप विद्यार्थियों को जीवन में आगे बढ़ने, कठिनाइयों का सामना करने और एक अच्छा इंसान बनने की प्रेरणा देते हैं। यदि विद्यार्थी इन देवियों के गुणों को अपने जीवन में अपनाएँ, तो वे पढ़ाई के साथ व्यक्तिव निर्माण में भी सफल हो सकते हैं। जीवन की नौ सीख

**अनुशासन और समर्पण**

उनका स्वरूप सिखाता है कि लक्ष्य प्राप्त करने के लिए अनुशासन और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं। विद्यार्थियों को समय का सदुपयोग करना चाहिए और असफलता मिलने पर भी प्रयास जारी रखना चाहिए।

### साहस और आत्मविश्वास

माँ चंद्रघंटा से कठिन परिस्थितियों का सामना करने और सत्य का साथ देने की सीख मिलती है। परीक्षा हो या प्रतियोगिता, आत्मविश्वास और सकारात्मक सोच विद्यार्थियों को

आगे बढ़ने में सहायता करते हैं।

### सकारात्मकता और रचनात्मकता

वे विद्यार्थियों को आशावादी सोच अपनाने, नए विचार विकसित करने और समस्याओं का समाधान खोजने के लिए प्रेरित करती हैं।

### प्रेम और जिम्मेदारी

माँ स्कंदमाता का स्वरूप करुणा और ममता का प्रतीक है। विद्यार्थियों को माता-पिता, शिक्षकों और बड़ों का सम्मान करने के साथ सहपाठियों के प्रति सहयोगी व्यवहार रखना चाहिए।

### निर्भीकता और न्याय

उनसे अन्याय और भेदभाव के

विरुद्ध उचित तरीके से आवाज उठाने की प्रेरणा मिलती है। विद्यार्थियों को सभी के साथ समान व्यवहार करना और सत्य का साथ देना सीखना चाहिए।

### भय पर विजय

माँ कालरात्रि सिखाती हैं कि कठिनाइयों से घबराने के बजाय उनका साहसपूर्वक सामना करना चाहिए। विद्यार्थियों को अपनी कमजोरियों और बुरी आदतों को पहचानकर उनमें सुधार करना चाहिए।

### पवित्रता और सदाचार

उनका स्वरूप ईमानदारी, विनम्रता और शुद्ध विचारों का संदेश देता है। विद्यार्थियों को

अपने भीतर मौजूद क्रोध, अहंकार, लोभ, ईर्ष्या और द्वेष जैसी बुराइयों को दूर करने का प्रयास करना चाहिए। दूसरों की गलतियाँ खोजने से पहले अपनी कमियों को पहचानना और उनमें सुधार करना आत्मविकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है।

### नारी शक्ति का सम्मान

नवरात्रि हमें महिलाओं और बालिकाओं के सम्मान की प्रेरणा भी देती है। कन्या पूजन का वास्तविक उद्देश्य तभी पूरा होता है, जब बेटीयों को शिक्षा, सुरक्षा, समान अधिकार और आगे बढ़ने के अवसर मिलें। नारी का सम्मान केवल धार्मिक परंपरा नहीं, बल्कि एक सभ्य समाज की पहचान है।

### जीवन में सकारात्मक परिवर्तन

अंततः नवरात्रि केवल नौ दिनों का उत्सव नहीं, बल्कि स्वयं को

बेहतर बनाने का अवसर है। यदि हम अपने विचारों को शुद्ध करें, दूसरों के प्रति प्रेम और करुणा रखें तथा सत्य और सदाचार का मार्ग अपनाएँ, तो इस पर्व का आध्यात्मिक उद्देश्य सार्थक होगा। माँ दुर्गा की सच्ची आराधना यही है कि हम उनके आदर्शों को अपने जीवन में उतारें और अपनी आंतरिक शक्ति को पहचानें।



रजनी परोहा  
टीचर  
बीएमडी, हितकारिणी चिल्ड्रन्स  
एकेडमी, दीक्षितपुरा, जबलपुर।

## नवदुर्गा से शक्ति स्वरूपा, बेटीयाँ पहचानें अपनी शक्ति

नवरात्रि का पावन पर्व भक्ति, आस्था और नारी शक्ति का प्रतीक है। नौ दिनों तक हम माँ दुर्गा के नौ स्वरूपों की आराधना करते हैं। नवमी पर छोटी-छोटी कन्याओं

को देवी का स्वरूप मानकर उनका पूजन किया जाता है। लेकिन एक शिक्षक के रूप में यह विचार करना आवश्यक है कि क्या हम बेटीयों को केवल एक दिन पूजते हैं, या उन्हें अपनी शक्ति पहचानने और आत्मनिर्भर बनने की प्रेरणा भी देते हैं? आज नवरात्रि का पर्व बेटीयों को यह समझाने का अवसर है कि उनके भीतर ज्ञान, साहस, आत्मविश्वास और नेतृत्व की अपार क्षमता है। उन्हें अपनी योग्यताओं पर विश्वास करके जीवन में आगे बढ़ना चाहिए।

### शिक्षा और ज्ञान से सशक्त बनें

शिक्षा बेटीयों की सबसे बड़ी शक्ति है। शिक्षित लड़की न केवल अपने सपनों को साकार करती है, बल्कि परिवार और समाज के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है। ज्ञान उन्हें सही निर्णय लेने, अपने अधिकारों को समझने और चुनौतियों का सामना करने की क्षमता प्रदान करता है। इसलिए प्रत्येक बेटी को शिक्षा प्राप्त करने और अपनी प्रतिभा निखारने का अवसर मिलना चाहिए।

### साहस और आत्मविश्वास अपनाएँ

माँ दुर्गा अन्याय पर विजय और साहस की प्रतीक हैं। इसी प्रकार बेटीयों को भी अन्याय, दुर्व्यवहार और भेदभाव के विरुद्ध आवाज उठाना सीखना चाहिए। उन्हें अपनी बात निडरता से रखने, कठिन परिस्थितियों का सामना करने और आवश्यकता पड़ने पर सहायता माँगने में संकोच नहीं करना चाहिए। आत्मविश्वास ही उन्हें अपनी राह बनाने की प्रेरणा देता है।

### आत्मनिर्भरता और आत्मसम्मान का महत्व

सच्ची शक्ति आत्मनिर्भरता में निहित है। जब बेटीयाँ अपने कौशल, मेहनत और योग्यता के बल पर आगे बढ़ती हैं, तो वे अपने निर्णय लेने में सक्षम बनती हैं। विज्ञान, खेल, राजनीति, कला और शिक्षा सहित प्रत्येक क्षेत्र में उनके लिए संभावनाओं के द्वार खुले हैं। उन्हें अपने आत्मसम्मान से समझौता किए बिना लक्ष्य प्राप्त करने का संकल्प लेना चाहिए।

### समाज और अभिभावकों का दायित्व

बेटीयों को सशक्त बनाने में परिवार, विद्यालय और समाज की महत्वपूर्ण भूमिका है। बेटों और बेटीयों को समान अवसर दिए जाएँ, उनकी शिक्षा को प्राथमिकता मिले और उनके सपनों को प्रोत्साहित किया जाए। साथ ही, ऐसा सुरक्षित वातावरण बनाया जाए, जहाँ प्रत्येक लड़की बिना भय के अपनी प्रतिभा का विकास कर सके।

### नवरात्रि का वास्तविक संदेश

नवरात्रि की सार्थकता तभी है, जब हम देवी की पूजा के साथ अपने घर और समाज की बेटीयों का भी सम्मान करें। आइए, इस पर्व पर संकल्प लें कि हम बेटीयों को शिक्षा, सुरक्षा, समानता और आत्मनिर्भरता के अवसर देंगे। हर बेटी को यह विश्वास होना चाहिए कि वह कमजोर नहीं, बल्कि अपनी क्षमताओं से अपना भविष्य गढ़ने वाली शक्ति है।



अनुपमा पटेल  
टीचर  
बीएमडी, हितकारिणी चिल्ड्रन्स  
एकेडमी, दीक्षितपुरा,  
जबलपुर

में भी है। यदि विद्यार्थी अनुशासन, परिश्रम, साहस, करुणा और सत्यनिष्ठा को अपने जीवन का हिस्सा बनाएँ, तो वे न केवल सफल विद्यार्थी, बल्कि जागरूक और आदर्श नागरिक भी बन सकते हैं।



श्रद्धा श्रीवास्तव  
टीचर  
के.सी हितकारिणी चिल्ड्रन्स  
एकेडमी, जोंसगंज, जबलपुर।

## शब्द पहेली - 9007

## बाएँ से दाएँ

1. पाबंदी, संयम, पाश-3
3. मनुष्य, इंसान-3
5. शारीरिक ऊंचाई-2
6. नलका, टूटी
8. प्रलय, महासंकट-4
11. दही से बना खाद्य पदार्थ-3
13. निर्माण, निर्मिती-3
14. हुनर, आर्ट-2
15. उम्मीद, आशा-2
16. खाना बनाना-3
18. असफल, अनुतोर्ण-3
20. आभास, भास-3
22. वध-2
24. जी, इच्छा, चित-2
25. सब्जी का सड़ना, बर्फ का पिघलना-3
26. याद करना-3

## ऊपर से नीचे

1. हड़ताल, स्थिर, रुका हुआ-2
2. लवण -3
3. विश्राम, राहत-3
4. मछली, मत्स्य, राशि चक्र की एक राशि-2
5. बूंद-3
7. शरमाना-3
9. दोस्त, मित्र-2
10. बहुत प्यासा होना-4
12. एकटक निहारना-3
16. शरण, आश्रय-3
17. सम्मान-2
19. चिंतन-3
20. मकान, इमारत-3
21. कमी, थोड़ा-3
23. तन देना-2
24. इंकार, मनाही-2

## शब्द पहेली - 9006 का हल

|    |   |    |    |     |    |    |
|----|---|----|----|-----|----|----|
| न  | भ | न  | र  | म   | मा | त  |
| म  | श | म  | द  | म   | प  | प  |
| क  | न | क  | ज  | ना  | प  | ना |
| मा | ख | न  | क  | र   |    |    |
| ग  | ज | दा | र  | स   | गे | वर |
| पा | ल | पा | म  | ति  |    |    |
| र  | ह | न  | ल  | चि  | श  | न  |
| म  | ख | त  | पा | त्र | जा |    |
| ल  | य | वा | च  | क   | ता | त  |

Jagrutidaur.com, Bangalore

### शब्द पहेली -9006 का हल

|    |   |    |    |    |    |   |
|----|---|----|----|----|----|---|
| न  | भ | न  | र  | म  | मा | त |
| म  | श | म  | द  | म  | प  |   |
| क  | न | क  | ज  | न  | प  | न |
| मा | ख | न  | क  | र  |    |   |
| रा | ज | दा | र  | स  | गे | व |
| ग  | ल | ग  | म  | रि |    |   |
| र  | ह | न  | ल  | मि | श  | न |
| म  | ख | त  | पा | ज  | ज  |   |
| ल  | य | वा | च  | क  | ता | त |

■ Jagrutidaur.com, Bangalore



**नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत।** तलापार चौराहे पर दुर्गा उत्सव के दौरान विविध कार्यक्रम हो रहे हैं। यहां स्थापित दुर्गा जी की प्रतिमा आकर्षण का केंद्र बनी हुई है। दोपहर और शाम को भजन कीर्तन होते हैं। श्याम की आरती में श्रद्धालु बड़ी संख्या में सामूहिक आरती करते हैं।

# सतना बस स्टैंड अतिक्रमण से पटा पड़ा,यात्रियों की बड़ी मुश्किलें

सतना ब्यूरो

विंध्य क्षेत्र का सबसे व्यस्त बस स्टैंड कहे जाने वाला सतना का मुख्य बस स्टैंड इन दिनों अतिक्रमण की गिरफ्त में है। बस स्टैंड के भीतर और बाहर चारों तरफ अवैध कब्जों का आलम है जिससे आम यात्रियों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। प्रशासन की अनदेखी के चलते अतिक्रमणकारी बेखौफ होकर अपना कारोबार चला रहे हैं।

प्रवेश द्वार से ही जाम बस स्टैंड के मुख्य प्रवेश द्वार पर ही ऑटोए ई.रिक्शा और ठेले वालों ने कब्जा कर रखा है। सुबह से शाम तक यहां जाम की स्थिति बनी रहती है। यात्री बस पकड़ने के लिए तो अंदर जाते हैं लेकिन सामान के साथ इस भीड़ से निकलना किसी चुनौती से कम नहीं। बसों के आने.जाने के लिए निर्धारित रास्ते पर भी फ्ल.सब्जी के ठेले लगे हुए हैं। सामान फैला रखा है। चाय.नाश्ते के ठेले और पान.गुटखा की दुकानों ने पैदल चलने की जगह तक नहीं छोड़ी है। यात्रियों के बैठने के लिए बनाए गए शोड के नीचे भी अवैध वेंडों ने कब्जा कर लिया है।

सुरक्षा पर भी सवाल- अतिक्रमण के कारण बस स्टैंड की सुरक्षा व्यवस्था पर भी सवाल उठ रहे हैं। सीसीटीवी कैमरों के सामने ही ठेले लगे होने से निगरानी मुश्किल हो रही है। रात के समय असामाजिक तत्वों का जमावड़ा भी बढ़ जाता है। महिला यात्रियों को विशेष रूप से परेशानी का सामना करना पड़ता है।



यात्रियों ने बताया आक्रोश- नियमित यात्रा करने वाले यात्रियों का कहना है कि कई बार शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नहीं होती। अतिक्रमण हटाओ दस्ता आता है खानापूर्ति कर चला जाता है और दूसरे दिन फिर वही स्थिति बन जाती है। लोगों ने मांग की है कि बस स्टैंड को स्थायी रूप से

# नवरात्रि पर्व पर रक्तदान शिविर महिलाओं ने भी किया रक्तदान

नरसिंहपुर, स्वतंत्रमत

नवरात्रि पर्व पर धार्मिक आयोजनों के साथ समाजसेवा और जनजागरूकता की अनूठी मिसाल ग्राम धुबघट में देखने को मिल रही है। यहां उत्सव समिति ई कक्ष दुर्गा मंडल द्वारा धार्मिक कार्यक्रमों के साथ रचनात्मक एवं सेवाभावी गतिविधियां भी आयोजित की जा रही हैं। इसी क्रम में दुर्गा उत्सव समिति ग्राम धुबघट के तत्वावधान में रक्त जांच एवं रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया, जिसमें ग्रामीणों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए रक्तदान किया। शिविर में युवाओं के साथ महिलाओं ने भी आगे आकर रक्तदान के प्रति अपनी जागरूकता और सामाजिक जिम्मेदारी का परिचय दिया। आयोजकों के अनुसार, शिविर में करीब 70 युवाओं एवं 20 महिलाओं सहित कुल 90 लोगों ने रक्तदान किया। इस पहल के माध्यम से ग्रामीणों ने जरूरतमंद मरीजों की



सहायता के लिए रक्तदान का संदेश दिया। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित समाजसेवी अनुज प्रताप सिंह एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी गजेंद्र सिंह नागेश ने कहा कि धार्मिक आयोजनों के माध्यम से जनजागरूकता और समाजसेवा से जुड़े कार्यक्रम करना सराहनीय पहल है। आस्था के साथ मानव सेवा का संदेश देने वाले ऐसे आयोजन समाज में सकारात्मक बदलाव लाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। आयोजन समिति ने सभी रक्तदाताओं, अतिथियों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। समिति के सदस्यों ने बताया कि ग्राम धुबघट में प्रतिवर्ष नवरात्रि पर्व के दौरान धार्मिक आयोजनों के साथ रचनात्मक एवं सेवाभावी कार्यक्रम भी आयोजित किए जाते हैं, ताकि इन आयोजनों के माध्यम से समाज को सकारात्मक संदेश देने के साथ जरूरतमंद लोगों को लाभ पहुंचाया जा सके।

# शहर के सभी भवनों की निर्माण अनुमतियों की होगी जांच

सतना ब्यूरो

नगर पालिक निगम सतना में प्रशासनिक कसावट और नागरिक सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए गुरुवार को लंबी समीक्षा बैठक हुई। आयुक्त डॉ. नागार्जुन बी.गौड़ा की अध्यक्षता में सुबह 10.30 बजे से शाम 8 बजे तक चली इस बैठक में करीब साढ़े नौ घंटे तक सभी विभागों के कार्यों की गहन समीक्षा की गई। भवन अनुज्ञा की व्यापक जांच आयुक्त ने भवन अनुज्ञा शाखा को निर्देश दिए कि नगर निगम क्षेत्र के सभी भवनों की निर्माण अनुमति की जांच की जाए। स्वीकृत नक्शे और मौके पर वास्तविक निर्माण का मिलान कर अनियमितता चिह्नित की जाए। जहाँ कंपाउंडिंग संभव है वहीं नियमानुसार कार्रवाई हो लेकिन बेसलाइन से बाहर हुए अवैध निर्माण को किसी भी हाल में बर्दाश्त न किया जाए और विधिसम्मत तरीके से हटाया जाए। उन्होंने कहा कि नियमों के उल्लंघन में शिथिलता नहीं बरती जाएगी।

अवैध कॉलोनियों से सख्त वसूली कॉलोनी सेल की समीक्षा में अवैध कॉलोनियों के बकाया शुल्क पर सख्त रुख अपनाया गया। आयुक्त ने निर्देश दिए कि शुल्क जमा न करने वाले कॉलोनीदाजों के खिलाफ आर आरसी जारी कर वसूली सुनिश्चित की जाए। वसूली में देरी न हो इसकी नियमित निगरानी होगी।

पीएम आवास आवंटन निरस्त होंगे प्रधानमंत्री आवास योजना में



बकाया राशि जमा न करने वाले हितग्राहियों के आवंटन निरस्त करने के निर्देश दिए गए। अधिकारियों को ऐसे प्रकरणों का परीक्षण कर समयबद्ध निराकरण करने को कहा गया। निजी खाली भूखंडों पर जुर्माना स्वच्छता समीक्षा में आयुक्त ने कहा कि निजी खाली भूखंडों में कचरा मिलने पर मालिकों पर जुर्माना लगाया और यह राशि

संपत्तिकर के साथ वसूली जाएगी। ऐसे भूखंडों को चिह्नित कर कार्रवाई की जाए। डोर.टू.डोर कचरा संग्रहण के लिए रेमकी कंपनी को 7 साल से पुराने वाहन अक्टूबर अंत तक बदलने के निर्देश दिए गए। निगम में कंट्रोल रूम बनेगा जहाँ से सभी वाहनों की ज्यै से रियल टाइम निगरानी होगी। सफ़ाई दरोगाओं को वॉकी.टॉकी दिए जाएंगे ताकि संवाद बेहतर हो

सके। जल कनेक्शनों में स्मार्ट मीटर लगाने और संपत्तिकर बकायादारों के कनेक्शन स्वतः बंद करने की तकनीकी व्यवस्था विकसित करने को कहा गया। साथ ही जलकर और संपत्तिकर की संयुक्त वसूली के लिए प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए गए। शहर की सभी दुकानों का सर्वे कर ट्रेड लाइसेंस की जांच होगी। बिना लाइसेंस वाले प्रतिष्ठानों को चिह्नित कर कार्रवाई होगी। फ्लाईओवर के नीचे स्मार्ट टॉयलेट स्थापित करने और तालाबों में मत्स्य पालन की योजना पर भी चर्चा हुई धार्मिक तालाबों को छोड़कर। आयुक्त ने चोपणा की कि अब हर गुरुवार को विभागावार समीक्षा होगी। बैठक में अमृत योजना निर्माण अतिक्रमण फायरए विद्युत राजस्व लेखा स्वच्छ भारत मिशन सहित सभी शाखाओं के कार्य शामिल हैं। देर रात सड़क डामरीकरण कार्य का निरीक्षण

नगर निगम आयुक्त डा.नागार्जुन बी. गौड़ा बुधवार देर रात 11.30 बजे औचक निरीक्षण पर निकले। उन्होंने वार्ड क्रमांक 41 में हनुमान चौक के समीप चल रहे सड़क डामरीकरण कार्य का स्थल निरीक्षण किया। देर रात मौके पर पहुंचकर आयुक्त ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता इस्तेमाल हो रही सामग्री और प्रगति का जायजा लिया। उन्होंने मौजूद अधिकारियों और ठेकेदार को निर्देशित किया कि डामरीकरण कार्य निर्धारित तकनीकी मानकों के अनुरूप ही हो गुणवत्ता में किसी प्रकार का समझौता न किया जाए और कार्य को निर्धारित समयसीमा में ही पूर्ण किया जाए। आयुक्त के इस रात्रिकालीन निरीक्षण से निर्माण विभाग में हड़कंप की स्थिति रही। स्थानीय लोगों ने आयुक्त की इस सक्रियता की सराहना की।

# जगदंबिका भवानी के चरणों में सभी नमन

सतना ब्यूरो। मां दुर्गा समिति केशव नगर धवारी में इस समय चहुँऔर मां दुर्गा समिति में संगीत में रामायण भजन मां के जयकारे संध्या आरती से भक्तगण भाव विभोर हो रहे हैं सभी का भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है । कार्यक्रम के प्रमुख संयोजक मानु सिंह जानू सिंह प्रतीक सिंह हेप्पी सिंह उदित सिंह विनय सिंह नितिन शुक्ला प्रभु सिंह उत्तम सिंह महेश तिवारी का भरपूर सहयोग प्राप्त हो रहा है । सभी से उपस्थित होकर धर्म लाभ प्राप्त करने की कामना की गई है मां की पूजा अर्चना कर अपने आप को भाग्यशाली समझते हैं। भारतीय सनातन वैदिक संस्कृत के अनुसार नित्य दिन भोग संध्या आरती की जा रही है।



# नवांकुर सखी प्रकृति संस्कृति संरक्षण कार्यक्रम अंतर्गत शक्ति से सृजन कार्यक्रम आयोजित

सतना ब्यूरो

मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देशानुसार विकासखंड मझगवां के सेक्टर क्रमांक 2 के अंतर्गत नवांकुर संस्था श्री बसंत लाल कुशवाहा इसमें सेवा संस्थान खुट्टहा के द्वारा ग्राम पंचायत मझगवां में बड़े हनुमान मंदिर में नवांकुर सखी सुजन योजना के अंतर्गत कलश यात्रा भजन एवं जल स्रोत वृक्ष पूजन का कार्यक्रम किया गया । भजन संध्या का आयोजन जिसमें सर्वप्रथम हनुमान जी की पूजा अर्चना कर कलश यात्रा का आयोजन किया गया तत्पश्चात नवांकुर सखियों द्वारा देवी भक्ति गीत के भजन कार्यक्रम किया गया। इसके बाद सभी लोगों ने बड़े तालाब पहुंचकर वहां



जल स्रोत एवं वृक्ष पूजन किया गया कार्यक्रम का उद्देश्य समाज में भाई चारे की भावना जागृत करना और जीवन में जल एवं वृक्ष के प्रति समाज की सहभागिता होना चाहिए। कार्यक्रम विकासखंड के ब्लॉक समन्वयक अरुण सिंह जी के उपस्थिति एवं निर्देशन में संपन्न हुआ विशिष्ट रूप से

परामर्शदाता आराधना मिश्रा रंगलाल मवासी एमएसडब्ल्यू छात्र सुषमा त्रिपाठी वंदना मवाशी आरती शिवहरे कामिनी शिवहरे रोशनी कुशवाहा रेखा त्रिपाठी अनु मिश्रा तन्वी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित है कार्यक्रम का संचालन संस्था प्रभारी गंगा प्रसाद कुशवाहा द्वारा किया गया।

# गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र को थोकबंद 16 चिकित्सक

दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सकीय सुविधाओं में बड़ी सौगात

कलेली/गाडरवारा

दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सकीय सुविधाओं के अभाव व चिकित्सकों की उपलब्धता न होने की समस्या को लेकर नागरिकों की शिकायतों के निराकरण की दिशा में एक्शन मोड में प्रदेश सरकार ने गाडरवारा विधानसभा में चिकित्सकीय सुविधाओं के इजाफे में अभूतपूर्व पहल की है। गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र को एक साथ थोकबंद 16 चिकित्सकों की नियुक्ति की सौगात दी गई है।

संवेदनशील नेतृत्व, बड़ी पहल

मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के संवेदनशील नेतृत्व में दूरस्थ, ग्रामीण क्षेत्रों में चिकित्सकीय सुविधाओं में बेहरीर के लिए व्यापक स्तर पर बांड की शर्त पूर्ती हेतु डॉक्टरों की पदस्थापना की गई है, जिसके अंतर्गत नरसिंहपुर जिले के गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र में चिकित्सा के क्षेत्र में बड़ी पहल करते हुए थोकबंद 16 चिकित्सकों की नियुक्ति की गई है। जिसके अंतर्गत सीएचसी सालेचौका में 5, सीएचसी साईखेड़ा में 5, सीएचसी चीचली में 1 व सीएच



गाडरवारा में 5 चिकित्सकों की पद स्थापना की गई है। जिनमे 12 चिकित्सकों द्वारा ज्वानिंग ले ली गई है और शेष चार चिकित्सक शीघ्र उपलब्ध होंगे।

स्वास्थ्य सेवाओं में इजाफा-मध्य प्रदेश के परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदय प्रताप सिंह की विशेष पहल पर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल द्वारा तत्संबंध में जारी किए गए विशेष आदेश में गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र को थोकबंद 16 चिकित्सकों की सौगात से नवाजा गया है। इन चिकित्सकों की पदस्थापना का मूल उद्देश्य संबंधित क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की निरंतर उपलब्धता सुनिश्चित करना है। जिससे दूरस्थ एवं ग्रामीण क्षेत्र में स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता को सुदृढ़ करने से जनता को व्यापक लाभ प्राप्त होगा।

## क्षेत्रीयजनों ने जताया हर्ष

गाडरवारा के विधायक एवं मध्य प्रदेश सरकार में परिवहन एवं स्कूल शिक्षा मंत्री, जनता के नेता उदय प्रताप सिंह के संवेदनशील नेतृत्व में गाडरवारा विधानसभा क्षेत्र की जनता के हर्म को छूते हुए विकास के विविध क्रम निरंतर प्रवाह में हैं। चिकित्सा के क्षेत्र में ग्रामीणजनों की इस महती आवश्यकता को प्राथमिकता देते हुए श्री राव के द्वारा दी गई इस बड़ी सौगात पर क्षेत्रीयजनों ने हर्ष जताते हुए आभार व्यक्त किया है।

### पीएम आवास की बैठक

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

कलेक्ट्रेट के गोलमेज कक्ष में नगर पालिका क्षेत्रों के प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी संबंधी समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता कलेक्टर द्वारा की गई बैठक में अपर कलेक्टर एवं परियोजना अधिकारी शहरी विकास अभिकरण श्रीमती सोनल सिडाम ने बताया कि सर्वे उपरांत योजना अंतर्गत चार चरणों में कुल 180 आवेदन प्राप्त हुए थे। समिति द्वारा नियमानुसार सभी आवेदनों की स्कूटनी एवं परीक्षण किया गया है।

### शारदीय नवरात्र की धूम

मण्डला/बम्हनी(स्वतंत्रमत)। नगर में शारदीय नवरात्र के अवसर पर जगह-जगह मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। नगर के विभिन्न मोहल्लों और प्रमुख चौक-चौराहों पर सजे पूजा पंडालों में श्रद्धालु मां के दर्शन के लिए पहुंच रहे हैं। प्रतिमाओं की स्थापना से नगर में धार्मिक उत्साह और भक्तिमय माहौल बना हुआ है नगर के बस स्टैंड प्रांगण, गांधी चौक, आस्तिक शारदा मंदिर, सिविल लाइन, सोनी मोहल्ला, चौरसिया मोहल्ला, मालवा चौक, टिकरी टोला, पुराना बस स्टैंड, काली चौक, लखेरा मोहल्ला और शीतला मंदिर सहित अन्य स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं।

### जनसंवाद में पहुंचे एसपी

मण्डला/मवाई(स्वतंत्रमत)। ग्राम भीमडोंगरी स्थित पुलिस कौशल केंद्र में थाना मोतीनाला अंतर्गत आने वाले ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ पुलिस जन संवाद कार्यक्रम आयोजित किया गया कार्यक्रम में पुलिस अधीक्षक राजेश रघुवंशी एवं अनुविभागीय अधिकारी पुलिस बिछिया सौरभ तिवारी ने ग्रामीणों एवं जनप्रतिनिधियों से रूबरू होकर क्षेत्र की विभिन्न समस्याओं एवं सुरक्षा संबंधी विषयों पर चर्चा की।

### कलश यात्रा जल पूजन

मण्डला(स्वतंत्रमत)। मप्र जन अभियान परिषद के निर्देशानुसार विकासखंड में जिला समन्वयक सुशील बर्मन के मार्गदर्शन एवं विकासखंड समन्वयक संतोष कुमार झारिया के नेतृत्व में प्रवाहिनी समिति एवं आदिवासी बैगा विकास समिति के संयुक्त तत्वावधान में माहिष्मती घाट एवं ग्राम पंचायत देवदरा के गऊघाट में कलश यात्रा एवं जल स्नोत पूजन कार्यक्रम आयोजित हुआ कार्यक्रम में वृक्ष पूजन भूमि पूजन एवं कलश यात्रा निकाली गई।

### जन स्वास्थ्य शिविर संपन्न

मण्डला/बिछिया। सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र भुआ बिछिया में निशुल्क वृद्ध जन स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। सुबह 9 से शाम 5 बजे तक चला शिविर का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के वृद्ध जनों को बेहतर इलाज स्वास्थ्य सेवाएं देना और स्वस्थ जीवन के लिए प्रेरित करना इसमें स्वास्थ्य परीक्षण इलाज परामर्श एवं फिजियोथैरेपिस्ट चिकित्सा सेवाएं दी गई डॉक्टर श्वेता जायसवाल फिजियोथैरेपिस्ट के मार्गदर्शन में जोड़ों के दर्द से राहत मांसपेशियों की मजबूती और संतुलन सुधारने के लिए उचित इलाज एवं परामर्श दिया गया।

# चहुंओर गूंज रहे मातारानी के जयकारे, दुर्गा पंडालों में भजन-कीर्तन और जस गीत

### झंडा चौक सहित विभिन्न वाडों में उमड़ रहे श्रद्धालु

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। शारदीय नवरात्र पर्व के अवसर पर नगर में चारों ओर देवी आराधना की धूम मची हुई है। मां आदिशक्ति की भक्ति में लीन श्रद्धालु सुबह से देर रात तक देवी मंदिरों और दुर्गा पूजा पंडालों में पहुंचकर पूजा-अर्चना कर रहे हैं। नगर के विभिन्न पंडालों में प्रतिदिन भजन-कीर्तन, पारंपरिक जस गीत और महाआरती के आयोजन हो रहे हैं। ढोलक, मंजीरे और झांझ की मधुर धुनों से बीच माता रानी के जयकारों से वातावरण भक्तिमय बना हुआ है। वहीं, मां महाकाली के समक्ष महिलाओं द्वारा सुहागले का आयोजन कर परिवार की सुख-

मण्डला(स्वतंत्रमत)। जनपद पंचायत बीजाडांडी में मुख्य कार्यपालन अधिकारी वासंती दुबे की कार्यप्रणाली को लेकर विवाद अब सड़क तक पहुंच गया है। भ्रष्टाचार और प्रशासनिक अनियमितताओं के आरोपों को लेकर क्षेत्रीय विधायक निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और स्थानीय नागरिकों ने गुरुवार को एक दिवसीय धरना-प्रदर्शन कर अपना विरोध दर्ज कराया प्रदर्शनकारियों ने जनपद पंचायत में कथित अवैध वसूली फर्जी बिलों के जरिए शासकीय राशि के दुरुपयोग और विकास कार्यों में अनियमितताओं के आरोप लगाते हुए संबंधित अधिकारी को तत्काल हटाने मांग की जनप्रतिनिधियों ने साफ चेतावनी दी कि यदि 15 दिन के भीतर उनकी मांगों पर कार्यवाही नहीं हुई तो जिलेभर के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और क्षेत्र की जनता में सौईओ की कार्यप्रणाली को लेकर असंतोष लंबे समय से सामने आने की बात कही जा रही है। जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती करिश्मा राजेंद्र पुड्डा सहित जनपद



सदस्यों और अन्य जनप्रतिनिधियों ने इस मामले को लेकर पहले भी प्रशासन का ध्यान आकर्षित कराया था। अब धरना-प्रदर्शन के जरिए उन्होंने अपनी नाराजगी खुलकर जाहिर की है। प्रदर्शन कारियों का कहना है कि जब पंचायत स्तर पर विकास कार्यों और शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन की जिम्मेदारी संभालने वाले अधिकारी की कार्यप्रणाली पर ही सवाल उठने

लंगें तो शिकायतों की निष्पक्ष जांच कराना प्रशासन की जिम्मेदारी बन जाती है जनप्रतिनिधियों की ओर से लगाए गए आरोपों में पंचायत असर पंचायतों की कार्यप्रणाली और विकास योजनाओं पर पड़ रहा है। उनका कहना है कि जनपद पंचायत में लिए जाने वाले निर्णयों और शासकीय धन के उपयोग में पारदर्शिता होनी चाहिए। यदि किसी स्तर पर वित्तीय या

सामान्य सभा में प्रस्तुत प्रस्तावों की अनदेखी किए जाने के आरोप भी लगाए गए हैं। प्रदर्शन कारियों का आरोप है कि इन परिस्थितियों का असर पंचायतों की कार्यप्रणाली और विकास योजनाओं पर पड़ रहा है। उनका कहना है कि जनपद पंचायत में लिए जाने वाले निर्णयों और शासकीय धन के उपयोग में पारदर्शिता होनी चाहिए। यदि किसी स्तर पर वित्तीय या

प्रशासनिक गड़बड़ी हुई है तो उसकी जांच कर जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए। सौईओ को पद से हटाने की मांग को लेकर पहले भी जिला प्रशासन और संभागीय आयुक्त को ज्ञापन सौंपे जा चुके हैं। इसके बावजूद अपेक्षित कार्रवाई नहीं होने का आरोप लगाते हुए उन्होंने आंदोलन का रास्ता अपनाया। धरने से पहले 12 अक्टूबर को अनुविभागीय

अधिकारी राजस्व, निवास को आवेदन देकर 15 अक्टूबर को शक्तिपूर्ण धरना-प्रदर्शन की अनुमति मांगी गई थी। प्रदर्शनकारियों ने स्पष्ट किया कि जांच केवल औपचारिकता बनकर नहीं रहनी चाहिए बल्कि शिकायतों में लगाए गए प्रत्येक आरोप की तथ्यात्मक पड़ताल होनी चाहिए। यदि जांच में अनियमितताएं प्रमाणित होती हैं तो नियमानुसार जिम्मेदारों के खिलाफ कार्यवाही की जाए। वहीं यदि आरोप प्रमाणित नहीं होते हैं तो स्थिति भी सार्वजनिक रूप से स्पष्ट की जानी चाहिए जनप्रतिनिधियों ने चेतावनी दी कि निर्धारित समयसीमा में अधिकारी को हटाने और जांच की मांग पर उचित निर्णय नहीं हुआ तो आंदोलन को और व्यापक किया जाएगा।

इसके लिए जिला प्रशासन को दोबारा ज्ञापन सौंपने और जिले के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों को एकजुट करने की रणनीति बनाई जाएगी बीजाडांडी जनपद पंचायत का यह विवाद अब केवल एक अधिकारी की कार्यप्रणाली तक सीमित नहीं रह गया है। इसमें पंचायतों के कामकाज, सरकारी

योजनाओं की पारदर्शिता और जनप्रतिनिधियों की शिकायतों के निराकरण जैसे सवाल भी जुड़ गए हैं। आरोप गंभीर हैं इसलिए प्रशासन के सामने भी चुनौती है कि वह मामले की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति स्पष्ट करे जनप्रतिनिधियों का कहना है कि उनका विरोध किसी व्यक्तिगत विवाद के बजाय पंचायत व्यवस्था में जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए है। उनका दावा है कि वे विकास कार्यों में पारदर्शिता और सरकारी योजनाओं का लाभ पात्र लोगों तक पहुंचाने के लिए संघर्ष जारी रखेंगे अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि जिला प्रशासन 15 दिन के अल्टीमेटम पर क्या रुख अपनाता है। क्या शिकायतों की उच्चस्तरीय जांच शुरू होगी क्या संबंधित अधिकारी की भूमिका की समीक्षा की जाएगी और क्या आरोपों पर समयबद्ध निर्णय लिया जाएगा? इन सवालों के जवाब प्रशासनिक कार्यवाही के बाद ही सामने आएंगे फिलहाल बीजाडांडी में हुए धरना-प्रदर्शन ने जनपद पंचायत की कार्यप्रणाली को लेकर उठे विवाद को और तेज कर दिया है।

# नवरात्र राष्ट्र उत्सव पर सांस्कृतिक विरासत सामाजिक कार्यक्रम

मण्डला(स्वतंत्रमत)।

भागीरथ सेवा विकास परिवार के द्वारा शारदेय नवरात्र के अवसर पर नवरात्र राष्ट्र उत्सव का आयोजन ज्ञानदीप इंग्लिश मीडियम स्कूल परिसर में किया गया। इसका मुख्य उद्देश्य भारतीय संस्कृति सनातन परंपराओं महापुरुषों की वीरगाथाओं और सामाजिक जागरूकता के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाना रहा। कार्यक्रम में महापुरुषों की झांकियां एवं प्रदर्शनी गोंडी संस्कृति पर आधारित नाट्य प्रस्तुतियां पारंपरिक लोकनृत्य तथा तलवार-लाठी का शस्त्र प्रदर्शन आकर्षण का केंद्र रहे। वहीं सिकल सेल एर्नोमिया रक्तदान के महत्व और नशामुक्ति पर आधारित नाटकों के माध्यम से सामाजिक जागरूकता का संदेश दिया गया ईदौर के सुप्रसिद्ध राष्ट्रीय कवि



प्रोफेसर मुकेश मोलवा ने वीर रस की ओजस्वी कविताओं से राष्ट्रप्रेम और उत्साह का संचार किया। उन्होंने मंडला की सांस्कृति रहन सहन और आदिवासी समाज के देश की आजादी में किए गए बलिदान को लेकर अपनी बात रखी उन्होंने कहा कि मंडला का ऐतिहासिक रामनगर किला सहस्त्रधारा चौगान मढ़िया ही नहीं

मां नर्मदा का अनुपम रूप और यहां की सांस्कृति हमें राष्ट्रप्रेम से जोड़ती है। मुख्य अतिथि मुकेश मोलवा का डॉ अजय वंशकार ने पौधा भेंटकर भगवा वस्त्र से सम्मान किया। यहां पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने लोगों का मन मोह लिया। सांस्कृतिक प्रस्तुतियों में श्रीमती केसरी मरावी एवं समूह शीतल कुमार कछवाहा एवं समूह,

देवेंद्र एवं समूह तथा गुरुकुल समूह सहित अन्य कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया कार्यक्रम के अंत में सभी कलाकारों को प्रशस्ति पत्र एवं स्मृति चिह्न देकर सम्मानित किया गया कार्यक्रम का मंच संचालन संतोष कुमार मरावी द्वारा किया गया कार्यक्रम की विस्तृत रुपरेखा एवं व्यवस्था सुखविंदर सिंह सेरी और कन्हैया

# वैश्य महासम्मेलन : पंकज बनें जिला अध्यक्ष, महिला मोर्चा की अध्यक्ष बनी अंजना

मण्डला(स्वतंत्रमत)। वैश्य महासम्मेलन जिला ईकाई मंडला की बैठक शुक्रवार को गोंडी पब्लिक ट्रस्ट में आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य संगठन को मजबूत बनाना जिला ईकाई की गतिविधियों को गति देना तथा संगठनात्मक कार्यों को अधिक प्रभावी बनाना रहा बैठक में वैश्य महासम्मेलन के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष संदेश जैन एवं प्रदेश महामंत्री रामजी अग्रवाल, संभागीय अध्यक्ष अशोक गोयल विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस दौरान संगठन की मजबूती सदस्यों की सक्रिय भागीदारी और आगामी कार्ययोजनाओं को लेकर चर्चा की गई बैठक में उपस्थित पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संगठन को जमीनी स्तर पर सक्रिय बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया एवं सर्वसहमति से सामाजिक कार्यकर्ता पंकज सोनी



को जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। वहीं महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष पद में श्रीमति अंजना चौरसिया को नियुक्त किया गया है। वहीं कार्यकारी प्रदेश अध्यक्ष संदेश जैन ने कहा कि किसी भी सामाजिक संगठन को वास्तविक शक्ति उसके सदस्यों की एकजुटता आपसी समन्वय और समाजहित में किए जाने वाले कार्यों से निर्धारित होती है इसलिए संगठन से जुड़े प्रत्येक सदस्य को

अपनी जिम्मेदारी समझते हुए सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए संगठन की गतिविधियों को नियमित रूप से संचालित करने तथा अधिक से अधिक लोगों को इससे जोड़ने पर भी बल दिया गया वहीं प्रदेश महामंत्री रामजी अग्रवाल ने कहा कि बैठक का एक प्रमुख विषय मंडला जिला ईकाई के संगठनात्मक ढांचे को मजबूत करना और नए पदाधिकारियों की घोषणा करना

रहा। जिला ईकाई को अधिक सक्रिय और व्यवस्थित बनाने की बात की गई। बैठक में संगठन के विस्तार और उसकी गतिविधियों को प्रभावी बनाने के लिए सदस्यों की नियमित भागीदारी जरूरी है तो संभागीय अध्यक्ष अशोक गोयल ने कहा कि संगठन की मजबूती केवल पदों और दायित्वों तक सीमित नहीं है बल्कि इसके लिए प्रत्येक सदस्य का सहयोग समर्पण और सहभागिता जरूरी है

जब सभी सदस्य सामूहिक भावना के साथ कार्य करेंगे तभी संगठन अपने उद्देश्यों को बेहतर तरीके से पूरा कर सकेगा। इस दौरान इन्द्रेथ बब्बल खरया, नीरज अग्रवाल, रंजीत कछवाहा, आनंद सोनी मुकेश सोनी, सुधीर कांसकार श्रीमति वर्षा चौरसिया, श्रीमति अनिता गोयल श्रीमति अनिता राय, विजय अग्रवाल, अशोक सोनी, श्रीमति ममता चौरसिया, राजेश अग्रवाल, अरूण अग्रवाल, विनोद कुमार अग्रवाल, धर्मेन्द्र धारया सहित अनेक सदस्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। वहीं बैठक में संरक्षक पद में विनोद अग्रवाल, अरूण अग्रवाल, विजय अग्रवाल, मुकेश सोनी, सुधीर कांसकार, अनिता गोयल, ममता चौरसिया को सर्वसहमति से चुना गया है। वहीं आभार प्रदर्शन नीरज अग्रवाल द्वारा किया गया।

# बिना ई-अनुज्ञापत्र कृषि उपज का परिवहन करना पड़ा महंगा

### मंडी समिति ने वसूला 39 हजार का जुर्माना

नैनपुर (स्वतंत्र मत)। कृषि उपज के अवैध परिवहन एवं मंडी नियमों का उल्लंघन करने वालों के खिलाफ कृषि उपज मंडी समिति नैनपुर ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई की है। उड़नदस्ता ने बिना ई-अनुज्ञापत्र के 32 क्रिटल कृषि उपज का परिवहन करते पाए जाने पर संबंधित पक्षों से 39 हजार 12 रुपए की दांडात्मक राशि वसूलकर शासन के खजाने में जमा कराई।

नैनपुर-मंडला मार्ग पर निवारी के समीप मंडी समिति उड़नदस्ता दल ने वाहन क्रमांक स्कू40 एछ3 5951 की जांच की। वाहन में 13.5 क्रिटल हल्दी, 4 क्रिटल लाल मिर्च, 11.5 क्रिटल मूंगफली एवं 3 क्रिटल सफेद बटाणा का परिवहन किया जा रहा

था। शुक्ला ट्रांसपोर्ट बालाघाट की बिल्टी प्रस्तुत की, लेकिन कृषि उपज के परिवहन के लिए आवश्यक ई-अनुज्ञापत्र नहीं पाया गया। मध्यप्रदेश कृषि उपज मंडी अधिनियम 1972 की धारा 19(6) के उल्लंघन पर कार्रवाई करते हुए 30 हजार 10 रुपए दांडात्मक मंडी शुल्क, 5 हजार रुपए समझौता शुल्क तथा 4 हजार 2 रुपए कुल 39 हजार की राशि वसूली गई।

| न्यायालय तहसीलदार                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| मण्डला, जिला मण्डला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| <div><b>ईश्वरहार</b></div>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |
| <span><span>क़्रमांक/प्रवा.तह।</span></span> <span> </span> मण्डला, दिनांक 07.10.2026                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| <span>रा.प्र.क्र. 1615/अ-6/2026-27</span>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
| <div>गया प्रसाद कुशवाहा पिता दरबारी लाल कुशवाहा, निवासी ग्राम देवदरा मण्डला तहसील व जिला मण्डला</div>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
| <b>विरुद्ध</b>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                         |
| <div>रामकली बाई कुशवाहा पति दरबारी लाल कुशवाहा, निवासी देवदरा</div>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| <div><div><div><span><span> </span></span><span> </span>मण्डला(मुक्त.)अनावेदक/ वसीयतकर्ता</div><div>एवंद द्वारा सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम देवदरा स्थित भूमि खसरा नंबर 33, 35/5, 68/1, रकबा क्रमशः 0.696, 0.243 0.506 कुल रकबा 1.445 है। भूमि मृतक रामकली बाई कुशवाहा पति दरबारी लाल कुशवाहा जाति काछी के नाम पर राजस्व अभिलेखों में दर्ज है यह कि भूमि स्वामी की दिनांक 20.02.2025 को मृत्यु हो चुकी है। मृतक भूमिस्वामी द्वारा रजिस्टर्ड वसीयतनामा दिनांक 20.06.2023 के आधार पर वसीयतगृहीता गया प्रसाद पिता दरबारी लाल कुशवाहा जाति काछी निवासी देवदरा तहसील व जिला मण्डला के द्वारा वसीयत के आधार पर नामांतरण कराये जाने हेतु म.प्र.भू.रा.सं. 1959 की धारा 109, 110 के अंतर्गत आवेदन प्रस्तुत किया गया है। जो इस न्यायालय में गतिशील है अतः उपरोक्त वर्णित भूमि के संबंध में जिस किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की कोई आपत्ति हो तो वह स्वयं अथवा अपने अधिकाृत के माध्यम से नियत पेशी दिनांक 22.10.2026 को प्राप्त: 11.00 बजे तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर अपना दावा/आपत्ति पेश कर सकते हैं। नियत तिथि पश्चात् प्राप्त दावे /आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जावेगा।</div></div></div> |
| <div><div><span><span> </span></span><span> </span>तहसीलदार</div><div>मण्डला</div></div>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |

| न्यायालय नज़ूल अधिकारी मण्डला                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <div><b>रा.प्र.क्र. (अ-20/5)2025-26</b></div>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
| इश्वरहार                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| <div>एतद् द्वारा साधारण आम जनता नगर मण्डला को सूचित किया जाता है कि आवेदक गायत्री परिवार ट्रस्ट मण्डला संस्था द्वारा मण्डला नज़ूल शीट नं. 17 प्लाट न. 4/1 में से रकबा 1601 वर्गमीटर भूमि को भारतीय संस्कृति के उत्थान हेतु रचनात्मक गतिविधि में समाज कल्याण के लिए कार्यरत प्रयोजनार्थ भूमि हस्तांतरण/ आवंटन हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है अतः उक्त भूमि हस्तांतरित/आवंटन के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो वह नियत पेशी दिनांक 28/10/2026 के पूर्व अपति पेश कर सकता है। पेशी की अवधि समाप्त होने पर आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।</div> |
| <div>प्रकरण में नियमानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी।</div>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| <div>जारी दिनांक- 16/10/2026</div>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| <div>पेशी दिनांक-28/10/2026</div>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |
| <div><div><span><span> </span></span><span> </span>नज़ूल अधिकारी</div><div>मण्डला</div></div>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |

संपादकीय

## ये आग कब बुझेगी

अमरीकी राष्ट्रपति ट्रंप बीते कई दिनों से धमकी भरे बयान दे रहे हैं कि ईरान को उड़ा देंगे। ईरान का अस्तित्व खत्म कर देंगे। ईरान को नरक बना देंगे। ईरान को परमाणु बम नहीं बनाने देंगे, लिहाजा वह सर्वधित यूरैनियम अमरीका को सौंप दे। पेंटागन ने 27 अक्टूबर-3 नवंबर की तारीखें घोषित की हैं, जब अमरीकी सेना ईरान पर बड़ा, निर्णायक, विध्वंसक हमला कर सकती है। यह तीन दिन का युद्ध हो सकता है, जो ईरान के 80 किलोमीटर अंदर किया जा सकता है। ईरान के परमाणु केंद्र, ऊर्जा ठिकाने एवं प्लांट और हथियारों के भंडार निशाने पर होंगे। अमरीकी सेना इस बार ईरान के तटीय इलाकों पर ही हमले करना चाहती है, लिहाजा वहीं लड़ाकू विमान, बी-1 बॉम्बर्स समेत 104 विमानों की आसमान में हलचलें, तैनाती चौकती है। यह पेंटागन का प्रस्ताव बताया जाता है, जिसे राष्ट्रपति ट्रंप ने अभी मंजूरी नहीं दी है। यह अमरीका में मध्यावधि चुनावों का निर्णायक दौर भी होगा, जब प्रस्तावित हमले किए जाएंगे। ट्रंप अपनी ‘रिपब्लिकन पार्टी’ की संसदीय प्रतिष्ठा किसी भी तरह बचाने को आतुर हैं, इसीलिए अचानक रूस के साथ 30 लाख टन डीजल की आपूर्ति का समझौता, सौदा भी किया है, लेकिन ज्यादातर सर्वेक्षण चुनावों में राष्ट्रपति ट्रंप की ‘राजनीतिक पराजय’ के निष्कर्ष दे रहे हैं। तीन दिन के युद्ध की योजना का बुनियादी मकसद है कि आनन-फानन में ईरान पर विध्वंसक हमले किए जाएं और अचानक अमरीका की जीत का ऐलान कर दिया जाए। यह इतना आसान, सरल, सहज, एकतरफा नहीं होगा, क्योंकि ईरान ने भी चेतावनियां जारी की हैं कि उसने अबाई गुना तेज हथियार बना लिए हैं, रक्षा उत्पादन को 250 फीसदी तक बढ़ा लिया है। अमरीका पर उन मिसाइलों, हथियारों से पलटवार हमले किए जाएंगे, जिनकी उसने कल्पना तक नहीं की होगी। अमरीकी कांग्रेसनल रिसर्च सर्विस की एक रपट सामने आई है, जिसके मुताबिक ईरान युद्ध में अमरीका के 12 एफ-15ई विमान नष्ट हुए हैं, 81 विमान, हेलीकॉप्टर भी तबाह या क्षतिग्रस्त हुए हैं, 45 एमक्व-9 रीपर सर्वश्रेष्ठ ड्रोन भी नष्ट हो चुके हैं। इस सूची में अन्य कई विमानों के भी नाम हैं। इस नुकसान की लागत 1.9 अरब से 3.3 अरब डॉलर आंकी गई है। अमरीका के लिए हथियारों की कमी का संकट अलग है, जिस पर ट्रंप कुछ भी दावे करते रहें। क्या अमरीका युद्ध को जारी रखने की स्थिति में है? यही कारण है कि बीते कई दिनों से अमरीका और इजरायल दोनों ही देशों ने ईरान पर एक बम तक नहीं फोड़ा है। वेशक राष्ट्रपति ट्रंप धर्मकियां देते रहे हैं। युद्ध के इन 7 महीनों से अधिक के समय में अमरीकी फेडरल बजट घाटा उसकी जीडीपी के 6 फीसदी तक पहुंच चुका है। यह जी-7 देशों में सबसे खराब स्थिति मानी जा रही है। अमरीकी किसानों को करीब 31 अरब डॉलर का नुकसान झेलना पड़ रहा है, क्योंकि डीजल, उर्वरक की वैश्विक कीमतें आसमान छू रही हैं। अमरीका में डीजल की महंगाई अप्रत्याशित, अभूतपूर्व स्तर पर है, लिहाजा ट्रंप को रूसी राष्ट्रपति पुतिन के साथ ‘डीजल डील’ करनी पड़ी है। अब अमरीका रूस से कच्चा तेल खरीदने वाले देशों-खासकर भारत और चीन-पर 100 फीसदी टैरिफ कैसे थोप सकेगा? विलियम ऊर्जा संकट से पूरी दुनिया परेशान है, तो भारत भी चिंतित है। भारत तो करीब 88 फीसदी कच्चा तेल, गैस आदि आयात ही करता है। विशेषज्ञ मानते हैं कि यदि कच्चा तेल 10 डॉलर प्रति बैरल महंगा होता है, तो भारत के सालाना आयात बिल में 13-14 अरब डॉलर की बढ़ोतरी हो जाती है। युद्ध के बावजूद भारत की विकास दर 7 फीसदी से अधिक दिखाई जा रही है। असलियत क्या है, हम नहीं जानते। बहरहाल भारत में करीब 50 लाख बैरल तेल की रोजाना की खपत है। फिलहाल रणनीतिक और वाणिज्यिक रिजर्व 60-74 दिनों की मांग के बराबर बताया जा रहा है। फिर भी भारत के संदर्भ में ईरान युद्ध ‘घोर संकट’ पैदा कर सकता है।

## प्रजनन अधिकार: अपने ही शरीर पर अधिकार का संघर्ष

जयसिंह रावत

बंबई उच्च न्यायालय ने हाल में गर्भ के चिकित्सकीय समापन से संबंधित सरकारी प्रपत्र में अविवाहित महिलाओं को भी शामिल करने का निर्देश देकर महिलाओं के प्रजनन अधिकारों से जुड़ी एक महत्वपूर्ण विसंगति उजागर की है। यह देखने में मामूली प्रशासनिक सुधार लग सकता है, लेकिन इसके पीछे एक बड़ा संवैधानिक प्रश्न छिपा है। जब सर्वोच्च न्यायालय सितंबर 2022 में ही स्पष्ट कर चुका था कि विवाहित और अविवाहित महिलाओं के प्रजनन अधिकारों में केवल वैवाहिक स्थिति के आधार पर भेदभाव नहीं किया जा सकता, तब चार वर्ष बाद भी सरकारी प्रपत्रों में ऐसी खामी क्यों बनी रही? उच्च न्यायालय ने संबंधित महिला को गर्भपात की अनुमति तो दी, लेकिन मामले को नज़ीर नहीं मानने की टिप्पणी ने एक और बहस पैदा कर दी। आखिर महिलाओं की प्रजनन स्वायत्तता का समर्थन करने वाला निर्णय भविष्य के समान मामलों के लिए मार्गदर्शक क्यों नहीं होना चाहिए?

संविधान से मिले समानता और स्वतंत्रता के अधिकारों के बावजूद, घर से जुड़े फैसलों के लिए महिलाओं को परिशर, समाज और अदालतों पर निर्भर रहना पड़ता है। सर्वोच्च न्यायालय द्वारा प्रजनन स्वायत्तता को मान्यता मिलने के बावजूद, असली सवाल महिला के

अपने शरीर और भविष्य पर वास्तविक नियंत्रण का है। इस प्रश्न का संवैधानिक आधार 29 सितंबर 2022 के सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय में मिलता है। न्यायमूर्ति डी.वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने स्पष्ट किया था कि गर्भ के चिकित्सकीय समापन अधिनियम को व्याख्या करते समय अविवाहित महिलाओं के साथ केवल उनकी वैवाहिक स्थिति के कारण भेदभाव नहीं किया जा सकता।

संविधान का अनुच्छेद 14 समानता और अनुच्छेद 21 जीवन, गरिमा, निजता तथा व्यक्तिगत स्वतंत्रता का संरक्षण करता है। इन अधिकारों का वास्तविक अर्थ तभी है जब महिलाओं को मातृत्व स्वीकार करने अथवा न करने के निर्णय में कानून के अंतर्गत उचित स्वायत्तता मिले। भारत में गर्भपात संबंधी कानून का इतिहास भी महत्वपूर्ण है। वर्ष 1971 में बना गर्भ का चिकित्सकीय समापन अधिनियम अपने समय का प्रागिशिल कदम था। इसका उद्देश्य असुरक्षित गर्भपात से होने वाली मौतों और स्वास्थ्य संबंधी जटिलताओं को कम करना था। वर्ष 2021 के संशोधन ने निर्धारित परिस्थितियों में गर्भपात की अधिकतम अवधि 20 से बढ़ाकर 24 सप्ताह कर दी।

सामान्यतः 20 सप्ताह तक एक पंजीकृत चिकित्सक की राय पर्याप्त है, जबकि 20 से 24 सप्ताह के बीच निर्धारित श्रेणियों के लिए दो



चिकित्सकों की राय आवश्यक होती है। गंभीर भ्रूण असामान्यताओं के विशेष मामलों में चिकित्सा बोर्ड की व्यवस्था भी है लेकिन कानून का विस्तार और उसकी वास्तविक उपलब्धता दो अलग प्रश्न हैं। महानगर में रहने वाली शिक्षित तथा आर्थिक रूप से सक्षम महिला के लिए चिकित्सकीय सलाह और न्यायिक सहायता प्राप्त करना अपेक्षाकृत आसान हो सकता है। इसके विपरीत ग्रामीण, निर्धन, प्रवासी अथवा सामाजिक रूप से वंचित महिला को अस्पताल पहुंचने, गोपनीयता बनाए रखने और समय पर चिकित्सा सुविधा प्राप्त करने में अनेक बाधाओं का सामना करना पड़ सकता है। इस समस्या का समाधान कई स्तरों पर करना था। वर्ष 2021 के संशोधन ने निर्धारित परिस्थितियों में गर्भपात की अधिकतम अवधि 20 से बढ़ाकर 24 सप्ताह कर दी।

सामान्यतः 20 सप्ताह तक एक पंजीकृत चिकित्सक की राय पर्याप्त है, जबकि 20 से 24 सप्ताह के बीच निर्धारित श्रेणियों के लिए दो

सेवाएं बढ़ानी होंगी। महिलाओं को कानूनी अधिकारों व सुरक्षित विकल्पों की सही जानकारी मिलनी चाहिए। किशोरों के लिए आयु-अनुकूल प्रजनन स्वास्थ्य शिक्षा तथा पुरुषों की जिम्मेदारी व गर्भनिरोधक उपलब्धता परिवार नियोजन नीति में जगह पाए। न्यायिक प्रक्रिया में समय अत्यंत महत्वपूर्ण है।

गर्भावस्था के प्रत्येक सप्ताह के साथ परिस्थितियां बदलती हैं; विलंब वैधानिक विकल्प सीमित कर देता है। त्वरित सुनवाई, स्पष्ट चिकित्सकीय राय और संवेदनशील निर्णय जरूरी हैं। महिला की पहचान व निजता की रक्षा भी आवश्यक है, ताकि सामाजिक बदनामी का भय कानूनी सहायता न रोके।

भारत ने महिला शिक्षा, प्रतिनिधित्व और अधिकारों में प्रगति की है, पर वास्तविक समानता उन निजी निर्णयों में सिद्ध होती है जो उसके शरीर, स्वास्थ्य और जीवन को प्रभावित करते हैं। मातृत्व का सम्मान उतना ही जरूरी है जितना मातृत्व संबंधी स्वतंत्र निर्णय का।

असली प्रश्न यह नहीं कि अदालतें कितनी बार अनुमति देती हैं, बल्कि यह कि महिलाओं को अपने वैधानिक अधिकारों के लिए बार-बार अदालत क्यों जाना पड़ता है। समानता अस्पतालों के व्यवहार, सरकारी प्रक्रियाओं और सामाजिक सोच में भी दिखनी चाहिए। प्रजनन स्वायत्तता रियायत नहीं, बल्कि गरिमा और स्वतंत्रता का अभिन्न अंग है।

## पंजाब में नशे का कारोबार

# पंजाब में नशे का तांडव: वर्दी बनी त्रासदी



ललित रानी  
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

पंजाब की धरती कभी शौर्य, पराक्रम, मेहनत, उद्यमशीलता और जीवटता के लिए जानी जाती थी। इसी मिट्टी के नौजवानों ने देश की सीमाओं की रक्षा करते हुए अपने प्राणों की आहुति दी और खेतों में पसीना बहाकर देश का अन्न भंडार भरा। लेकिन आज उसी पंजाब की पहचान नशे के बढ़ते कारोबार, युवाओं

की बर्बादी और ड्रग्स माफिया के बढ़ते प्रभाव से जुड़ती जा रही है। यह केवल एक राज्य की सामाजिक त्रासदी नहीं, बल्कि राष्ट्रीय सुरक्षा, शासन-व्यवस्था और राजनीतिक इच्छाशक्ति की गंभीर परीक्षा है। जिस पंजाब के युवाओं के हाथों में कभी तलवार, हल और तिरंगा शोभा देते थे, वहां आज नशे ने अनेक हाथों को बेबस और अनेक परिवारों को बदहवास कर दिया है। विडंबना देखिए कि नशे के कारोबार पर अंकुश लगाने की जिम्मेदारी जिन पुलिसकर्मियों की है, यदि उन्हीं के घर से करोड़ों रुपये की हेरोइन बरामद होने की खबर सामने आती है, तो यह व्यवस्था के लिए खतरे की घंटी है। पंजाब में एक पुलिस कंस्टेबल के घर से कथित तौर पर 40 करोड़ रुपये की हेरोइन बरामद होने का मामला इसी सड़ांध की ओर संकेत करता है। यह घटना महज एक आपराधिक प्रकरण नहीं, बल्कि उस व्यवस्था पर गंभीर प्रश्नचिह्न है, जिसमें अपराध रोकने के लिए नियुक्त व्यक्ति ही कथित तौर पर अपराध के संदेह के घेरे में आ जाए। यह तो वही स्थिति हुई कि ‘बाड़ ही खेत को खाने लगे’, तो फसल की रखवाली कौन करेगा? जिस पुलिस के कंधों पर नशा तस्करी को पकड़ने का दायित्व है, यदि उसी व्यवस्था के भीतर ऐसे तत्व पनपने लगे, तो आम नागरिक का भरोसा डगमगाना स्वाभाविक है। इस मामले में निष्पक्ष जांच, दोषियों की पहचान और कठोर कानूनी कार्रवाई जरूरी है। किसी व्यक्ति को केवल आरोप के आधार पर दोषी नहीं ठहराया जा सकता, लेकिन वर्दी की आड़ में अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति को कानून से बचने का अवसर भी नहीं मिलना चाहिए।

पंजाब में नशे का कारोबार अब गलियों, गांवों और कस्बों तक अपनी जड़ें फैला चुका है। कभी नशे की समस्या को सीमावर्ती क्षेत्रों या शहरी युवाओं



तक सीमित माना जाता था, लेकिन आज सिंथेटिक ड्रग्स सहित विभिन्न मादक पदार्थों की उपलब्धता ने संकट को और व्यापक बना दिया है। युवा पीढ़ी का एक हिस्सा नशे की गिरफ्त में आकर अपना स्वास्थ्य, शिक्षा, रोजगार और भविष्य गंवा रहा है। कहीं मां की गोद सूनी हो रही है, कहीं वृद्ध पिता के बुढ़ापे का सहारा छिन रहा है और कहीं परिवार का कमाऊ सदस्य नशे की लत के कारण स्वयं अपने परिजनों पर बोझ बन रहा है। ‘घर का चिराग ही घर में अंधेरा कर दे’, इससे बड़ी विडंबना क्या होगी! नशे की लत केवल व्यक्ति को नहीं तोड़ती, बल्कि पूरे परिवार और सामाजिक ताने-बाने को भीतर तक ज़मीला कर देती है। इस संकट की गंभीरता सरकारी आंकड़ों और पुलिस की कार्रवाइयों से भी समझी जा सकती है। उपलब्ध विवरणों के अनुसार दस महीनों में पंजाब पुलिस ने 10,524 तस्करी को गिरफ्तार किया, जिनमें 153 बड़े ऑपरेटर शामिल थे। इस दौरान 790 किलोग्राम हेरोइन, 860 किलोग्राम अफीम और अन्य मादक पदार्थों के साथ 13 करोड़ रुपये से अधिक की इश मनी जब्त की गई तथा नशे के कारोबार से जुड़ी 208 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति पर कार्रवाई की गई। ये आंकड़े कार्रवाई के पैमाने को अवश्य दर्शाते हैं, लेकिन साथ ही यह सवाल भी उठता है कि इतनी बड़ी मात्रा में नशीले पदार्थ आखिर राज्य में पहुंच कैसे रहे हैं?

इतनी गिरफ्तारियों और जब्ती के बावजूद यदि नशे की उपलब्धता और लत पर निर्णायक अंकुश नहीं लग रहा, तो स्पष्ट है कि समस्या की जड़ें गहरी हैं। ‘मर्ज बढ़ता गया, ज्यों-ज्यों दवा की’ जैसी स्थिति से बचने के लिए गिरफ्तारियों की संख्या से आगे बढ़कर नशे की आपूर्ति, वित्तीय नेटवर्क और राजनीतिक संरक्षण की पड़ताल करनी होगी।

पाकिस्तान से लगी पंजाब की लगभग 553 किलोमीटर लंबी सीमा इस चुनौती को राष्ट्रीय सुरक्षा से जोड़ती है। ड्रोन के माध्यम से नशीले पदार्थों और हथियारों की तस्करी की आशंकाएं सीमा प्रबंधन को और जटिल बनाती हैं। वर्ष 2026 में अब तक पंजाब की सीमा से 183 ड्रोन जब्त किए जाने का उल्लेख इस खतरे की गंभीरता को रेखांकित करता है। सीमा पार से संचालित तस्करी के नेटवर्क पर प्रहार करना आवश्यक है, लेकिन सारी जिम्मेदारी बाहरी ताकतों पर डालकर राज्य के भीतर की कमजोरियों से आंखें नहीं मूंदी जा सकतीं। यदि स्थानीय तस्कर, संगठित गिरोह और भ्रष्ट तंत्र मिलकर काम कर रहे हों, तो सीमा पर कड़ी निगरानी के साथ-साथ भीतर भी कठोर कार्रवाई करनी होगी। ‘दूध का दूध और पानी का पानी’ करने वाली जांच ही बता सकती है कि इस काले कारोबार में कौन मोहरा है, कौन खिलाड़ी और कौन पर्दे के पीछे बैठा सूत्रधार। आम आदमी पार्टी को पंजाब सरकार ने नशामुक्ति और तस्करी के

विरुद्ध कार्रवाई को लेकर अनेक दावे किए हैं। लेकिन सवाल यह है कि क्या ये दावे जमीन पर उताना परिवर्तन ला पाए हैं, जिसकी अपेक्षा पंजाब की जनता ने की थी? सत्ता में आने से पहले नशे के विरुद्ध निर्णायक लड़ाई के वादे करना आसान है, लेकिन उस लड़ाई को परिणाम तक पहुंचाना राजनीतिक इच्छाशक्ति, प्रशासनिक ईमानदारी और निरंतर जवाबदेही मांगता है। यदि नशे की उपलब्धता बनी हुई है, युवा लगातार इसकी गिरफ्त में आ रहे हैं और तस्करी के नेटवर्क बार-बार सक्रिय हो जाते हैं, तो सरकार की रणनीति और उसके क्रियान्वयन पर सवाल उठना स्वाभाविक है। केवल छापेमारी, गिरफ्तारी और घोषणाओं से नशामुक्त पंजाब का सपना साकार नहीं होगा। सरकार की सफलता का वास्तविक पैमाना यह होना चाहिए कि नशे की आपूर्ति कितनी घटी, कितने युवा उपचार के बाद सामान्य जीवन में लौटे और बड़े तस्करी तथा उनके संरक्षकों के विरुद्ध कितनी प्रभावी कार्रवाई हुई।

नशे के खिलाफ लड़ाई में पुलिस सुधार, आधुनिक तकनीक, सीमा सुरक्षा और वित्तीय जांच के साथ-साथ नशामुक्ति केंद्रों, मनोवैज्ञानिक परामर्श, रोजगार और पुनर्वास पर भी समान ध्यान देना होगा। नशे के शिकार युवाओं को केवल अपराधी मानकर खारिज करना समाधान नहीं है, उन्हें उपचार, सहारा और सम्मानजनक जीवन में लौटने का अवसर देना भी जरूरी है। गांवों में जनभागीदारी, स्कूल-कॉलेजों में जागरूकता और परिवारों की सक्रिय भूमिका इस अभियान को जनांदोलन का स्वरूप दे सकती है। साथ ही, पुलिस और राजनीतिक तंत्र में किसी भी स्तर पर संरक्षण देने वालों की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। पंजाब को नशे की गिरफ्त से निकालना केवल सरकार का नहीं, पूरे समाज का दायित्व है, लेकिन नेतृत्व की पहली जवाबदेही सरकार की ही है। जब कानून के रखवाले ही संदेह के घेरे में आने लगे और करोड़ों की हेरोइन की बरामदगी व्यवस्था की विश्वसनीयता पर प्रश्न खड़े करे, तब आत्ममंथन टालना आत्मघाती होगा। ‘लकौर पीटने’ के बजाय अब निर्णायक परिणाम देने का समय है। पंजाब को खोखले नारों नहीं, कठोर कार्रवाई, पारदर्शी जांच और जवाबदेह शासन की जरूरत है। नशा माफिया की जड़ें उखाड़ने के लिए राजनीतिक संरक्षण की दीवारें तोड़नी होंगी और कानून का भय हर अपराधी तक पहुंचाना होगा। अन्यथा नशे का यह तांडव पंजाब की युवा शक्ति को ही नहीं, देश की सामाजिक और राष्ट्रीय सुरक्षा को भी गंभीर क्षति पहुंचाता रहेगा।

## मुड़-मुड़ के न देख: नए अर्थ तलाशने का समय

निर्मल कांत

मनुष्य की उम्र बढ़ने के साथ उसके शरीर में स्वाभाविक ही कुछ बदलाव आते हैं। उसकी गति धीमी पड़ सकती है और काम करने की क्षमता पहले जैसी नहीं रह जाती। लेकिन, क्या इन बदलावों के साथ उसके जीवन का महत्व भी कम हो जाता है? वृद्धावस्था अपने आप में दुख का कारण नहीं है। इस अवस्था को कठिनाइयां काफी हद तक इस बात पर निर्भर करती हैं कि व्यक्ति ने जीवन कैसे जिया है और वह उम्र के इस पड़ाव को किस दृष्टि से देखता है। वृद्धावस्था जीवन से अलग हो जाने का नाम नहीं, बल्कि उसके अनुभवों को समझने व उनके अर्थ तलाशने का समय है। उम्र के साथ घटती शारीरिक शक्ति की भरपाई अनुभव और विवेक से हो सकती है। युवा व्यक्ति में ऊर्जा और तेजी हो सकती है, लेकिन हर परिस्थिति का सही आकलन करने के लिए केवल ऊर्जा पर्याप्त नहीं होती। इसके लिए धैर्य, दृढ़दृष्टि और निर्णयों के परिणाम समझने की क्षमता भी चाहिए। जीवन के लंबे अनुभव से बुजुर्गों में ये गुण विकसित होते हैं। पर, अक्सर उनसे सलाह लेने के बजाय उनके अनुभवों को पुराने समय की बातें कहकर टाल दिया जाता है। इससे नई पीढ़ी भी जीवन के उन अनुभवों से वंचित रह जाती है, जिन्हें कितानों से नहीं



सीखा जा सकता। परिवारों में पीढ़ियों के बीच संवाद बना रहे, तो बुजुर्ग अतीत के प्रतिनिधि भर नहीं रहते, बल्कि वर्तमान को समझने और भविष्य के फैसले लेने में सहभागी बन सकते हैं। इसलिए, मनुष्य का महत्व उसकी उम्र से नहीं, उसके व्यक्तित्व, विवेक और जीवन के अनुभवों से समझा जाना चाहिए।

जिस समाज में उम्र बढ़ने को उपयोगिता समाप्त होने के बराबर मान लिया जाता है, वह अपने अनुभव के सबसे समृद्ध स्रोतों की उपेक्षा करता है। बुजुर्गों को केवल आश्रितों के रूप में नहीं, बल्कि ज्ञान, स्मृतियों और जीवन-दृष्टि से समृद्ध व्यक्तियों के रूप में देखा चाहिए। आखिरकार, वृद्धावस्था किसी दूसरे की नहीं, हम सभी की भावी कहानी है।

## मध्यप्रदेश में मामा बनाम मुख्यमंत्री की जंग तेज! शिवराज सिंह चौहान के तीखे तेवर से राज्य की राजनीति गर्माई



नीरज कुमार दुबे  
लेखक वरिष्ठ पत्रकार एवं स्तंभकार हैं

मध्य प्रदेश की सियासत में इन दिनों फिर वही पुराना सवाल सिर उठाने लगा है कि क्या सबे की राजनीति में शिवराज सिंह चौहान का दखल अब भी उतना ही दमदार है, या मुख्यमंत्री मोहन यादव अपनी अलग लकीर खींचने में जुटे हैं? ऊपर से सब कुछ भाजपा के अनुशासित कुन्बे जैसा दिखता है, लेकिन बुध्न की कोसमी गांव से लेकर किसानों की मृंग खरीदी और लाड़ली बहना योजना तक, कुछ ऐसे मामले सामने आए हैं, जिन्होंने भोपाल के सियासी गलियारों में चर्चाओं का बाजार गर्म कर दिया है। उल्लेखनीय है कि ताजा चिंगारी सीहोर जिले के कोसमी गांव से उठी है। यह वही इलाका है, जहां शिवराज सिंह चौहान की बसों पुरानी राजनीतिक जमीन रही है। गांव में आदिवासी परिवारों के मकान हटाए जाने, फसलों को नुकसान पहुंचने और

कुओं को मिट्टी से भरने की शिकायतों पर शिवराज ने अपनी ही पार्टी की सरकार के अधिकारियों को कठघरे में खड़ा कर दिया। उनका रुख साफ था कि सरकार किसी की भी हो, गरीब और आदिवासी परिवारों के साथ अन्याय नहीं होना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों पर कार्रवाई की मांग की और मुख्यमंत्री मोहन यादव से बात करने की बात कही।

देखा जाये तो राजनीति में बात सिर्फ इतनी नहीं है कि किसी गांव में मकान टूटे और एक नेता ने नाराजगी जता दी। सवाल यह है कि शिवराज ने यह आवाज उस सरकार के खिलाफ उठाई है, जिसके मुखिया उनकी ही पार्टी के मुख्यमंत्री हैं। मोहन यादव ने भी मामले को हल्के में नहीं लिया। उन्होंने मुख्य सचिव से जांच कराने और प्रभावित परिवारों के लिए अस्थायी आवास तथा बाजारों की व्यवस्था करने की बात कही। दूसरी तरफ, कलेक्टर की रिपोर्ट में वन भूमि पर अतिक्रमण और सागौन के पौधों को नुकसान पहुंचाने के आरोप सामने आए। यानी मामला केवल सियासी बयानबाजी का नहीं, बल्कि वन संरक्षण, प्रशासनिक कार्रवाई और आदिवासी परिवारों के अधिकारों का भी



है।

लेकिन मध्य प्रदेश की राजनीति में हर घटना का एक स्थानीय और एक राजनीतिक अर्थ होता है। कोसमी का मामला इसलिए भी चर्चा में है, क्योंकि शिवराज ने जिस इलाके में लंबे समय तक अपनी राजनीतिक पकड़ बनाई, वही की घटना पर उनका इस तरह सामने आना कई सवाल खड़े करता है। सवाल उठ रहा है कि क्या यह केवल अपने पुराने मतदाताओं के प्रति

जवाबदेही है, या इसके पीछे भोपाल की सत्ता के साथ तालमेल का कोई बड़ा इराका भी छिपा है?

सवाल की कदम का दूसरा सिरा लाड़ली बहना योजना से भी जुड़ता है। शिवराज की राजनीति की पहचान बनी इस योजना ने प्रदेश में महिलाओं के बीच उनकी अलग छवि बनाई। अब मुख्यमंत्री मोहन यादव की ओर से योजना के खर्च को भारी बताने वाली टिप्पणी ने पुरानी राजनीतिक विरासत

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर खरीद तेज करने की मांग की। राज्य सरकार को आखिरकार खरीदी बढ़ाने की मांग पर सहमत देनी पड़ी। देखा जाये तो यहां भी तस्वीर दिलचस्प है। केंद्र में मंत्री शिवराज, राज्य में मुख्यमंत्री मोहन यादव और बीच में किसान, जिनकी फसल और भुगतान का सवाल सीधे सरकार की जवाबदेही से जुड़ा है। शिवराज का हस्तक्षेप किसानों के लिए

मददगार हो सकता है, लेकिन राजनीतिक तौर पर यह राज्य सरकार पर दबाव भी बनाता है। यही वजह है कि शिवराज बनाम मोहन की चर्चा बार-बार लौट आती है। एक तरफ शिवराज हैं, जिनकी पहचान लंबे मुख्यमंत्री कार्यकाल, जनकल्याणकारी योजनाओं और प्रदेश के गांव-गांव में बने पुराने संपर्कों से जुड़ी है। दूसरी तरफ मोहन यादव हैं, जिन्हें अपनी सरकार की नीतियों, प्रशासनिक अपना अनुशासन और केंद्रीय नेतृत्व की स्थापित करनी है। दोनों की भूमिकाएं अलग हैं, मगर प्रदेश की राजनीति में उनका असर एक-दूसरे से पूरी तरह अलग नहीं किया जा सकता।

फिर भी, हर मतभेद को मुख्यमंत्री की कुर्सी की लड़ाई मान लेना जल्दबाजी होगी। भाजपा में संगठन का अपना अनुशासन और केंद्रीय नेतृत्व की भूमिका है। अभी तक सामने आई घटनाएं प्रशासन, किसान नीति और राजनीतिक विरासत पर मतभेद दिखाती हैं, मगर वे किसी औपचारिक सत्ता-संघर्ष को साबित नहीं करतीं।

फिलहाल मध्य प्रदेश की राजनीति का असली इम्तिहान बयानों से आगे

होगा। कोसमी की जांच में क्या कार्रवाई होती है, प्रभावित परिवारों को क्या राहत मिलती है, लाड़ली बहना योजना को लेकर राज्य सरकार क्या फैसला करती है और किसानों की खरीदी व्यवस्था कितनी दुरुस्त होती है, इन सवालों के जवाब ही आगे की तस्वीर साफ करेंगे। बहरहाल, भोपाल की सियासत में मामा शिवराज की हुंकार अब भी गूंज रही है, तो मुख्यमंत्री मोहन यादव भी अपने फैसलों से सत्ता पर अपनी पकड़ और नेतृत्व की लकरी खींचने में जुटे हैं। दोनों के बीच सियासी खिंचाव की आहट साफ सुनाई दे रही है, लेकिन इसे खुली जंग का नाम देना अभी जल्दबाजी होगी। असली तस्वीर तब खुलेगी जब यह सामने आये कि कोसमी के मामले में सरकार के कदम क्या होते हैं, लाड़ली बहना योजना पर क्या रुख अपनाया जाता है और किसानों के सवाल पर किसका पलड़ा भारी पड़ता है। क्योंकि मध्य प्रदेश की राजनीति में सियासी इरादे सिर्फ बयानों से जाहिर नहीं होते, उनका असली रंग फैसलों में दिखता है। भोपाल में फिलहाल बयान गूंज रहे हैं, लेकिन निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि अगली चाल कौन चलता है और बाजी किस करवट बैठती है?

### ट्रंप ने ईरान पर परमाणु हमला करने से किया इनकार

वाशिंगटप, (स्‍पुतनिक/वार्ता)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह ईरान के खिलाफ परमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं करेंगे। जब उनसे उन खबरों के बारे में पूछा गया था, जिसमें उन्होंने कहा था कि वाशिंगटन मध्‍यावधि चुनावों के बाद भारी पारंपरिक बम मदर ऑफ ऑल बॉम्‍ब्स का इस्तेमाल कर सकता है। श्री ट्रंप से जब पूछा गया कि क्या इस विक्‍ल्प में कोई टैक्‍टिकल परमाणु हथियार शामिल है, तो उन्होंने जोर देकर कहा, मदर ऑफ ऑल बॉम्‍ब्स परमाणु बम नहीं है। उन्होंने कहा कियह बिक्‍लुल भी परमाणु बम नहीं है। यह बस एक बहुत ही बड़ा बम है। यह एक छोटे परमाणु बम की तरह है। इसके बाद राष्ट्रपति ट्रंप ने किसी वास्‍तविक परमाणु हमले की ज़रूरत को खारिज कर दिया। उन्होंने कहा, मदर ऑफ ऑल बॉम्‍ब्स एक बहुत बड़ा बम है लेकिन यह परमाणु बम नहीं है। मैं परमाणु हथियारों का इस्तेमाल नहीं करूंगा। हमें ऐसा करने की ज़रूरत भी नहीं है।

### रूस की 2035 तक चंद्रमा पर परमाणु ऊर्जा संयंत्र बनाने की योजना : रोसाटॉम

मास्को, (स्‍पुतनिक/वार्ता)। रूस की सरकारी परमाणु ऊर्जा कंपनी रोसाटॉम के मुख्‍य कार्यकारी अधिकारी (सीईओ) एलेक्‍सी लिखाचेव ने कहा कि रूस की योजना 2035 तक चंद्रमा पर अपना पहला परमाणु ऊर्जा संयंत्र (एनपीपी) बनाने की है। श्री लिखाचेव ने शुरुवार को मास्‍को में अंतरराष्ट्रीय विशेषज्ञों से कहा, अगले दशक के मध्‍य तक, हमें चंद्रमा पर एक परमाणु ऊर्जा इकाई स्‍थापित करनी चाहिए ताकि वहां एक अलौकिक स्‍टेशन तैयार किया जा सके। चंद्रमा पर स्‍थित परमाणु ऊर्जा संयंत्र पर काम रोसाटॉम और कुरचातोव इंस्टीट्यूट रिसर्च सेंटर द्वारा संयुक्त रूप से किया जा रहा है।

**मॉस्को की ओर बढ़ रहे 20 ड्रोन को रूसी वायु रक्षा प्रणाली ने मार गिराया : मेयर सोबयानिन**
**मास्को, (स्‍पुतनिक/वार्ता)।** रूस की राजधानी मॉस्को के मेयर सगेई सोबयानिन ने कहा कि रूस की वायु रक्षा प्रणाली ने मास्को की ओर बढ़ रहे 20 ड्रोन को मार गिराया है। श्री सोबयानिन ने मैक्स पर लिखा, रक्षा मंत्रालय के वायु रक्षा बलों ने मास्को की ओर आ रहे 20 ड्रोनों को नष्ट कर दिया है। उन्होंने कहा कि आपातकालीन प्रतिक्रिया टीमें फिलहाल उस जगह पर काम कर रही हैं, जहां ड्रोनों का मलबा गिरा था।

# जेलेंस्की और ट्रंप के बीच आर-पार की जंग!

## अमेरिका ने दी थी चेतावनी, फिर भी यूक्रेन ने रूस की तेल रिफाइनरी पर किया हमला

| मॉस्को                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                             |
|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <span></span>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |
| रूस और यूक्रेन के बीच जारी भीषण संघर्ष के पांच साल होने वाले हैं। स्थिति यह है कि आज भी यह संघर्ष खत्म होने के बजाय और भयावह रूप लेता नजर आ रहा है। हालांकि अब इस संघर्ष में एक चौंकाने वाला और नया मोड़ सामने आया है। दरअसल, अब इस बात की संभावना ज्यादा तेज हो गई है कि इस लड़ाई में सीधे तौर पर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप कूद सकते हैं और चौंकाने वाली बात यह है कि ट्रंप इस बार यूक्रेन की तरफ से नहीं, बल्कि उसके खिलाफ इस संघर्ष में कूद सकते हैं। अब सवाल है कि रूस के खिलाफ हमेशा से आग उगलने वाले ट्रंप अचनाक पुतिन के साथ कैसे हो गए? आखिर वो क्या है, जिससे अब ट्रंप और जेलेंस्की आमने-सामने होंगे? आइए जानते हैं। बता दें कि रूस और यूक्रेन के बीच चल रहे भीषण युद्ध में नया मोड़ तब आया, जह ऊर्जा ठिकानों पर हुए थोड़े समय के संघर्षविराम को तोड़ते हुए यूक्रेन ने रूस के रियाजान क्षेत्र में स्थित एक ऑयल रिफाइरी पर जोरदार झोन हमला कर दिया है। इस हमले के बाद से रिफाइरी में भीषण आग लग गई। इस घटना ने एक तरफ जहां युद्ध को फिर से भड़का दिया है, वहीं दूसरी |



तरफ यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की और अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप के रिश्तों में खटास और गहरी कर दी है। इस बात को ऐसे समझिए कि पिछले रविवार को अमेरिकी राष्ट्रपति डोनल्ड ट्रंप ने दोनों पक्षों से ऊर्जा बुनियादी ढांचों पर हमले रोकने की मांग की थी। यूक्रेन ने तो ट्रंप की इस बात का मान रखा, लेकिन यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की का आरोप है कि रूस ने इस मांग की कोई परवाह नहीं की और लगातार यूक्रेन के ऊर्जा संयंत्रों पर हवाई बमबारी जारी रखी। यूक्रेन का कहना है कि एक तरफ उसने ट्रंप के कहने पर संघर्षविराम का पालन किया, लेकिन इसके बदले पिछले कुछ दिनों में पश्चिमी देशों ने रूस की बैलिस्टिक मिसाइल हमलों से जुड़ी खुफिया जानकारी देना बंद कर दिया और अमेरिकी

कभी रिफाइरी पर हमले रोकें ही नहीं थे, जिससे रूस को नुकसान उठाना पड़ा है। हालांकि नुकसान केवल रूस का नहीं हुआ है। तबाही यूक्रेन में भी बराबर मची है। यूक्रेन के किरोगोराद क्षेत्र में पिछले 10 घंटों से अधिक समय तक चले भीषण रूसी झोन हमले में 3 लोगों की मौत हो गई और 6 अन्य लोग घायल हो गए। अमेरिका के रूख से बढ़ती दूरियों और समर्थन वापस लेने की आशंकाओं के बीच, राष्ट्रपति जेलेंस्की गुरुवार को ब्रेसेल्स पहुंचे। वहां उन्होंने यूरोपीय संघ (श्व) के नेताओं के दो दिवसीय शिखर सम्मेलन में हिस्सा लिया।इस दौरान उन्होंने नाटो प्रमुख मार्क रूट, फ्रांस के राष्ट्रपति एमैनुएल मैक्रोन और पोलैंड, डेनमार्क व बेल्जियम के प्रधानमंत्रियों से मुलाकात कर मौजूदा सुरक्षा हालात पर चर्चा की। इस बात को ऐसे समझा जा सकता है कि यह घटना इस बात का स्पष्ट संकेत है कि कीव और वाशिंगटन के रिश्ते फिर से एक बेहद नाजुक मोड़ पर पहुंच गए हैं। राष्ट्रपति ट्रंप के सत्ता में लौटने के बाद से ही युद्ध समाप्त कराने के लिए कूटनीतिक दबाव बनाए जा रहे थे, लेकिन जमीन पर जमीनी हकीकतें और रूस के आक्रामक रूख ने इस कूटनीति को बड़ा झटका दिया है।

# कांग्रेस हिंसा के जरिए सत्ता परिवर्तन का मॉडल अपनाना चाहती है:राजनाथ

का आंदोलन मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार या एसआईआर के खिलाफ नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शुरुवार को कांग्रेस पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि पार्टी मुख्य चुनाव आयुक्त (सीईसी ) ज्ञानेश कुमार और विशेष गहन पुनरीक्षण के मुद्दे पर किए जा रहे विरोध-प्रदर्शन के जरिए देश में अस्थिरता पैदा करना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस का विरोध केवल चुनाव आयोग या मतदाता सूची के पुनरीक्षण के खिलाफ नहीं है, बल्कि उसका उद्देश्य लोकतांत्रिक व्यवस्था को कमजोर कर सरकार को सत्ता से हटाना है। लखनऊ में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में राजनाथ सिंह ने आरोप लगाया कि कांग्रेस सत्ता परिवर्तन के लिए हिंसा का सहारा लेने वाल बांग्लादेश मॉडल अपनाना चाहती है। कांग्रेस



लागू होने के बाद कांग्रेस अपने दम पर केंद्र में सरकार बनाने में सफल नहीं रही।उन्होंने इन उदाहरणों के जरिए कांग्रेस पर चुनावी संस्थाओं के साथ राजनीतिक हस्तक्षेप करने का आरोप लगाया और कहा कि आज वही पार्टी चुनाव आयोग की स्वतंत्रता पर सवाल उठा रही है। रक्षा मंत्री ने कहा कि कांग्रेस का मौजूदा विरोध विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) और मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के खिलाफ दिखाई दे रहा है, लेकिन इसके पीछे व्यापक राजनीतिक उद्देश्य है। उन्होंने

आरोप लगाया कि कांग्रेस स्वतंत्र रूप से काम करने वाली संवैधानिक संस्थाओं को कमजोर करने की कोशिश कर रही है। लोकतंत्र में सरकार की नीतियों का विरोध करना विपक्ष का अधिकार है, लेकिन किसी को भी हिंसा का सहारा लेने का अधिकार नहीं है। राजनाथ सिंह ने लोकसभा में विपक्ष के नेता और कांग्रेस सांसद राहुल गांधी पर भी निशाना साधा। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी को समझना चाहिए कि लोकतंत्र किसी को हिंसा का अधिकार नहीं देता। रक्षा मंत्री ने राहुल गांधी की राजनीति को विघटन की राजनीति करार देते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस लगातार ऐसे मुद्दों को राजनीतिक संघर्ष का रूप देने की कोशिश कर रही है, जिससे लोकतांत्रिक संस्थाओं की कार्यप्रणाली प्रभावित हो।

## हमने जनता को हर वर्ष के काम का दिया हिसाब : भजनलाल

| जयपुर, (वार्ता)                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <span></span>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                |
| राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा है कि पहले प्रदेश की जनता की समस्याओं की अनदेखी की जा रही थी लेकिन हमारी सरकार ने आते ही प्रदेश की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुरूप विकास का रोडमैप तैयार कर उस पर निरंतर काम किया जा रहा है और जनता को हर वर्ष काम का हिसाब भी दिया जा रहा हैं। श्री शर्मा ने गुरुवार रात एक कार्यक्रम में कहा कि भारतीय जनता पार्टी गांव, जमीन और जनता से जुड़ा राजनीतिक दल है, जिसके कार्यकर्ता 24 घंटे, महीने के 30 दिन |

| जयपुर, (वार्ता)                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                        |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <span></span>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |
| राजस्थान के मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा ने कहा है कि पहले प्रदेश की जनता की समस्याओं की अनदेखी की जा रही थी लेकिन हमारी सरकार ने आते ही प्रदेश की आवश्यकताओं और प्राथमिकताओं के अनुरूप विकास का रोडमैप तैयार किया जा रहा हैं। श्री शर्मा ने गुरुवार रात एक कार्यक्रम में कहा कि भारतीय जनता पार्टी गांव, जमीन और जनता से जुड़ा राजनीतिक दल है, जिसके कार्यकर्ता 24 घंटे, महीने के 30 दिन |

### फिल्म/टीवी मनोरंजन

## 78 वर्ष की हुई हेमा मालिनी

बॉलीवुड की जानी-मानी अभिनेत्री हेमा मालिनी आज 78 वर्ष की हो गई।16 अक्टूबर 1948 को तमिलनाडु के आमनकुंडी में जन्मी हेमा मालिनी की मां जया चक्रवर्ती फिल्म निर्माता थीं। हेमा ने अपनी प्रारंभिक शिक्षा चेन्नई से पूरी की। वर्ष 1961 में हेमा मालिनी को एक लघु नाटक पंडित वनवासम में बतौर नर्तकी काम करने का अवसर मिला।वर्ष 1968 में हेमा मालिनी को सर्वप्रथम राजकपूर के साथ सपनों का सौदागर में काम करने का मौका मिला। फिल्म के प्रचार के दौरान हेमा मालिनी को ड्रीम गर्ल के रूप में प्रचारित किया गया। बदकिस्मती से फिल्म टिकट खिडकी पर असफल साबित हुई लेकिन अभिनेत्री के रूप में हेमा मालिनी को दर्शकों ने पसंद किया गया।

हेमा मालिनी को पहली सफलता वर्ष 1970 में प्रदर्शित फिल्म जानी मेरा नाम से हासिल हुयी। इसमें उनके साथ अभिनेता देवानंद मुख्य भूमिका में थे। फिल्म में हेमा और देवानंद की जोड़ी को दर्शकों ने सिर आंखों पर लिया और फिल्म सुपरहिट रही।इसके बाद रमेश सिप्पी की वर्ष 1971 में प्रदर्शित फिल्म अंदाज में भी हेमा मालिनी ने अपने अभिनय से दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।वर्ष 1972 में हेमा मालिनी को रमेश सिप्पी की ही फिल्म सीता और गीता में काम करने का अवसर मिला जो उनके सिने कैरियर के लिये मील का पत्थर साबित हुयी। इस फिल्म की सफलता के बाद वह शोहरत की बुलंदियों पर जा पहुंचीं। उन्हें इस फिल्म में दमदार अभिनय के लिये सर्वश्रेष्ठ अभिनेत्री के फिल्म फेयर पुरस्कार से भी सम्मानित किया गया। हेमा मालिनी ने जब फिल्म इंडस्ट्री में कदम रखा ही था तब एक तमिल निर्देशक श्रीधर ने उन्हें अपनी फिल्म में काम देने से यह कहते हुए इन्कार कर दिया कि उनमें स्टार अपील नहीं है। बाद में सत्तर के दशक में इसी निर्माता.निर्देशक ने उनकी लोकप्रियता को भुनाने



के लिए उन्हें लेकर 1973 में .गहरी चाल.. फिल्म का निर्माण किया।सिल्वर स्क्रीन पर हेमा मालिनी की जोड़ी धर्मेन्द्र के साथ खूब जमी। यह फिल्मी जोड़ी सबसे पहले फिल्म शराफत से चर्चा में आई। वर्ष 1975 में प्रदर्शित फिल्म शोले में धर्मेन्द्र ने वीरू और हेमामालिनी ने बसंतों की भूमिका में दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया।हेमा और धमेन्द्र की यह जोड़ी इतनी अधिक पसंद की गई कि धर्मेन्द्र की रील लाइफ की ड्रीम गर्ल, हेमामालिनी उनके रीयल लाइफ की ड्रीम गर्ल बन गईं। बाद में इस जोड़ी ने ड्रीम गर्ल,चरस, आसपास, प्रतिज्ञा,राजा जानी,रजिया सुल्तान,अली बाबा चालीस चोर,बग्गावत, आतंक,द बर्निंग ट्रेन ,दोस्त आदि फिल्मों में एक साथ काम किया। सत्तर के दशक में हेमा मालिनी पर आरोप लगने लगे कि वह केवल ग्लैमर वाले किरदार ही निभा सकती हैं लेकिन उन्होंने खुशबू,किनारा, और मीरा जैसे फिल्मों में सजींदा किरदार निभाकर अपने आलोचकों का मुंह हमेशा के लिये बंद कर दिया। इस दौरान हेमा मालिनी के सौंदर्य और अभिनयका जलवा छाया हुआ था।इसी को देखते हुये निर्माता प्रमोद चक्रवर्ती ने उन्हें लेकर फिल्म ड्रीम गर्ल का निर्माण तक कर दिया । वर्ष 1990 में हेमा मालिनी ने छोटे पर्दे की ओर भी रूख किया और धारावाहिक नुपूर का निर्देशन भी किया।इसके बाद वर्ष 1992 में फिल्म अभिनेता शाहरुख खान को लेकर उन्होंने फिल्म दिल आशना है का निर्माण और निर्देशन किया।।वर्ष 1995 में उन्होंने छोटे पर्दे के लिये मोहिनी का निर्माण और निर्देशन किया।। फिल्मों में कई भूमिकाएं निभाने के बाद हेमा मालिनी ने समाज सेवा के लिए राजनीति में प्रवेश किया। वर्ष 2000 में हेमा मालिनी पद्मश्री सम्मान से भी सम्मानित की गयीं।हेमा मालिनी ने अपने पांच दशक के सिने कररियर में लगभग 150 फिल्मों में काम किया। हेमा मालिनी मधुरा संसदीय सीट से भारतीय जनता पार्टी के टिकट पर चुनाव जीतकर संसद पहुंची है।



और गुंदूर कारम जैसी फिल्मों में नजर आ चुकी हैं। उन्होंने फिल्म पुष्पा 2– द रूल के गीत किसिक से भी दर्शकों का ध्यान आकर्षित किया। सिद्धार्थ गुप्ता ने कृष्णावतारम् पार्ट 1–द हार्ट में भगवान कृष्ण की भूमिका निभायी है निर्देशक उमेश बिष्ट इससे पहले पगलैट, द ट्रायल के दूसरे सीजन और ग्यारह ग्यारह जैसे प्रोजेक्ट्स से जुड़े रहे हैं। उनकी इस नई फिल्म को लेकर दर्शकों में उत्युक्ता बनी हुई है।

#### बूस ली: द फाइटर के 11 साल पूरे, राम चरण और कृति खरबंदा की फिल्म की यादें ताजा

वर्ष 2015 में रिलीज हुई तेलुगु फिल्म बूस ली- द फाइटर के 11 साल पूरे होने पर फिल्म के एक्शन, कॉमेडी और पारिवारिक मनोरंजन से भरपूर सफर की यादें ताजा हो गयी हैं।श्रीनु वैतला के निर्देशन में बनी इस फिल्म में राम चरण ने कार्तिक की भूमिका निभायी थी, जिसे बूस ली के नाम से जाना जाता है। फिल्म में वह एक कुशल स्टर्टमैन के रूप में नजर आये थे। राम चरण के दमदार एक्शन, प्रभावशाली स्क्रीन प्रेजेंस और हास्यपूर्ण अभिनय ने फिल्म को खास बनाया था। वहीं, कृति खरबंदा ने फिल्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभायी थी। उनके अभिनय ने कहानी के भावनात्मक और पारिवारिक पहलुओं को मजबूती दी। फिल्म में रकुल प्रीत सिंह, अरुण विजय और ब्रह्मानंदम भी अहम भूमिकाओं में नजर आये थे, जबकि चिरंजीवी ने विशेष भूमिका निभायी थी।

बूस ली–द फाइटर में एक्शन, हास्य, पारिवारिक ड्रामा और मनोरंजन का मेल देखने को मिला था। फिल्म के 11 साल पूरे होने का अवसर इसकी स्टार कास्ट के योगदान और फिल्म के यादगार पलों को फिर से याद करने का मौका है।

### शिकागोमें मंदिर पर हमले की साजिश में पकड़े गए ट्रंस अमेरिकी को जेल में लगेंगे हार्मोन इंजेक्शन, कोर्ट का आदेश

वाशिंगटन। यूनाइटेड स्टेट्स में शिकागो के पास एक हिंदू मंदिर में नस्लवादी गोलीबारी की साजिश रचने के आरोपी 19 वर्षीय ट्रंसजेंडर किशोर को गिरफ्तार किया गया था। इसे लेकर जानकारी सामने आई है कि इस युवा को जेल में भी जेंडर–ट्रांजिशन (लिंग परिवर्तन) के लिए हार्मोन इंजेक्शन मिलते रहेंगे। इलिनोइस के पैलेटाइन के रहने वाले ट्रंसजेंडर व्यक्ति एलेक्जेंड्रोस पैपोराकिस बुधवार को अदालत में पेश हुए, जहां जज ने उनके मेडिकल इलाज के बारे में भी बात की। कोर्ट ने एलेक्जेंको ड्रोस बिना जमानत के जेल में रखने का आदेश दिया है। एनबीसी शिकागो की रिपोर्ट के मुताबिक, एलेक्जेंड्रोस को हार्मोन इंजेक्शन के अलावा अटेंशन–डेंफिसिट/हाइपरएक्टिविटी डिसऑर्डर, डिप्रेशन और एंजायटी (चिंता) का इलाज भी दिया जा रहा है। यह फैसला पैपोराकिस की गिरफ्तारी के कुछ दिनों बाद आया है। इस ट्रंसजेंडर व्यक्ति पर शिकागो के उपनगर ऑर्रोरा में एक हिंदू मंदिर पर हमला करने की साजिश रचने का आरोप है। अभियोजकों का कहना है कि एलेक्जेंड्रोस ने अपने सहकर्मियों से कहा था कि वे भारतीयों को मारने के लिए और इंतजार नहीं कर सकते और खुद को श्वेत वर्चस्ववादी बताया था। एलेक्जेंड्रोस पैपोराकिस को रविवार को गिरफ्तार किया गया था। ये टैको बेल में कैशियर के तौर पर काम करता था। उसके एक सहकर्मी ने पुलिस को कुछ संदिग्ध बातचीत के बारे में जानकारी दी थी। इन सूचना को देने के लिए आठ पनों का दस्तावेज दिया गया, जिसमें बड़े पैमाने पर गोलीबारी की योजना का जिक्र था। साथ ही, इसमें एक राइफल, गोला–बारूद और अन्य सामरिक उपकरणों की तस्वीरें थीं। उसके एक सहकर्मी ने पुलिस को कुछ संदिग्ध बातचीत के बारे में जानकारी दी थी। इन सूचना को देने के लिए आठ पनों का दस्तावेज दिया गया, जिसमें बड़े पैमाने पर गोलीबारी की योजना का जिक्र था। साथ ही, इसमें एक राइफल, गोला–बारूद और अन्य सामरिक उपकरणों की तस्वीरें थीं। उसके एक सहकर्मी ने पुलिस को कुछ संदिग्ध बातचीत के बारे में जानकारी दी थी। इन सूचना को देने के लिए आठ पनों का दस्तावेज दिया गया, जिसमें बड़े पैमाने पर गोलीबारी की योजना का जिक्र था। साथ ही, इसमें एक राइफल, गोला–बारूद और अन्य सामरिक उपकरणों की तस्वीरें थीं। उसके एक सहकर्मी ने पुलिस को कुछ संदिग्ध बातचीत के बारे में जानकारी दी थी। इन सूचना को देने के लिए आठ पनों का दस्तावेज दिया था।। सर्विलांस फुटेज में उनकी कार को पार्किंग में आते और कुछ मिनट बाद वहां से जाते हुए देखा गया।



## पदक लाओ, पद पाओ के तहत

## खिलाड़ियों की सीधी भर्ती : योगी

| लखनऊ, (वार्ता)                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                 |
|----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| <span></span>                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                  |
| मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुरुवार को कहा कि प्रदेश में अब पदक लाओ, पद पाओ के तहत खिलाड़ियों की सीधी भर्ती हो रही है। मुख्यमंत्री ने एक्स पर पोस्ट कर पिछली सरकार के कार्यकाल पर निशाना साधते हुये कहा, वर्ष 2017 से पहले प्रदेश में भय और अराजकता का ऐसा माहौल था, जहां बेटियों के सपनों पर पहेरे थे, हासिलों पर बंदिशें थीं और प्रतिभा अवसर के अभाव में दम तोड़ने को मजबूर थी। खेल के मैदान माफिया के कब्जे में थे, संसाधन नदारद थे और बेटियों को उड़ान को पंख देने के बजाय, उनके सपनों को चारदीवारी में कैद कर दिया गया था। उन्होंने कहा कि विगत साढ़े 9 |



वर्षों में प्रदेश में बदलाव की नई गाथा लिखी गई है। भय का स्थान सुरक्षा ने लिया है, उषेक्षा का स्थान प्रोत्साहन ने लिया है और संसाधनों के अभाव का स्थान खेल सुविधाओं के विस्तार ने लिया है। गांव के खेल मैदानों और ब्लॉक स्तरीय मिनी स्टेडियम से लेकर जिला स्तरीय स्टेडियम, मंडल स्तरीय स्पोर्ट्स कालेज तथा मेरठ में मेजर ध्यानचंद खेल विश्वविद्यालय तक, बेटियों को अपनी प्रतिभा निखारने का सशक्त आधार मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि ओलंपिक, कॉमनवेल्थ एवं एशियन गेम्स के पदक विजेताओं को लाखों–करोड़ों के पुरस्कार और पदक लाओ, पद पाओ के तहत सीधी भर्ती जैसी सुविधाएं दी जा रही हैं। सरकार खिलाड़ियों की प्रतिभा को प्रोत्साहन, उपलब्धियों को सम्मान और भविष्य को सुरक्षा प्रदान कर रही है। इस परिवर्तन की गुंज अंतरराष्ट्रीय खेल मंचों पर भी सुनाई दे रही है। एथलेटिक्स में पारुल चौधरी, ग्रियंका गोस्वामी प्राची चौधरी और अक्रू रानी, जूडो में अस्मिता दे, क्रिकेट में दीप्ति शर्मा और मेघना सिंह, हॉकी में वंदना कटारिया, कुश्ती में दिव्या काकरान ने कॉमनवेल्थ एवं एशियन गेम्स में शानदार प्रदर्शन से अंतरराष्ट्रीय स्तर पर देश और प्रदेश का गौरव बढ़ाया है।

# जिला अस्पताल में 55 से अधिक नवजात बच्चों की मौत का मामला गंभीर, निष्पक्ष जांच की मांग

विधायक रजनीश सिंह ठाकुर की प्रेस कॉन्फ्रेंस में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं पर उठे सवाल, पीड़ित परिवारों को मुआवजा देने की मांग

|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| सिवनी।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
| <p>जिला अस्पताल में कुपोषण और समय से पहले जन्मे नवजात बच्चों की मृत्यु के गंभीर मामले को लेकर विधायक रजनीश सिंह ठाकुर द्वारा जिला कांग्रेस कार्यालय, सिवनी में प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई। इस दौरान जिला अस्पताल में 55 से अधिक बच्चों की मृत्यु के मामले को अत्यंत दुखद एवं चिंताजनक बताया हुए स्वास्थ्य व्यवस्थाओं और उपचार संबंधी व्यवस्थाओं पर</p> |



सवाल उठाए गए।प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा गया कि विशेष नवजात शिशु देखभाल इकाई (एसएनसीयू) में समय से पहले जन्मे और गंभीर स्थिति वाले नवजात बच्चों को विशेष उपचार प्रदान किया जाता है। ऐसे में इतनी बड़ी संख्या में

बच्चों की मृत्यु के मामले की गंभीरता से जांच होना आवश्यक है। अस्पताल में उपलब्ध सुविधाओं, उपचार व्यवस्था और अन्य संबंधित पहलुओं की निष्पक्ष जांच कर वास्तविक स्थिति सामने

लाने की मांग की गई। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री नरेश मरावी, परासिया विधायक सोहन वाल्मीकि, पूर्व जिला कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष श्री पप्पू खुराना, जिला कांग्रेस महामंत्री शिव सनोडिया सहित कांग्रेस के

वरिष्ठ नेता एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

प्रेस कॉन्फ्रेंस के माध्यम से इस दुखद घटना में जान गंवाने वाले मासूम बच्चों को भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की गई तथा शोकाकुल परिवारों के प्रति संवेदनाएं व्यक्त की गईं। कांग्रेस की ओर से मांग की गई कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कर दोषियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की जाए और प्रभावित परिवारों को उचित मुआवजा दिया जाए।

इसके साथ ही जिला अस्पताल सहित स्वास्थ्य सेवाओं में आवश्यक सुधार करने पर जोर दिया गया, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकी जा सके। वक्ताओं ने कहा कि मासूम बच्चों का जीवन अनमोल है। पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाना और नवजात शिशुओं के उपचार की व्यवस्थाओं को बेहतर बनाना पप्पू खुराना, जिला कांग्रेस महामंत्री शिव सनोडिया सहित कांग्रेस के



## उत्तराखंड के राज्यपाल पहुंचे माता महाकाली के दरबार, माथा टेका

|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |                                           |                                                                                                                     |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| सिवनी।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    | राजभवन जाएंगे जहां गोपनीयता की शपथ लेंगे। | सेवा समिति के सदस्यों ने ढोल नगाड़ों के साथ महामहिम राज्यपाल डॉं ढाल सिंह बिसेन का फूल माला पहनाकर स्वागत किया गया। |
| उत्तराखंड प्रदेश के महामहिम राज्यपाल डॉं ढाल सिंह बिसेन शपथ ग्रहण से पहले शुक्रवार को अपने पैतृक गांव स्थित मां काली मंदिर आछा पहुंचे, सहपरिवार पहुंचकर में मां काली मंदिर में माथा टेका और देश,प्रदेश के सुख समृद्धि के लिए प्रार्थना की, पुलिस की कड़ी सुरक्षा के मंदिर पहुंचे राज्यपाल, 19 अक्टूबर को विशेष विमान से उत्तराखंड देहरादून शपथ ग्रहण करने |                                           |                                                                                                                     |

## नरवाई प्रबंधन के लिए किसानों को किया जागरूक

सिवनी। कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन में जिले में नरवाई प्रबंधन तथा पर्यावरण एवं मृदा संरक्षण के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। इसी क्रम में कृषि विभाग द्वारा जिले के विभिन्न विकासखंडों के ग्रामों में किसानों को फसल अवशेष नहीं जलाने की शपथ दिलाई गई। साथ ही किसानों को रबी मौसम में कम पानी की आवश्यकता वाली दलहनी एवं तिलहनी फसलें अपनाने की सलाह दी गई। उप संचालक किसान कल्याण तथा कृषि विकास, सिवनी ने जानकारी देते हुए बताया कि कृषि विभाग के मैदानी अमले द्वारा किसानों को जागरूक करने के लिए सिवनी विकासखंड के ग्राम तिघरा एवं ढेकी, बरघाट विकासखंड के ग्राम केसला एवं सिंगपुर, केवलारी विकासखंड के ग्राम छिंदा, झोला, गोपेवानी, खापा, घरघोदी, कुचीवाड़ा एवं बगलई, कुरई विकासखंड के ग्राम लेवसरा, डुगरिया एवं चिखलापानी, छपारा विकासखंड के ग्राम खमरिया, सागर एवं लकवाह, लखनादौन विकासखंड के ग्राम लखनादौन एवं मोहगांव, धनौरा विकासखंड के ग्राम सलेमा, सुकवाह एवं हरदूली तथा घंसीर विकासखंड के ग्राम बालपुर एवं दारोट में किसानों को फसल अवशेष नहीं जलाने के लिए जागरूक किया गया। इस दौरान किसानों को बताया गया कि फसल अवशेषों को खेतों में जलाने से मिट्टी के उपयोगी सूक्ष्मजीवों एवं जैविक पदार्थों पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसके साथ ही वायु प्रदूषण की समस्या भी उत्पन्न होती है। इसलिए फसल अवशेषों को जलाने के स्थान पर उनका कृषि यंत्रों के माध्यम से उनका उचित प्रबंधन करना चाहिए। इससे मिट्टी की गुणवत्ता एवं पर्यावरण संरक्षण में सहायता मिलती है।कृषि विभाग के मैदानी अमले द्वारा किसानों को रबी फसल की तैयारी के दौरान कम पानी की आवश्यकता वाली दलहनी फसलों में चना एवं मसूर तथा तिलहनी फसलों में सरसों एवं कुसुम की खेती अपनाने की सलाह दी गई।

# अवैध उर्वरक एवं कीटनाशक भंडारण के मामले में दर्ज हुई एफआईआर

|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                       |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |
|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| सिवनी।                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                | द्वारा प्राप्त सूचना के आधार पर गोपाल प्रसाद गोलानी के भवन का निरीक्षण किया गया। भवन के संबंध में बताया गया कि इसे टेकसिंह गोलानी, निवासी सिहोरा को किराए पर दिया गया था। निरीक्षण के दौरान भवन में उर्वरक का भंडारण पाया गया। संबंधित द्वारा भंडारित उर्वरक के संबंध में आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। इसके पश्चात निरीक्षण दल द्वारा बंजारी कृषि केंद्र, सिहोरा के प्रतिष्ठान का भी निरीक्षण किया गया। प्रतिष्ठान संचालक श्री सौरभ गोलानी मौके पर उपस्थित नहीं हुए। बाद में प्रतिष्ठान का निरीक्षण कर उपलब्ध उर्वरक एवं कीटनाशक |
| कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के निर्देशानुसार जिले में उर्वरक एवं कीटनाशक के गुणवत्ता नियंत्रण तथा अवैध भंडारण के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कृषि विभाग द्वारा कार्रवाई की गई। कार्रवाई के दौरान अवैध रूप से भंडारित उर्वरक एवं कीटनाशक पाए जाने पर संबंधितों के विरुद्ध वैधानिक कार्रवाई करते हुए थाना लखनादौन में एफआईआर दर्ज कराई गई है। उपसंचालक कृषि के निर्देशानुसार सहायक संचालक कृषि श्री पवन कुमार कौरव, श्री बी.आर. आठवा एवं कृषि विस्तार अधिकारी श्री सचिन बामने के दल |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                           |

के संबंध में दस्तावेज प्रस्तुत करने के निर्देश दिए गए। जांच के दौरान 20.15 लीटर कीटनाशक तथा 77.5 किलोग्राम खरपतवारनाशक के संबंध में भी आवश्यक दस्तावेज प्रस्तुत नहीं किए गए। इस पर बंजारी कृषि केंद्र, सिहोरा का उर्वरक लाइसेंस लंबित किया गया। प्रकरण में संयुक्त संचालक कृषि, जबलपुर संभाग द्वारा गठित जांच दल ने भी गोपाल प्रसाद गोलानी के भवन में भंडारित उर्वरक का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान भवन का ताला खोलकर पंचनामा तैयार किया गया। मौके पर पीपीएल कंपनी की 149 बोरी डीएपी, आईपीएल कंपनी की 35 बोरी डीएपी, चंबल

फर्टिलाइजर्स एंड केमिकल्स लिमिटेड की 36 बोरी यूरिया तथा मध्य भारत एग्रो प्राइवेट लिमिटेड की 42 बोरी कैल्शियम सल्फेट अवैध रूप से भंडारित पाया गया। जांच दल द्वारा टेकसिंह गोलानी की उपस्थिति में संबंधित उर्वरकों के नमूने लेकर जांच के लिए प्रयोगशाला भेजे गए हैं। प्रकरण में टेकसिंह गोलानी एवं सौरभ गोलानी के विरुद्ध आवश्यक वस्तु अधिनियम, 1955, उर्वरक (नियंत्रण) आदेश, 1985 एवं कीटनाशक अधिनियम, 1968 की संबंधित धाराओं के तहत थाना लखनादौन में एफआईआर दर्ज कराई गई है।

## कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली दलहन एवं तिलहनी फसलों को अपनाने की दी सलाह

सिवनी। मध्यप्रदेश शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर श्रीमती नेहा मीना के मार्गदर्शन में जिले में नरवाई प्रबंधन एवं फसल अवशेषों के उचित प्रबंधन को लेकर किसानों को लगातार जागरूक किया जा रहा है। इसी क्रम में कृषि विभाग के मैदानी अमले द्वारा जिले के विभिन्न विकासखंडों के ग्रामों में कृषकों को फसल अवशेष नहीं जलाने की शपथ दिलाई गई तथा नरवाई प्रबंधन के संबंध में आवश्यक जानकारी दी गई। अभियान के अंतर्गत सिवनी विकासखंड के ग्राम तिघरा एवं ढेकी, बरघाट के ग्राम केसला एवं सिंगपुर, केवलारी के ग्राम छिंदा, झोला, गोपेवानी, खापा, घरघोदी, कुचीवाड़ा एवं बगलई, कुरई के ग्राम लेवसरा, डुगरिया एवं चिखलापानी, छपारा के ग्राम खमरिया, सागर एवं लकवाह, लखनादौन के ग्राम लखनादौन एवं मोहगांव, धनौरा के ग्राम सलेमा, सुकवाह एवं हरदूली तथा घंसीर के ग्राम बालपुर एवं वारोट में कृषकों के बीच पहुंचकर फसल अवशेष न जलाने की शपथ दिलाई गई। इस दौरान किसानों को रबी फसलों की तैयारी के संबंध में जानकारी देते हुए कम पानी की आवश्यकता वाली दलहन एवं तिलहनी फसलों को अपनाने की सलाह दी गई। कृषकों को दलहन में चना एवं मसूर तथा तिलहनी फसलों में सरसों एवं कुसुम की खेती को बढ़ावा देने के लिए प्रेरित किया गया। साथ ही फसल अवशेषों को जलाने के बजाय उन्नत कृषि यंत्रों एवं वैज्ञानिक विधियों से उनका उचित प्रबंधन करने की जानकारी दी गई। कृषि विभाग ने किसानों से अपील की है कि रबी फसलों की तैयारी के दौरान फसल अवशेषों में आग न लगाएं। नरवाई जलाने से मिट्टी की उर्वरता एवं पर्यावरण पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है। इसके स्थान पर फसल अवशेषों का उचित प्रबंधन कर मृदा की उर्वरता एवं पर्यावरण के संरक्षण में सहयोग करें।

# कलेक्टर आदित्य सिंह ने आंगनवाड़ी केंद्रों का किया औचक निरीक्षण, बच्चों के पोषण और टीकाकरण पर दिया जोर

|                                                                                                                                                                                               |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
|-----------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|---------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| बालाघाट।                                                                                                                                                                                      | मुख्यमंत्री जनविश्वास अभियान के अंतर्गत खैरलांजी में आयोजित जिला स्तरीय शिविर के दौरान कलेक्टर श्री आदित्य सिंह ने ग्राम खरखड़ी, खैरलांजी के घुसाईटोला, कचेखनी एवं चुबड़गोंदी स्थित आंगनवाड़ी केंद्रों का आकस्मिक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने केंद्रों में उपलब्ध सुविधाओं, बच्चों की उपस्थिति, पोषण आहार वितरण तथा स्वास्थ्य संबंधी व्यवस्थाओं का जायजा लिया और संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। कलेक्टर श्री सिंह ने निरीक्षण के दौरान आंगनवाड़ी केंद्रों में दर्ज बच्चों की संख्या, उनकी उपस्थिति, सैम एवं मैम श्रेणी के कुपोषित बच्चों |
|                                                                                                                                                                                               |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                               |
| की संख्या, टीकाकरण की स्थिति तथा पंजीकृत गर्भवती एवं धात्री माताओं की जानकारी ली। उन्होंने बच्चों को वितरित किए जा रहे पोषण आहार की व्यवस्था का भी अवलोकन किया। कलेक्टर ने बच्चों से चर्चा कर | सुबह मिलने वाले नाश्ते और दोपहर के भोजन के बारे में जानकारी प्राप्त की। बच्चों ने बताया कि उन्हें नियमित रूप से नाश्ता एवं भोजन दिया जा रहा है। इसके अलावा उन्होंने केंद्रों में पेयजल, भोजन एवं नाश्ते के लिए बर्तनों की उपलब्धता तथा शौचालय की व्यवस्था के संबंध में भी जानकारी ली। कलेक्टर श्री सिंह ने निर्देश दिए कि आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों का नियमित टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए तथा इस कार्य में                                                                                                                                                 |

किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए। बच्चों को निर्धारित मेन्यू के अनुसार नाश्ता एवं भोजन उपलब्ध कराया जाए। साथ ही बच्चों के वजन और ऊंचाई की नियमित माप कर उनके स्वास्थ्य एवं पोषण की स्थिति पर सतत निगरानी रखी जाए। उन्होंने कहा कि कुपोषित बच्चों की समय पर पहचान कर उन्हें आवश्यक उपचार के लिए पोषण पुनर्वास केंद्र भेजा जाए। कलेक्टर ने महिला एवं बाल विकास विभाग के जिला कार्यक्रम अधिकारी को निर्देशित किया कि आंगनवाड़ी केंद्रों में बच्चों के लिए आवश्यक सामग्री की सूची तैयार कर उनकी उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए कार्ययोजना बनाई जाए।

## अवैध रेत परिवहन पर खनिज विभाग की छापामार कार्रवाई, चार ट्रैक्टर-ट्रॉली जब्त

|  |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                    |
|--|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|  | कलेक्टर, खनिज शाखा बालाघाट की अभिरक्षा में रखा है। इसी प्रकार, तहसील लामता के ग्राम डोंगरबोड़ी में वाहन क्रमांक 1333 तथा ग्राम लामता में वाहन क्रमांक 4663 को रेत का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। दोनों वाहनों को जब्त कर पुलिस थाना लामता की अभिरक्षा में रखा गया है। खनिज विभाग द्वारा जब्त किए गए चारों वाहनों के विरुद्ध मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम, 2022 के प्रावधानों के तहत नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन एवं अवैध परिवहन करते हुए चार ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को जब्त किया गया। उप संचालक खनिज सुश्री फरहत जहां ने बताया कि तहसील बालाघाट के ग्राम कोसमी एवं भमोड़ी में जांच के दौरान दो ट्रैक्टर-ट्रॉलियों को खनिज रेत का अवैध परिवहन करते हुए पकड़ा गया। विभागीय अमले ने दोनों वाहनों को जब्त कर कार्यालय |
|--|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

## जल जीवन मिशन से बदली कामना की जिंदगी, अब पढ़ाई के लिए मिलता समय

|                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                      |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                              |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
| बालाघाट। जल जीवन मिशन ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों के जीवन को आसान बनाने के साथ ही शिक्षा और महिला सशक्तीकरण की दिशा में भी महत्वपूर्ण बदलाव ला रहा है। इसका उदाहरण बालाघाट विकासखंड की ग्राम पंचायत मोहगांव माल के ग्राम बरखों में देखने को मिल रहा है। यहां रहने वाली कक्षा 9वीं की छात्रा कामना बिसेन के जीवन में जल जीवन मिशन ने सकारात्मक बदलाव लाया है। पहले घर के लिए पानी जुटाने में समय बिताते वाली कामना अब अपनी पढ़ाई और होमवर्क के लिए पर्याप्त समय निकाल पा रही हैं। पानी की व्यवस्था में बीत जाता था काफी समय-जल जीवन मिशन के तहत घर में नल कनेक्शन मिलने से पहले कामना | को प्रतिदिन पानी की व्यवस्था करने में काफी समय लगाना पड़ता था। स्कूल जाने से पहले और स्कूल से लौटने के बाद दूर स्थित हैंडपंप या कुएं से पानी लाना उनकी दिनचर्या का हिस्सा था। पानी लाने में लगने वाले समय और शारीरिक थकान के कारण उनकी पढ़ाई भी प्रभावित होती थी। घर के कामों के बीच पढ़ाई के लिए पर्याप्त समय निकालना उनके लिए चुनौती बना हुआ था। घर में नल से पानी पहुंचने पर मिली राहत-जल जीवन मिशन के तहत गांव में नल कनेक्शन उपलब्ध होने के बाद कामना और उनके परिवार की दिनचर्या में बड़ा बदलाव आया है। अब घर में ही पानी उपलब्ध होने से उन्हें पानी लाने के लिए बाहर नहीं जाना पड़ता। इससे उनके समय और |
|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

## जल जीवन मिशन से बदली कामना की जिंदगी, अब पढ़ाई के लिए मिलता समय

|  |                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                                          |
|--|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|
|  | ग्रामीण परिवारों की दिनचर्या में भी सकारात्मक बदलाव आ रहा है। विशेषकर बालिकाओं को पानी लाने की जिम्मेदारी से राहत मिलने पर वे अपनी शिक्षा और अन्य गतिविधियों के लिए अधिक समय दे पा रही हैं। ग्राम बरखों की कामना बिसेन की कहानी इस बदलाव को दर्शाती है। घर में नल से पानी मिलने के कारण अब वह अपनी पढ़ाई पर अधिक ध्यान केंद्रित कर पा रही हैं और अपने उज्ज्वल भविष्य के लिए मेहनत कर रही हैं।जल जीवन मिशन का उद्देश्य प्रत्येक ग्रामीण परिवार तक नल से सुरक्षित पेयजल पहुंचाना है। कामना के जीवन में आया बदलाव बताता है कि घर तक पानी पहुंचने से समय की बचत, सुविधा और शिक्षा के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध हो सकते हैं। अध्ययन करने और स्कूल की पढ़ाई पर बेहतर ध्यान देने का अवसर मिल रहा है। बेटियों की शिक्षा और सशक्तीकरण में मददगार-जल जीवन मिशन का प्रभाव केवल घरों तक नल से पानी पहुंचाने तक सीमित नहीं है, बल्कि इससे |
|--|--------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|

# जगह-जगह विराजीं मां दुर्गा की दिव्य प्रतिमाएं



कटनी (स्वतंत्रमत)

शारदीय नवरात्र का उल्लास अब पूरे शहर में छा गया है। गली-मोहल्लों, प्रमुख चौराहों और पूजा स्थलों पर मां दुर्गा की दिव्य प्रतिमाएं विराजित हो चुकी हैं। कहीं भव्य पंडाल आकर्षण का केंद्र बने हैं, तो कहीं अनूठी विद्युत सजावट के बीच मां के अलग-अलग स्वरूप श्रद्धालुओं को आकर्षित कर रहे हैं। इस बार कई स्थानों पर स्थापित महाकाली की विशाल और मनोहारी प्रतिमाएं विशेष आकर्षण बनी हुई हैं। पंचमी पर प्रतिमाओं की स्थापना के साथ ही पूजा पंडालों की रौनक बढ़ गई है। तैयारियां पूरी



होने के बाद अब आज से दर्शनार्थियों की भीड़ उमड़ने लगेगी, जबकि ससमी से शहर की सड़कों पर श्रद्धालुओं का जनसेलाब दिखाई देने की उमीद है। गुरुवार को मूर्तिकारों के यहां से सुबह से देर शाम तक दुर्गा प्रतिमाओं के पहुंचने का सिलसिला चलता रहा। वाहनों से प्रतिमाओं को पंडालों तक ले जाने और स्थापना की तैयारियों के चलते शहर के कई मार्गों पर जाम की स्थिति बनी। इसके बावजूद समितियों के सदस्य देर रात तक प्रतिमाओं की स्थापना, साज-सज्जा और पूजन की व्यवस्थाओं में जुटे रहे। अब अधिकांश पंडाल सजकर तैयार हैं और श्रद्धालुओं को मां के दर्शन का इंतजार है। शहर में आदर्श कॉलोनी की श्री



आदर्श जय हो दुर्गा उत्सव समिति, केसीएस स्कूल की वीर दुर्गा पूजा समिति, पुराने कन्या महाविद्यालय परिसर की राजेंद्र डेयू पूजा समिति, झंडा बाजार में व्यापारी संघ और घंटाघर में रसमोहनी दुर्गा पूजा परिवार के पंडालों में मां की प्रतिमाएं स्थापित की गई हैं। कृषि उपज मंडी, कुठला की जय मां भारत दुर्गा उत्सव समिति, जगन्नाथ चौक, गांधी स्कूल, जिला अस्पताल के सामने, कचहरी चौक और नई बस्ती में भी भव्य रूप से मां विराजित हुई हैं। पन्ना मोड़ में आनंद पटेल के निवास पर, पहरूआ में खेर माता मंदिर के पास, आजाद चौक, शेर चौक और गाटर घाट स्थित शंकर मंदिर में भी दुर्गा प्रतिमाओं की स्थापना की गई है।



शिवनगर, रचना नगर, बस स्टैंड, राजीव गांधी वार्ड, खरहनी, स्टेशन रोड सजी मंडी, सिविल लाइन और विश्राम बाबा क्षेत्र में भी पूजा पंडाल सजाए गए हैं। उपनगरीय क्षेत्र माधवनगर, एनकेजे बजरिया, झिंझरी और ददा धाम में भी नवरात्र की धूम दिखाई देने लगी है। महाकाली के स्वरूपों पर टिकी नजरें इस बार शहर के कई पंडालों में महाकाली की प्रतिमाएं श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बनी हुई हैं। प्रतिमाओं की भव्यता के साथ पंडालों की कलात्मक सजावट और रंग-बिरंगी विद्युत रोशनी उत्सव को खास बना रही है। समितियों ने श्रद्धालुओं की आवाजही को देखते हुए दर्शन और पूजन की व्यवस्थाएं पूरी कर ली हैं। शाम होते



ही रोशनी से जगमगाते पंडालों में भतों का पहुंचना शुरू हो जाएगा। ससमी से बड़ेगी रौनक, सड़कों पर दिखेगा जनसेलाब पंचमी पर प्रतिमाओं की स्थापना के बाद अब नवरात्र उत्सव अपने अगले चरण में प्रवेश कर रहा है। आज से पूजा पंडालों में दर्शनार्थियों की संया बढ़ने की उमीद है, वहीं ससमी से प्रमुख मार्गों, चौराहों और पंडालों के आसपास अधिक भीड़ नजर आएगी। मां के दर्शन, आरती और धार्मिक आयोजनों के बीच देर रात तक शहर में चहल-पहल बनी रहने की संभावना है। भव्य पंडालों, दिव्य प्रतिमाओं और आकर्षक रोशनी से सजा कटनी इन दिनों आस्था और उत्साह के रंग में रंगा नजर आ रहा है।



कटनी (स्वतंत्रमत)। शारदीय नवरात्र एवं दुर्गा

## गरबा पंडालों में शक्ति टीम तैनात

पूजा पर्व को शांतिपूर्ण, सुरक्षित एवं सौहार्दपूर्ण कराने के उद्देश्य लिए कटनी पुलिस द्वारा व्यापक सुरक्षा एवं निगरानी व्यवस्था सुनिश्चित की जा रही है। गरबा, धार्मिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों के दौरान महिलाओं, युवतियों, बच्चों एवं बुजुर्गों की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए पुलिस बल को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए हैं। धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों में महिलाओं,

युवतियों, बच्चों और बुजुर्गों की सुरक्षा के लिए शक्ति टीम का गठन किया गया है। इसके तहत महिला पुलिसकर्मियों को पारंपरिक गरबा वेशभूषा में सादे कपड़ों में गरबा पंडालों में तैनात किया गया है, ताकि वे आम प्रतिभागियों के बीच रहकर सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रख सकें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलने पर तत्काल आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित कर

सकें। कार्यक्रम समाप्त होने के बाद देर रात घर लौटने वाली महिलाओं की सुरक्षा के लिए शक्ति टीम के साथ चीता पार्टी एवं एफआरवी को भी तैनात किया गया है। पुलिस टीम रात 8 बजे से सुबह 2 बजे तक गरबा पंडालों एवं आसपास के क्षेत्रों में भ्रमण कर निगरानी रखेगी। इसके अलावा पैदल गश्त और मोबाइल पेट्रोलिंग के माध्यम से सुरक्षा व्यवस्था पर नजर रखी जा रही है।

## नीम के पेड़ की जड़ से प्रकट हुई मरही माता, डेढ़ सौ साल पुराना है मंदिर का इतिहास



**कटनी (स्वतंत्रमत)।** चंद्रशेखर आजाद वार्ड के बावली टोला स्थित प्राचीन मरही माता मंदिर श्रद्धा और आस्था का प्रमुख केंद्र है। मान्यता है कि करीब डेढ़ सौ वर्ष पूर्व नीम के पेड़ की जड़ों से मरही माता की प्रतिमा प्रकट हुई थी। मंदिर के पुजारी बंदी पंडा के अनुसार, उनके पूर्वज सुखदेव प्रसाद बर्मन ने प्रतिमा को देखकर स्थानीय लोगों के सहयोग से मंदिर का निर्माण करवाया था।

**तीन पीढ़ियों से माता की सेवा में जुटा बर्मन परिवार-** मरही माता मंदिर में वर्षभर श्रद्धालु दर्शन के लिए पहुंचते हैं, जबकि नवरात्र में विशेष भीड़ रहती है। भक्त माता के समक्ष नारियल, चुनरी और प्रसाद अर्पित कर सुख-समृद्धि एवं मनोकामना पूर्ति की प्रार्थना करते हैं। वर्तमान पुजारी बंदी पंडा के साथ भीम बर्मन, नकुल बर्मन, अर्जुन बर्मन और करन बर्मन सहित परिवार के सदस्य माता की सेवा में जुटे हैं। श्रद्धालुओं का विश्वास है कि माता की आराधना से कष्टों का सामना करने की शक्ति और मानसिक संबल मिलता है।

**अष्टमी पर हवन, कन्या भोज और विशाल भंडारा-** शारदीय नवरात्र के अवसर पर 18 अक्टूबर को अष्टमी के दिन दोपहर 12 बजे पूर्णाहुति हवन होगा। इसके बाद दोपहर 2 बजे से कन्या भोज एवं विशाल भंडारे का आयोजन किया जाएगा। वहीं, 19 अक्टूबर को नवमी के दिन शाम 7 बजे जवारों का विसर्जन जुलूस निकलेगा। जुलूस ईश्वरीपुरा वार्ड, सन्मुख गली और गौतम मोहल्ला होते हुए कटनी नदी पहुंचेगा, जहां विधि-विधान से जवारों का विसर्जन किया जाएगा। मरही माता मंदिर की पुरानी धार्मिक परंपराएं आज भी क्षेत्र के लोगों को आस्था के सूत्र में बांधे हुए हैं। नवरात्र के दौरान माता के जयकारों और भक्तिमय आयोजनों से पूरा क्षेत्र भक्तिरस में सराबोर हो जाता है।

## जिला स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता में रीठी महाविद्यालय प्रथम

**शासकीय तिलक महाविद्यालय कटनी द्वितीय एवं शासकीय कन्या महाविद्यालय कटनी तृतीय स्थान पर रहा**

कटनी (स्वतंत्रमत)

शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी में अंतरमहाविद्यालयीन जिला स्तरीय महिला कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन उत्साह, खेल भावना एवं रोमांचक प्रतिस्पर्धा के साथ किया गया। प्रतियोगिता में जिले के विभिन्न महाविद्यालयों की 12 महिला कबड्डी टीमों ने सहभागिता की। प्रतियोगिता के दौरान खिलाड़ियों ने अपने उत्कृष्ट खेल कौशल, शारीरिक क्षमता, अनुशासन, टीम भावना एवं संघर्षशीलता का शालदार प्रदर्शन किया। विभिन्न टीमों के बीच हुए मुकाबलों ने उपस्थित दर्शकों का भरपूर मनोरंजन किया और खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन किया। प्रतियोगिता के अंतिम परिणामों में शासकीय महाविद्यालय, रीठी ने प्रथम स्थान प्राप्त कर विजेता होने का गौरव हासिल किया। वहीं शासकीय तिलक महाविद्यालय, कटनी ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया, जबकि शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी की टीम तृतीय स्थान पर रही। प्रतियोगिता में खिलाड़ियों के प्रदर्शन के आधार पर व्यक्तिगत पुरस्कार भी प्रदान किए गए।



शासकीय तिलक महाविद्यालय, कटनी की खिलाड़ी श्रद्धा कोरी को उत्कृष्ट रेडिंग के लिए बेस्ट रेडर तथा शासकीय महाविद्यालय, रीठी की प्रियंका ठाकुर को शानदार रक्षात्मक प्रदर्शन के लिए बेस्ट डिफेंडर के खिताब से सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ शासकीय कन्या महाविद्यालय, कटनी की प्राचार्य डॉ चित्रा प्रभात एवं शासकीय तिलक सातकोर महाविद्यालय, कटनी के प्राचार्य डॉ. सुनील कुमार बाजपेयी द्वारा मौ सरस्वती की पूजा-अर्चना एवं दीप प्रच्वलन के साथ किया गया। इसके पश्चात अतिथियों ने प्रतियोगिता

में भाग लेने वाली सभी टीमों की खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया। सिक्का उछालकर प्रतियोगिता का विधिवत शुभारंभ किया गया। अतिथियों ने खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ प्रतियोगिता में भाग लेने तथा अपने उत्कृष्ट प्रदर्शन से महाविद्यालय एवं जिले का नाम रोशन करने के लिए प्रेरित किया। प्रतियोगिता के समापन अवसर पर आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में मुडुवारा विधानसभा क्षेत्र के विधायक संदीप जायसवाल मुख्य रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने विजेता एवं उपविजेता टीमों सहित उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली



खिलाड़ियों को ट्रॉफी, मेडल एवं प्रमाण-पत्र प्रदान कर सम्मानित किया। उन्होंने खिलाड़ियों के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि खेल विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। खेलों से शारीरिक स्वास्थ्य के साथ-साथ आत्मविश्वास, अनुशासन, नेतृत्व क्षमता, निर्णय लेने की योग्यता तथा सहयोग की भावना विकसित होती है। उन्होंने छात्राओं को खेलों में निरंतर सहभागिता कर आगे बढ़ने के लिए प्रोत्साहित किया। प्रतियोगिता का सफल संयोजन महाविद्यालय के क्रीड़ा अधिकारी नागेंद्र यादव द्वारा किया गया।

आयोजन को सफल बनाने में महाविद्यालय के प्राध्यापकों, निर्णायकों, कर्मचारियों एवं सहयोगियों का महत्वपूर्ण योगदान रहा। अंत में नागेंद्र यादव ने सभी अतिथियों, प्राचार्यगण, निर्णायकों, खिलाड़ियों एवं आयोजन में सहयोग प्रदान करने वाले सभी व्यक्तियों के प्रति आभार व्यक्त किया। इस प्रतियोगिता ने जिले की महिला खिलाड़ियों को अपनी प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर प्रदान किया तथा खेलों के प्रति छात्राओं में उत्साह, आत्मविश्वास और प्रतिस्पर्धात्मक भावना को प्रोत्साहित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

## शहर में नहीं आएंगी बसें और भारी वाहन

**कटनी (स्वतंत्रमत)।** नवरात्रि एवं दशहरा पर्व को लेकर पुलिस ने तैयारियां तेज कर दी है। दशहरा जुलूस एवं रावण दहन कार्यक्रम के दौरान श्रद्धालुओं की सुरक्षा, भीड़ नियंत्रण तथा सुगम यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने को लेकर पुलिस ने ट्रैफिक प्लान बनाया है। जानकारी के मुताबिक शहर



में दशहरा जुलूस एवं रावण दहन कार्यक्रम को लेकर भारी वाहनों के प्रवेश पर नो एंट्री लागू की गई। प्रतिबंध की समाप्ति 21 अक्टूबर को प्रातः 4 बजे और आमजन की उपस्थिति एवं यातायात की स्थिति सामान्य होने के अनुसार की जाएगी। इसी तरह श्रद्धालुओं की आवाजही एवं शहर की यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए प्रतिदिन शाम 05.30 बजे से अग्रिम आदेश तक बसों एवं लोडिंग वाहनों, 407 को बस स्टैंड, बिलहरी मोड़, माधवनगर गेट एवं डन कॉलोनी के पास से शहर के बाहर की ओर डायवर्ट किया जाएगा। निर्धारित प्रतिबंधित समय में बड़े वाहनों का शहर में प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। माधवनगर क्षेत्र में दशहरा जुलूस एवं रावण दहन कार्यक्रम के दौरान भारी वाहनों के प्रवेश पर नो एंट्री लागू रहेगी। प्रतिबंध की समाप्ति 22 अक्टूबर को प्रातः 2 बजे अथवा आमजन की उपस्थिति एवं यातायात की स्थिति सामान्य होने के अनुसार की जाएगी। बैठक में पर्व के दौरान आमजन की सुविधा एवं सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए निर्धारित समय में भारी एवं लोडिंग वाहनों को शहर के बाहरी मार्गों की ओर डायवर्ट करने पर सहमति बनाई गई। ट्रांसपोर्टर्स एवं वाहन संचालकों से सहयोग की अपील यातायात पुलिस ने ट्रांसपोर्टर्स एवं वाहन संचालकों को दशहरा पर्व के दौरान निर्धारित समय सारणी एवं डायवर्जन व्यवस्था से अवगत कराते हुए उनसे अपील की कि प्रतिबंधित समय में भारी एवं लोडिंग वाहनों को शहर में प्रवेश न कराएं तथा वैकल्पिक मार्गों का उपयोग करें। पर्व के दौरान यातायात व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग प्रदान करें। बैठक में एएसपी कमल मोर्य, डीएसपी रत्नेश मिश्रा, यातायात थाना प्रभारी अनूप सिंह, आआई अंजु लकड़ा, एसआई कुलदीप टेकाम, ट्रांसपोर्टर्स एसोसियेशन के अध्यक्ष बी एम तिवारी, राजसिंह, दीपक मुन्दानी, वृजेश, महेश, गोवरधन, अश्वनी, राजेश रोहरा, राहुल गुप्ता, रामनरेश सेन उपस्थित रहे।

## मातृशक्ति के सम्मान और जनकल्याण के संकल्प के साथ लाल बहादुर शास्त्री वार्ड में लगभग 35 लाख के विकास कार्यों का शुभारंभ

कटनी (स्वतंत्रमत)

नवरात्रि के पावन पर्व पर आस्था, सम्मान और जनसेवा की भावना के साथ नगर पालिक निगम कटनी द्वारा शहर के विभिन्न वार्डों में विकास कार्यों को गति प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में गुरुवार को नवरात्रि की पंचमी के शुभ अवसर पर लाल बहादुर शास्त्री वार्ड में लगभग 35 लाख की लागत से होने जा रहे सड़क निर्माण कार्यों का भूमिपूजन महापौर प्रीति संजीव सूरी, क्षेत्रीय पार्षद सरला मिश्रा सहित जनप्रतिनिधियों की गरिमामय मौजूदगी में वार्ड की कन्या शिवि के हाथों से संपन्न हुआ। इस अवसर पर महापौर ने उपस्थित मातृशक्तियों को पुष्पहार पहनाकर आत्मीय स्वागत एवं अभिनंदन किया। कार्यक्रम के दौरान महापौर ने वार्ड की अन्य गलियों का निरीक्षण कर क्षेत्र में नागरिक सुविधाओं की स्थिति का जायजा भी लिया। भूमिपूजन के शुभ अवसर के दौरान एमआईसी सदस्य डॉ रमेश सोनी, सुभाष साहू, सुरेंद्र गुप्ता, पार्षद शकुंतला सोनी, रेखा तिवारी, एल्डरमैन नरेश अग्रवाल, समाजसेवी डॉ सुनील द्विवेदी, समाजसेवी संतोष मिश्रा, सहित बड़ी संख्या में स्थानीय जनों की मौजूदगी रही।



लगभग 35 लाख 8 हजार रुपये के विकास कार्यों से सुदृढ़ होगी वार्ड की सड़क व्यवस्था। विकास कार्यों के अंतर्गत लाल बहादुर शास्त्री वार्ड में नागरिकों की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए दो महत्वपूर्ण सीसी रोड निर्माण कार्यों को आगे बढ़ाया जा रहा है। जिसमें सुभाष तिवारी के घर से शंकर दुबे के घर तक लगभग 27 लाख 8 हजार रुपये तथा आनंद पटेल के घर से अशोक सोनी के घर तक

लगभग 8 लाख रुपये की लागत से सड़क निर्माण कराया जाएगा। इन कार्यों से संबंधित मार्गों पर आवागमन अधिक सुविधाजनक होगा तथा वार्ड की आधारभूत संरचना को मजबूती मिलेगी।

मातृशक्ति का सम्मान हमारी संस्कृति की पहचान, हर वार्ड का विकास हमारी प्रतिबद्धता- महापौर श्रीमती सूरी

महापौर ने अपने उद्घोषन में कहा कि नवरात्रि का पावन पर्व मातृशक्ति की आराधनाए सम्मान और समाज में उनके

महत्वपूर्ण योगदान को स्मरण करने का अवसर है। भारतीय संस्कृति में नारी शक्ति को विशेष स्थान प्राप्त है। इसी भावना के साथ आज मातृशक्ति का स्वागत एवं अभिनंदन कर उन्हें सम्मानित किया गया है। उन्होंने कहा कि नगर का विकास तभी सार्थक है, जब प्रत्येक वार्ड के नागरिकों को बेहतर मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हों और उनकी रोजमर्रा की समस्याओं का समाधान हो। महापौर ने आगे कहा कि विकास केवल एक सड़क के निर्माण तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे क्षेत्र की आवश्यकताओं को समझते हुए योजनाबद्ध तरीके से सुविधाओं का विस्तार करना जरूरी है। इसी उद्देश्य से वार्ड में निर्माण कार्यों के साथ अन्य गलियों का निरीक्षण भी किया जा रहा है, ताकि जहां भी सुधार की आवश्यकता होए उसे चिह्नित कर प्राथमिकता के आधार पर आवश्यक कदम उठाए जा सकें। उन्होंने नागरिकों से भी अपील की कि वे विकास कार्यों में सहयोग करें, अपने आसपास स्वच्छता बनाए रखें और निर्माण कार्यों की गुणवत्ता के प्रति जागरूक रहें। जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और नागरिकों के सामूहिक प्रयासों से ही विकसित एवं सुविधायुक्त कटनी का संकल्प साकार होगा।

**विकास कार्यों को गति मिलने पर**

**पार्षद सरला मिश्रा ने जताया आभार**

क्षेत्रीय पार्षद सरला मिश्रा ने वार्ड में सीसी रोड निर्माण कार्यों के शुभारंभ पर महापौर प्रीति संजीव सूरी एवं नगर निगम प्रशासन के प्रति आधार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि सड़क जैसी मूलभूत सुविधा प्रत्येक नागरिक की आवश्यकता है। वार्ड में प्रस्तावित दोनों सड़क निर्माण कार्यों से स्थानीय रहवासियों को आवागमन में सुविधा मिलेगी और क्षेत्र की सड़क व्यवस्था बेहतर होगी। लाल बहादुर शास्त्री वार्ड में नवरात्रि की पंचमी के पावन अवसर पर सीसी रोड निर्माण कार्यों के भूमिपूजन से क्षेत्रवासियों में खुशी का माहौल रहा। विकास कार्यों का शुभारंभ होने पर वार्डवासियों ने प्रसन्नता व्यक्त की। नागरिकों ने क्षेत्र में विकास कार्यों की पहल के लिए महापौर सूरी, पार्षद व नगर निगम प्रशासन के प्रति धन्यवाद ज्ञापित करते हुए आभार जताया। उन्होंने उम्मीद व्यक्त की कि इन निर्माण कार्यों से क्षेत्र में आवागमन की सुविधा बेहतर होगी और वार्ड के विकास को नई गति मिलेगी।

# कोमल ने रेसलिंग में जीता ब्रॉन्ज

## पहलवान अमृता पुजारी फाइनल में पहुंचीं

लास वेगास (वार्ता)

भारत की कोमल ने अंडर-23 वर्ल्ड रेसलिंग चैंपियनशिप में महिलाओं के 59 किग्रा वर्ग में ब्रॉन्ज मेडल जीता, जबकि अमृता पुजारी ने दो पिनफॉल जीत के साथ 72किग्रा वर्ग के फाइनल में जगह बनाई। कोमल ने ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में कजाकिस्तान की विक्टोरिया खुसेनोवा को 7-2 से हराकर इस वर्ग में तीसरा स्थान हासिल किया। इससे पहले, कनाडा की एला फार्डिंंग के खिलाफ उनका मुकाबला 1-1 से बराबर रहा, जिसके बाद क्राइटेरिया (नियमों) के आधार पर कोमल को विजेता घोषित किया गया। इसके बाद उन्होंने मोन्देवा की मैडलना प्रिसाकारी को 8-3 से हराया। सेमीफाइनल में यूक्रेन की अलीना फिलिपोविच ने टेक्निकल सुपीरियरिटी (तकनीकी श्रेष्ठता) के आधार पर जीत दर्ज की, जिससे कोमल को ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले में खेलना पड़ा। महाराष्ट्र के सोलापुर की पहलवान अमृता पुजारी, गोल्ड मेडल मुकाबले में यूक्रेन की इरीना ज़वर्त्नोत्स्का से भिड़ेंगी। उन्होंने कजाकिस्तान की सबिरज़ानोवा को पिनफॉल से हराकर अपने अभियान की शुरुआत की और फिर सेमीफाइनल में चीन की वेनजिन किउ को भी पिनफॉल से हराया।

सबिज़ानोवा के खिलाफ भारतीय पहलवान ने 7-1 की बढ़त बना ली थी और अंत में



पिनफॉल से मुकाबला जीत लिया। किउ के खिलाफ, पुजारी 10-8 से आगे थीं, तभी उन्होंने निर्णायक पिन हासिल करके फाइनल में अपनी जगह पक्की कर ली। भारत की दो और पहलवान, स्वीटी और वैष्णवी पाटिल, अभी भी रेपेचेज के जरिए ब्रॉन्ज मेडल की दौड़ में बनी हुई हैं। 53किग्रा वर्ग में हिस्सा ले रहीं स्वीटी ने प्री-क्वार्टर फाइनल में कजाकिस्तान की दिनारा

दाउलकिज़ी को हराया, लेकिन क्वार्टर फाइनल में उन्हें क्रिस्टेल रोड्ज़िगे डोबलर से 11-2 से हार का सामना करना पड़ा। डोबलर के फाइनल में पहुंचने के बाद, स्वीटी को रेपेचेज के जरिए वापस मौका मिला। अब उनका मुकाबला चीन की ज़ियाओतोंग ज़ेंग से होगा, और जीतने वाली पहलवान ब्रॉन्ज मुकाबले में पहुंचेगी।

### वैष्णवी की टक्कर कोबारु से

वैष्णवी 65किग्रा वर्ग के रेपेचेज मुकाबले में जापान की हारुका कोबारु से भिड़ेंगी। इससे पहले, क्वार्टर फाइनल में रूस की एकातेरिना कोशकिना ने उन्हें टेक्निकल सुपीरियरिटी (तकनीकी श्रेष्ठता) के आधार पर हरा दिया था। दीक्षा मलिक ने महिलाओं के 76 किग्रा वर्ग में पांचवें स्थान के साथ अपना सफर समाप्त किया।

### मोरे ने जीता है पहला पदक

इस चैंपियनशिप में भारत के लिए पहला पदक विश्वजीत मोरे ने जीता, जिन्होंने ग्रीको-रोमन 55 किग्रा स्पर्धा में रजत पदक हासिल किया। हालांकि, वीज़ा संबंधी समस्याओं के कारण भारतीय पहलवान महिलाओं के चार वर्गों-50 किग्रा, 55 किग्रा, 57 किग्रा और 62 किग्रा-तथा ग्रीको-रोमन के पांच वर्गों-60 किग्रा, 77 किग्रा, 82 किग्रा, 97 किग्रा और 130 किग्रा-में हिस्सा नहीं ले सके।

## देश के लिए खेलने का मौका सभी को नहीं मिलता: रोहित

मुंबई (वार्ता)।

फेमिली फुल हाउस विद रोहित शर्मा में रोहित शर्मा ने अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत का प्रतिनिधित्व करने के लिए जरूरी सोच और समर्पण के बारे में खुलकर बात की। प्रतियोगी दीपक के साथ बातचीत के दौरान, रोहित से बंगलादेश में खेले गए एक मैच की उम्र घटना के बारे में पूछा गया, जब उनके अंगुठे में चोट लग गई थी और उन्हें मैदान छोड़ना पड़ा था, लेकिन बाद में चोट के बावजूद वह दोबारा खेलने लौट आए थे। देश के लिए लगातार अपना सर्वश्रेष्ठ देने की प्रेरणा के बारे में बात करते हुए, रोहित ने कहा कि भारत का प्रतिनिधित्व करने का मौका हर किसी को नहीं मिलता। रोहित ने कहा, सितल सी चीज है, देश के लिए खेलने का मौका सारे लोगों को मिलता नहीं है। तो जब आपके पास मौका है, तो आपको अपने अंदर जो कुछ है सब सामने रख देना चाहिए। जितनी भी आपके अंदर ताकत है, सब। भारत के लिए खेलने को लेकर अपने नजरिए के बारे में बात करते हुए, जब रोहित शर्मा अपनी सोच साझा कर रहे थे, तब दर्शकों ने रोहित! रोहित! के नारे लगाने शुरू कर दिए, जो उनके और प्रशंसकों के बीच मजबूत जुड़ाव को दर्शाता है।



## भारत ने एशियन पैरा गेम्स में शुरू किया अपना अभियान

नई दिल्ली (वार्ता)

भारतीय पैरा-बैडमिंटन, पैरा-टेबल टेनिस खिलाड़ियों और नेत्रहीन फुटबॉल पुरुष टीम ने शुक्रवार को एशियन पैरा गेम्स 2026 में अपने अभियान की शुरुआत की। इस बार एशियन पैरा गेम्स में 168 सदस्यीय (112 पुरुष, 56 महिला) भारतीय दल हिस्सा ले रहा है। भारतीय पैरा-बैडमिंटन और पैरा-टेबल टेनिस खिलाड़ियों के साथ-साथ नेत्रहीन फुटबॉल पुरुष टीम ने आज यहां अपने अभियान की शुरुआत की। इस दल में शामिल 47 भारतीय एथलीट टारगेट ओलंपिक पोडियम स्क्रीम (टॉप्स) का हिस्सा हैं, 33 खेलो इंडिया एथलीट (केआईएस) हैं, और 61 खिलाड़ी पहली बार इन खेलों में हिस्सा ले रहे हैं। भारत ने सरकार ने 11 खेलों के एथलीटों की तैयारियों के लिए, अलग-अलग केंद्रों पर नेशनल कोचिंग शिविर आयोजित किए गए। इसके



अलावा, पैरा-तीरंदाजी दल के लिए सितंबर और अक्टूबर के बीच जापान के कुरोबे आर्चरी सेंटर में एक अंतरराष्ट्रीय शिविर का आयोजन किया गया। घरेलू स्तर पर, पैरा-तीरंदाजों ने सोनीपत में स्पोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया (साई) के क्षेत्रीय केंद्र में प्रशिक्षण लिया, जबकि इसी दौरान गांधीनगर में साई के क्षेत्रीय केंद्र में पैरा-तैराकों और पैरा-

खिलाड़ियों ने कोच्चि में ट्रेनिंग ली।

इसके अलावा, इस अक्टूबर में लखनऊ स्थित इंडियन पैरा जूडो अकादमी में ब्लाईंड जूडो एथलीटों के लिए एक कैंप लगाया गया। भारत, आइची-नागोया गेम्स में पैरा एथलेटिक्स, पैरा-आर्चरी, पैरा बैडमिंटन, पैरा टेबल टेनिस, बोचिक्वा, ब्लाईंड फुटबॉल, पैरा साइकिलिंग, ब्लाईंड जूडो, पैरा पावरलिफ्टिंग, पैरा शूटिंग और पैरा स्विमिंग में हिस्सा ले रहा है। उद्घाटन समारोह 18 अक्टूबर को होगा। शटलर प्रमोद भगत और पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी भाविना पटेल भारत के ध्वजवाहक होंगे। पदक प्रतियोगिता 19 से 24 अक्टूबर तक आयोजित की जायेगी।



## श्रीलंका में शुरू हो रहा है क्रिकेट का चौथा प्रारूप ‘टेस्ट ट्वेंटी’

**मुंबई/कोलंबो (वार्ता)।** क्रिकेट के इतिहास में टेस्ट ट्वेंटी के 80 ओवर के प्रारूप पर आधारित दुनिया का पहला मिक्स्ड-जेंडर (लड़के-लड़कियों का मिला-जुला) क्रिकेट टूर्नामेंट 14 नवंबर को कोलंबो के एसएससी में शुरू होगा। इसमें 160 लड़के और लड़कियां हिस्सा लेंगे, जिनका स्कोरबोर्ड एक ही होगा। इस टूर्नामेंट में पहली बार, एक टॉस से दो चीजें तय होंगी। कौन सी टीम पहले बल्लेबाजी करेगी, और पहले लड़कियां खेलेंगी या लड़के। लड़कियां लड़कियों के खिलाफ खेलेंगी, और लड़के लड़कों के खिलाफ। जो भी सुबह बल्लेबाजी करेगा, उसके रन रात तक जुड़ते जाएंगे, और अंत में दोनों का कुल स्कोर ही जीत तय करेगा। लड़कियों के रन लड़कों के मैच का नतीजा तय करेगी, और लड़कों के रन लड़कियों के मैच का। क्रिकेट के इतिहास में ऐसा पहले कभी नहीं हुआ है। पिछले लगभग 150 सालों में क्रिकेट के तीन प्रारूप रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट, वनडे और टी-20 अब 14 नवंबर को चौथा प्रारूप सामने आएगा। टेस्ट ट्वेंटी का पहला सीजन श्रीलंका के कोलंबो स्थित सिंहलीजू स्पोर्ट्स क्लब एसएससी में 14 से 29 नवंबर तक खेला जाएगा, जिसमें 30 नवंबर को रिजर्व डे (अतिरिक्त दिन) के तौर पर रखा गया है। दुनिया भर से चुने गए 13 से 21 साल के 160 युवा क्रिकेटर 4 महाद्वीपीय टीमों में बंटकर कोलंबो पहुंचेंगे।

# आईटी कंपनियों में लिवाली से सेंसेक्स में उछाल

### टेक महिंद्रा का शेयर आठ फीसदी ऊपर

मुंबई (वार्ता)

घरेलू शेयर बाजारों में शुक्रवार को आईटी कंपनियों में एक बार फिर अच्छी तेजी देखी गई और बीएसई का सेंसेक्स 413.66 अंक (0.56 प्रतिशत) की बढ़त के साथ 74,729.27 अंक पर पहुंच गया। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी-50 सूचकांक भी 148.80 अंक की बढ़त में 23,146.15 अंक पर बंद हुआ। अच्छे तिमाही परिणाम और बोनस शेयर की घोषणा के बाद टेक महिंद्रा का शेयर आठ प्रतिशत से अधिक की



बढ़त में बंद हुआ। कंपनी के गुरुवार को जारी वित्तीय परिणामों के अनुसार, जुलाई-सितंबर 2026 की तिमाही में उसका मुनाफा सालाना आधार पर 32.7 प्रतिशत बढ़कर 1,586 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। राजस्व में 15.6

फीसदी की वृद्धि हुई और यह 16,180 करोड़ रुपये रहा। कंपनी ने प्रत्येक शेयर पर एक बोनस शेयर जारी करने की घोषणा की है। साथ ही प्रत्येक इक्विटी शेयर पर 15 रुपये के अंतरिम लाभांश की भी घोषणा की है। वृहत बाजार में

मझौली और छोटी कंपनियों के सूचकांक गिरावट में रहे। निफ्टी मिडकैप-50 सूचकांक 0.06 प्रतिशत और स्मॉलकैप-100 सूचकांक 0.01 प्रतिशत नीचे रहा। सेक्टर आधारित सूचकांकों में निफ्टी आईटी सूचकांक में 3.92 प्रतिशत का उछाल रहा। मीडिया समूह का सूचकांक 1.92 फीसदी, धातु का 0.95 प्रतिशत और ऑटो का 0.75 प्रतिशत मजबूत हुआ। एफएमसीजी, रियल्टी, फार्मा, स्वास्थ्य, टिकाऊ उपभोक्ता उत्पाद और तेल एवं गैस समूहों में गिरावट रही। सेंसेक्स की कंपनियों में टेक महिंद्रा के बाद टीसीएस और इंफोसिस के शेयर सबसे अधिक

साढ़े चार प्रतिशत चढ़े। भारती एयरटेल और महिंद्रा एंड महिंद्रा में दो से तीन प्रतिशत तक की तेजी रही। बजाज फाइनेंस और एचसीएल टेक्नोलॉजीज के शेयर एक से डेढ़ फीसदी तक चढ़े। एनटीपीसी, अल्ट्राटेक सीमेंट, मारुति सुजुकी, पावरग्रिड, बजाज फिनसर्व और ट्रेंट के शेयर भी हरे निशान में रहे। विमान सेवा कंपनी इंडिगो में करीब सवा दो फीसदी की गिरावट रही। रिलायंस इंडस्ट्रीज और एशियन पेंट्स के शेयर एक प्रतिशत से अधिक गिरे। बीईएल, आईटीसी, एलएंडटी, कोटक महिंद्रा बैंक, टाटा स्टील और अडानी पोर्ट्स भी नुकसान में रहे।

## तमिलनाडु से 1.755 टन ऑर्गेनिक ताड़ के गुड़ पाउडर का निर्यात

**नई दिल्ली (वार्ता)।** जैविक उत्पादों के निर्यात को मजबूत बनाते हुए तमिलनाडु के इरुड जिले से बुलारारिया को 1.755 टन ताड़ के जैविक गुड़ के पाउडर की पहली खेप का निर्यात किया गया है। यहां जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार कृषि और प्रसंस्कृत खाद्य उत्पाद निर्यात विकास प्राधिकरण ने इस निर्यात में मदद की है। इसमें बताया गया है कि पारंपरिक ताड़-आधारित उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय बाजारों में भेजने और जैविक उत्पादों के निर्यात में विविधता लाने की दिशा में एक अहम कदम है। इस खेप को चेन्नई बंदरगाह से भेजा गया है। इस पहल का उद्देश्य तमिलनाडु के पारंपरिक ताड़-आधारित उत्पादों के लिए बाजार को मजबूत करना और जैविक खेती से



जुड़े किसानों के लिए नये अवसर पैदा करना है। इससे घरेलू बाजार की तुलना में किसानों को लगभग 15-22 फीसदी अधिक लाभ मिले हैं। गौरतलब है कि ताड़ के गुड़ विदेशों में भी लोकप्रिय है। रिकाईड चीनी के विकल्प के रूप में यह विटामिन और खनिजों सहित संभावित पोषण से भरपूर है। तमिलनाडु के ताड़-आधारित उत्पाद पारंपरिक उत्पादन प्रथाओं के उपयोग से जुड़े हैं। एपीडा के अध्यक्ष अभिषेक देव ने इस खेप को हरी झंडी दिखाकर खाना किया। इस समारोह में एपीडा के वरिष्ठ अधिकारी, निर्यातक कंपनियों के प्रतिनिधि, अंतरराष्ट्रीय भागीदार, प्रगतिशील किसान और निर्यात मूल्य श्रृंखला से जुड़े अन्य हितधारक भी शामिल हुए।

## आईसीआईसीआई लाइफ के मुनाफे में 26.5 फीसदी बढ़ोतरी

**मुंबई।** वित्त वर्ष 2026-27 की पहली छमाही में कंपनी के व्यक्तिकत सुरक्षा बीमा कारोबार में सालाना आधार पर 47.2 फीसदी की बढ़ोतरी हुई, जबकि पेंशन और नियमित आय देने वाली वार्षिक योजनाओं के कारोबार में 50 फीसदी की वृद्धि दर्ज की गई। इसके परिणामस्वरूप, व्यक्तिकत बीमा का कुल बीमित मूल्य सालाना आधार पर 34.9 फीसदी बढ़कर 2.32 लाख करोड़ रुपये हो गया। यह ग्राहकों को मिलने वाले बीमा कवर में उल्लेखनीय विस्तार को दर्शाता है। कंपनी का नया कारोबार प्रीमियम पहली छमाही में सालाना आधार पर 25 फीसदी बढ़कर 11,821 करोड़ रुपये हो गया। नए कारोबार का मूल्य (बीएनबी) 22.3 फीसदी बढ़कर 1,283 करोड़ रुपये रहा, जबकि बीएनबी मार्जिन 26 फीसदी दर्ज किया गया। इस दौरान, कंपनी का कर पश्चात लाभ (पीएटी) 26.5 फीसदी की



बढ़ोतरी के साथ 760 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। आईसीआईसीआई लाइफ इश्योरेंस लिमिटेड के मुख्य परिचालन अधिकारी सिद्धार्थ मिश्रा ने कहा, ग्राहकों को प्राथमिकता देना हमेशा से आईसीआईसीआई लाइफ के कामकाज का मूल सिद्धांत रहा है और आने वाले वर्षों में भी हमारी सभी गतिविधियों का मार्गदर्शन यही सोच करेगी। सुरक्षा बीमा और वार्षिकी योजनाएँ हमारी दीर्घकालिक रणनीति के केंद्र में हैं। इनके माध्यम से हम भारत में उन जरूरतों को पूरा कर रहे हैं, जिनके लिए अभी पर्याप्त बीमा कवरेज उपलब्ध नहीं है। उन्होंने कहा कि विविध वितरण नेटवर्क, नए और ग्राहक-केंद्रित उत्पादों, ग्राहकों को प्राथमिकता देने वाली विक्री एवं सेवा व्यवस्था, उद्योग में बेहतर गुणवत्ता मानकों और मजबूत जोखिम व पूँजी प्रबंधन के दम पर कंपनी उभरते अवसरों का लाभ उठाने में सक्षम है।

### फेडरल बैंक को 1386 करोड़ का मुनाफा

**मुंबई (वार्ता)।** निजी क्षेत्र के फेडरल बैंक को चालू वित्त वर्ष की दूसरी तिमाही में 1,386 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा हुआ जो पिछले वित्त वर्ष की समान तिमाही की तुलना में 45.10 प्रतिशत अधिक है। बैंक ने शुक्रवार को वित्तीय परिणामों की घोषणा के बाद बताया कि यह किसी भी तिमाही का उसका रिकॉर्ड मुनाफा है। प्रति शेयर आमदनी भी एक साल पहले की तुलना में 44.34 प्रतिशत बढ़कर 22.26 रुपये पर पहुंच गया। तिमाही के दौरान बैंक का परिचालन लाभ 35.35 प्रतिशत ऊपर 2,225.37 करोड़ रुपये दर्ज किया गया। ब्याज से प्राप्त शुद्ध लाभ 26.38 प्रतिशत बढ़कर 3,153.40 करोड़ रुपये हो गया। यह बैंक द्वारा ऋण पर प्राप्त ब्याज और जमा पर दिए गए ब्याज का अंतर है। शुल्कों से बैंक ने 1,167.71 करोड़ रुपये की कमाई की। यह एक साल पहले की तुलना में 31.86 फीसदी अधिक है।

## जियो के आईपीओ को विश्लेषकों से मिली सब्सक्राइब रेटिंग

मुंबई (वार्ता)

जियो प्लेटफॉर्मस के आईपीओ को विश्लेषकों से सब्सक्राइब रेटिंग मिली है यानी वे मानते हैं कि कंपनी के शेयर में आने वाले समय में तेजी रहेगी। एमके रिसर्च ने 16 अक्टूबर को जारी अपने आईपीओ नोट में जियो आईपीओ को सब्सक्राइब रेटिंग दी है। ब्रोकरेज फर्म का मानना ​​है कि कंपनी की बाजार में अग्रणी स्थिति, उत्पाद मूल्य पर नियंत्रण, मजबूत क्रियान्वयन और आगे के विकास अवसरों को देखते हुए मौजूदा मूल्य दायरा वाजिब है। रिलायंस इंडस्ट्रीज की दूरसंचार सेवा इकाई जियो प्लेटफॉर्मस का आईपीओ 21 अक्टूबर को खुलेगा और 23 अक्टूबर को कारोबार की समाप्ति के साथ बंद होगा। कंपनी ने आईपीओ के लिए मूल्य का दायरा 1,065 रुपये से 1,119 रुपये तय किया है। एंकर निवेशक 19 अक्टूबर को बोली लगा सकेंगे।



स्वास्तिका इन्वेस्टमार्ट ने भी जियो आईपीओ को सब्सक्राइब रेटिंग दी है। उसकी रिपोर्ट के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 की कमाई के आधार पर ऊपरी प्राइस बैंड पर जियो का मूल्य आमदनी से 33.3 गुना है, जबकि भारती एयरटेल का 40.7 गुना है। यानी इस पैमाने पर स्वास्तिका एयरटेल के मुकाबले जियो को करीब 18 प्रतिशत कम वैल्यूएशन दे रही है। विश्लेषकों के मुताबिक, जियो के लिए एक बड़ी राहत यह है कि 5जी नेटवर्क पर भारी निवेश का दौर अब काफी हद तक पूरा हो चुका है। एमके रिसर्च

का कहना है कि वित्त वर्ष 2023-24 से 2025-26 के बीच कंपनी का पूंजीगत खर्च राजस्व के 48.8 प्रतिशत से घटकर 23.3 फीसदी रह गया। वित्त वर्ष 2025-26 में कंपनी का मुक्त नकदी प्रवाह करीब 32,500 करोड़ रुपये रहा। रिपोर्ट का मानना ​​है कि आगे बड़े निवेश की जरूरत घटने से जियो के पास ज्यादा नकदी बच सकती है।

जियो की भविष्य की योजनाओं को देखते हुए लंबी अवधि में बाजार विश्लेषकों की नजर सिर्फ मोबाइल कारोबार पर नहीं है। होम ब्रॉडबैंड, एंटरप्राइज, क्लाउड, एआई और

अपनी प्रौद्योगिकी को विदेशी बाजारों में ले जाना अगले ग्रोथ ड्राइवर माने जा रहे हैं। जियो के शेयर बाजार में सूचीबद्ध होने का असर रिलायंस इंडस्ट्रीज पर भी दिखा है। जियो के आईपीओ का मूल्य दायरा सामने आने के बाद रिलायंस इंडस्ट्रीज का शेयर करीब 3.4 प्रतिशत चढ़ा। **विदेशी मुद्रा भंडार 8.58 अरब डॉलर घटा**  
**मुंबई (वार्ता)।** देश का विदेशी मुद्रा भंडार गत 09 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में 8.578 अरब डॉलर घटकर 726.027 अरब डॉलर रह गया। यह आठ सप्ताह का निचला स्तर है। विदेशी मुद्रा के देश के भंडार में यह लगातार पांचवीं गिरावट है। इससे पहले 02 अक्टूबर को समाप्त सप्ताह में यह 12.95 अरब डॉलर कम होकर 734.61 अरब डॉलर पर रही थी।

# औद्योगिक विकास को गति देने तथा निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है राज्य सरकार : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

दीपावली से पहले आयोजित होगा चंबल संभाग स्तरीय औद्योगिक सम्मेलन, जनविश्वास अभियान के अंतर्गत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने उद्यमियों से किया संवाद

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि राज्य शासन प्रदेश में औद्योगिक विकास को गति देने तथा निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए प्रतिबद्ध है। उद्योगों की स्थापना एवं विस्तार के लिए शासन की ओर से हरसंभव सहयोग प्रदान किया जाएगा। उन्होंने घोषणा की कि दीपावली से पहले चंबल संभाग स्तरीय औद्योगिक सम्मेलन आयोजित किया जाएगा। इससे क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को विस्तार देने और नए उद्योगों की स्थापना के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करने में मदद मिलेगी। कार्यक्रम में कृषि मंत्री ऐदल सिंह कंसाना, मुख्य सचिव अशोक बर्णवाल तथा सचिव मुख्यमंत्री कार्यालय डॉ. सुदाम खांडे सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव जनविश्वास अभियान के अंतर्गत आयोजित उद्यम संवाद कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने विभिन्न



औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों से संवाद कर क्षेत्र में औद्योगिक विकास, निवेश, रोजगार सृजन, निर्यात तथा उद्योगों के विस्तार से जुड़े विषयों पर चर्चा की। संवाद में लगभग 20 उद्यमियों ने सहभागिता की और शासन से प्राप्त सहयोग, उपलब्ध सुविधाओं तथा विभिन्न विभागों के साथ समन्वय के संबंध में अपने अनुभव साझा किए। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि ग्वालियर-चंबल क्षेत्र में औद्योगिक विकास की व्यापक संभावनाएँ हैं। इन संभावनाओं का लाभ उठाने के लिए नए औद्योगिक क्षेत्रों के विकास, औद्योगिक क्लस्टर की स्थापना तथा पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए योजनाबद्ध तरीके से कार्य किया जाएगा। उन्होंने चंबल एक्सप्रेस-वे के आसपास नवीन औद्योगिक क्षेत्र विकसित करने की संभावनाओं पर भी उद्यमियों के साथ चर्चा की। मुख्यमंत्री डॉ.

यादव ने कहा कि क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से स्थानीय युवाओं के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे तथा क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। **1,500 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित** मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मैसर्स एजीआई ग्रीन पैक की ग्लास विनिर्माण इकाई की सराहना करते हुए कहा कि ग्लास उद्योग को प्रोत्साहित कर प्लास्टिक के फसल अवशेषों के बेहतर उपयोग और पराली प्रबंधन को प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कृषि अपशिष्ट से बायोमास पैलेट्स एवं बायोचार का निर्माण कर अपशिष्ट का उपयोगी संसाधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे किसानों की आय बढ़ने, पर्यावरण संरक्षण तथा औद्योगिक विकास को एक साथ प्रोत्साहन मिलेगा।

स्थापित की जा रही है। वर्तमान में इकाई का निर्माण कार्य जारी है। इस परियोजना में लगभग 1,500 करोड़ रुपये का निवेश प्रस्तावित है तथा करीब 2,000 व्यक्तियों को रोजगार मिलने की संभावना है। कंपनी का मुख्यालय हैदराबाद में स्थित है। मुख्यमंत्री ने मैसर्स बायोएनर्जी प्राइवेट लिमिटेड की पहल की भी सराहना की। यह कंपनी बायोमास पैलेट्स का निर्माण करती है। उन्होंने कहा कि इस प्रकार की औद्योगिक इकाइयाँ फसल अवशेषों के बेहतर उपयोग और पराली प्रबंधन को प्रभावी बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। कृषि अपशिष्ट से बायोमास पैलेट्स एवं बायोचार का निर्माण कर अपशिष्ट का उपयोगी संसाधन के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है। इससे किसानों की आय बढ़ने, पर्यावरण संरक्षण तथा औद्योगिक विकास को एक साथ प्रोत्साहन मिलेगा।

## औद्योगिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में मिली मदद

उद्यम संवाद में सिनोरिया फार्मा के उद्यमी कपिल सत्यवासी ने बताया कि उनकी इकाई का भूमि-पूजन मुख्यमंत्री डॉ. यादव द्वारा वर्ष 2024 में वसुंअली किया गया था। इकाई में चिकित्सा एवं शल्य चिकित्सा संबंधी उपकरणों का निर्माण किया जाएगा। निर्माण कार्य पूरा हो चुका है और दीपावली तक उत्पादन प्रारंभ करने की तैयारी है। इस इकाई में लगभग 6 करोड़ रुपये का निवेश किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इकाई की स्थापना एवं उत्पादन प्रारंभ करने की दिशा में किए गए प्रयासों के लिए उद्यमी को बधाई एवं शुभकामनाएँ दीं। उद्यम संवाद में विभिन्न औद्योगिक इकाइयों के प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि शासन से प्राप्त सहयोग और विभागीय समन्वय से उनकी औद्योगिक गतिविधियों को आगे बढ़ाने में मदद मिली है। उन्होंने यह भी बताया कि उनकी इकाइयों में स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर उपलब्ध कराए जा रहे हैं तथा कुछ इकाइयों के उत्पादों का निर्यात भी किया जा रहा है।



## सह-चिकित्सीय क्षेत्र में दक्ष मानव संसाधन तैयार करने के लिए आधुनिक एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को बढ़ावा देना आवश्यक : उप मुख्यमंत्री

### राष्ट्रीय आयोग द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रमों शैक्षणिक सत्र 2026-27 से प्रारंभ करने के लिए निर्देश

भोपाल (स्वतंत्र मत)। उप मुख्यमंत्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि स्वास्थ्य सेवाओं को अधिक प्रभावी और सुदृढ़ बनाने के लिए सह-चिकित्सीय क्षेत्र में दक्ष एवं प्रशिक्षित मानव संसाधन की उपलब्धता महत्वपूर्ण है। आधुनिक चिकित्सा पद्धतियों और तकनीकों के अनुरूप युवाओं को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा एवं प्रशिक्षण के अवसर उपलब्ध कराने के उद्देश्य से मध्यप्रदेश में एलाइड एंड हेल्थकेयर पाठ्यक्रमों को शैक्षणिक सत्र 2026-27 से प्रारंभ करने की दिशा में आवश्यक कार्यवाही की जाए। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल ने वल्लभ भवन में लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग

तथा उच्च शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ आयोजित बैठक में राष्ट्रीय एलाइड एंड हेल्थकेयर आयोग, भारत सरकार द्वारा जारी अंतरिम दिशा-निर्देशों के अनुरूप कार्यवाही करते हुए आयोग द्वारा अनुमोदित पाठ्यक्रमों को मध्यप्रदेश में तत्काल प्रभाव से प्रारंभ करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि संबद्धता एवं प्रवेश प्रक्रिया निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें। उल्लेखनीय है कि राष्ट्रीय आयोग द्वारा एलाइड एंड हेल्थकेयर पाठ्यक्रमों के माध्यम से सह-चिकित्सीय क्षेत्र में उन्नयन, आधुनिक तकनीक के विस्तार तथा देशभर में पाठ्यक्रमों में एकरूपता सुनिश्चित करने के उद्देश्य से अंतरिम दिशा-निर्देश जारी किए गए हैं। मध्यप्रदेश में इन पाठ्यक्रमों का संचालन निर्धारित मानकों एवं दिशा-निर्देशों के अनुरूप सुनिश्चित करने के लिए लोक स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग तथा उच्च शिक्षा विभाग के मध्य समन्वय के साथ आवश्यक कार्यवाही की जाएगी।

**स्वस्थ और सुरक्षित भविष्य के लिए हाथ धोना बेहद अहम दमोह (स्वतंत्र मत)।** समाज के हर वर्ग को स्वच्छता के प्रति प्रेरित करने और बीमारियों से सुरक्षित रखने के उद्देश्य से हर वर्ष 15 अक्टूबर को विश्व हाथ धुलाई दिवस मनाया जाता है। इसका मुख्य उद्देश्य उम्र की शुरुआती अवस्था में ही बच्चों को हाथ धुलाई के फायदों के बारे में बताना है ताकि वे इस अच्छी आदत को अपने दैनिक व्यवहार में शामिल कर सकें। इस अवसर पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा जानकारी साझा की गई कि भोजन करने से पहले और शौच के बाद सही तरीके से हाथ धोकर खरिया, टाइफाइड और धसन संबंधी सांस की गंभीर बीमारियों के संक्रमण को समय रहते आसानी से रोका जा सकता है। इस संबंध में बच्चों और आमजनों को सही तरीके से हाथ धोने के महत्व व वैज्ञानिक चरणों के प्रति जागरूक करने एडवाईजरी जारी की है।

## दमोह पुलिस मुख्यालय की सूचना पर पथरिया पुलिस ने पकड़े चार संदिग्ध

पथरिया (स्वतंत्र मत)। दमोह पुलिस मुख्यालय से मिली सूचना के बाद बीती रात पथरिया पुलिस ने नगर से चार संदिग्ध लोगों को पकड़कर पूछताछ की। पूछताछ के दौरान एक व्यक्ति ने अपना नाम प्रमोद प्रजापति बताते हुए कहा कि वे उत्तर प्रदेश के उस गांव से आए हैं जो मिर्जापुर और इलाहाबाद के बीच स्थित है। उन्होंने पुलिस को बताया कि वे लोगों को खादए बीज और कीटनाशकों से संबंधित जानकारी देने के लिए पथरिया आए हैं। जानकारी के अनुसार दमोह पुलिस मुख्यालय से पथरिया पुलिस को सूचना मिली थी कि चार संदिग्ध व्यक्ति बिना अनुमति के नगर में उठे हुए हैं और उनके पास पहचान या अन्य गतिविधियों से संबंधित कोई पुख्ता दस्तावेज नहीं हैं। सूचना के आधार पर पुलिस ने कार्यवाही करते हुए चारों से पूछताछ की और उनके ठहरने के स्थान का पता लगाया। पुलिस की पड़ताल में सामने आया कि चारों व्यक्ति पथरिया के वार्ड क्रमांक 10 में अनी मलैया के घर किएए से रह रहे थे। इस मामले के बाद पथरिया पुलिस ने नगरवासियों से अपील की है कि वे किसी भी अनजान व्यक्ति को बिना पहचान संबंधी दस्तावेजों की जांच किए अपने घर में किएए पर न रखें और न ही बिना उचित पड़ताल के शरण दें।

## मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने मुरैना जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र का किया निरीक्षण

### उत्कृष्ट विद्यालय में विद्यार्थियों से किया संवाद

भोपाल (स्वतंत्र मत)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जनविश्वास अभियान अंतर्गत मुरैना जिला दिव्यांगजन पुनर्वास केंद्र का निरीक्षण किया। उन्होंने केंद्र में दिव्यांगजनों के उपचार, पुनर्वास एवं समग्र विकास के लिए उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का अवलोकन किया तथा व्यवस्थाओं की जानकारी ली। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्र में संचालित न्यूरोलॉजिकल पुनर्वास कक्ष, बाल पुनर्वास कक्ष, शिशु एवं

बाल चिकित्सा उपचार कक्ष तथा विद्युत चिकित्सा कक्ष सहित विभिन्न कक्षों का निरीक्षण किया। उन्होंने यहां दिव्यांग बच्चों को उपलब्ध कराई जा रही उपचार एवं चिकित्सा सुविधाओं, पुनर्वास की व्यवस्थाओं तथा उनकी प्रगति के संबंध में जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने केंद्र में उपस्थित दिव्यांग बच्चों से आत्मीय संवाद किया और उनके निर्माण श्रद्धालुओं के लिए उपयोगी साबित हो रहा है। इससे धूप और बारिश के दौरान भक्तों को राहत मिलेगी। वहीं मंदिर में होने वाले धार्मिक अनुष्ठानों और अन्य आयोजनों को व्यवस्थित रूप से संपन्न कराने में भी सुविधा होगी। नगर के प्राचीन खेरमाता मंदिर परिसर में 6 लाख की लागत से टीन शेड का निर्माण कराए जाने पर खेरमाता मंदिर समिति ने प्रदेश के आनंद विभाग मंत्री लखन पटेल के प्रति आभार व्यक्त किया है।



जानकारी दी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव एवं आत्मविश्वास की सराहना करते ने बच्चों की रचनात्मकता, प्रतिभा हुए उनका उत्साहवर्धन किया।

## बटियागढ़ में हितग्राहीमूलक योजनाओं का विशेष शिविर आयोजित

दमोह (स्वतंत्र मत)। शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने के उद्देश्य से जनपद पंचायत बटियागढ़ में विमुक्त धुमंतू एवं अर्द्धधुमंतू समुदाय के लिए विशेष दस्तावेज निर्माण एवं समस्या निराकरण शिविर आयोजित जिला प्रशासन द्वारा किया गया। शिविर में लोगों को जाति प्रमाण,पत्रए राशन



कार्डए आधार कार्ड, जन्म प्रमाण पत्र सहित अन्य महत्वपूर्ण दस्तावेज बनवाने तथा विभिन्न शासकीय

योजनाओं का लाभ लेने के संबंध में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में इंद्र कुमार, अरविंद कुमार, अरविन्द

पटेल, नरेंद्र कटारे एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी.कर्मचारी उपस्थित रहे तथा लोक सेवा केंद्र, मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद की सहभागिता रही। शिविर में 43 आवेदन आए। शिविर का उद्देश्य पात्र हितग्राहियों की समस्याओं का निराकरण कर उन्हें शासन की जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना है।

## पंजीयक कार्यालय में कलेक्टर का औचक निरीक्षण, रजिस्टर जल

### संपदा 2.0 पोर्टल पर ऑनलाइन व्यवस्था के बावजूद अलग से की जा रही थी टोकन पंट्री, वैधानिक कार्रवाई के निर्देश

दमोह (स्वतंत्र मत)। आम नागरिकों एवं भूमि स्वामियों से रजिस्ट्री प्रक्रिया में अनावश्यक शुल्क वसूली, भूमि के हस्तांतरण में अनियमितताओं तथा शासन को राजस्व हानि पहुंचाने संबंधी शिकायतों को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने

संबंधित पंजीयक कार्यालय का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान एक अलग रजिस्टर में टोकन संबंधी प्रविष्टियाँ किए जाने का मामला सामने आया। कलेक्टर के निर्देश पर उक्त रजिस्टर जल कर दिया गया है। मामले में आगे की वैधानिक कार्रवाई की जाएगी। कलेक्टर प्रताप नारायण यादव ने कहा कि आमजनों से कई प्रकार की शिकायतें प्राप्त हो रही थीं। इनमें भूमि स्वामी के नाम के आगे उर्फ लगाकर अथवा मिलते-जुलते नामों और दस्तावेजों का उपयोग कर दूसरे व्यक्ति की जमीन विक्रय कराने जैसी आशंकाएं शामिल हैं।



इस प्रकार की अनियमितताओं से वास्तविक भूमि स्वामी के अधिकार प्रभावित हो सकते हैं। उन्होंने कहा भूमि के स्वामित्व से

संबंधित दस्तावेजों की जांच और पंजीयन प्रक्रिया में निर्धारित नियमों का पालन सुनिश्चित किया जाना आवश्यक है। उन्होंने कहा

नजूल भूमि एवं पट्टे की भूमि के हस्तांतरण में आवश्यक अनुमति के बिना विक्रय किए जाने की शिकायतें भी सामने आई थीं। इसके अतिरिक्त, कॉलोनियों में निर्मित मकानों का पंजीयन मकान के बजाय केवल भूखंड के रूप में दर्शाए जाने की शिकायतें मिली थीं। इससे शासन को स्ट्याम्प ड्यूटी सहित अन्य राजस्व की हानि होने की आशंका रहती है। श्री यादव ने निरीक्षण के दौरान पाया कि शासन द्वारा संपदा 2.0 पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन पंजीयन व्यवस्था लागू की गई है। इसमें टोकन बुकिंग एवं जनरेशन की

प्रक्रिया ऑनलाइन होती है और संबंधित व्यक्ति को संदेश भी प्राप्त होता है। इसके बावजूद कार्यालय परिसर में अलग से रजिस्टर रखकर टोकन देने के नाम पर प्रविष्टियां की जा रही थीं। कलेक्टर ने इस व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए रजिस्टर जल कराने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान चेंबर में टेबल पर रखी राशि के संबंध में भी पूछताछ की गई। संबंधित युवक ने राशि को सर्विस प्रोवाइडर की बताया जबकि सर्विस प्रोवाइडर ने कहा कि वह राशि किसी को देने के लिए लाया था।

**म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल**  
**बैठाघाट रोड, धनवंतरी नगर, जबलपुर**  
**म.प्र. पिन-482003**

**भवन लीज हस्तांतरण/ नामांतरण हेतु सूचना**

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि पुराना कॉलोनी जबलपुर में भवन क्रमांक LIG-434 श्री हरिसिंह राजपूत पिता स्व.श्री इन्द्रभान सिंह राजपूत के नाम आवंटित है, हरिसिंह राजपूत पिता स्व.श्री इन्द्रभान सिंह राजपूत का निधन दिनांक 09.06.2026 को हो चुकी गई है। आवंटित द्वारा मण्डल के साथ निष्पादित अनुबंध में श्री नवीन कुमार पिता स्व.श्री गुलशन कुमार भोला को नामिनी नियुक्त किया था। अतः आवंटित के नामिनी श्री नवीन कुमार पिता स्व.श्री गुलशन कुमार भोला ने उक्त संपत्ति को नॉमिनेशन के आधार पर लीज नामांतरण स्वयं के नाम करने हेतु आवेदन संलग्न दस्तावेजों के साथ इस कार्यालय में प्रस्तुत किये गये हैं। उक्त आधार पर भूस्वामि (भूस्वामि) बाबत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर उपरोक्त नामांतरण (भवन / भूस्वामि) बाबत आपत्ति हो तो इस सूचना के प्रकाशित होने से 15 दिवस के अंदर लिखित में वेंध आपत्ति सप्रमाण प्रस्तुत कर सकते हैं। निराहित अथि के पश्चात लीज नामांतरण की कार्यवाही कर दी जावेगी। जिस पर किसी की कोई आपत्ति मान्य नहीं होगी।

**संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रदेश जबलपुर**

**कार्यालय संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल प्रदेश जबलपुर नेता जी सुभाषचन्द्र बोस मेडिकल कॉलेज के पास धनवंतरी नगर, जबलपुर 482003**

E-mail: eohdjbp@mp.gov.in

**फ्री होल्ड की आपत्ति आमंत्रण हेतु सूचना**

सर्वसाधारण को सूचित किया है कि धनवंतरी नगर जबलपुर स्थित भवन क्रमांक जूनियर एच.आई.जी. -90 डॉ. गोपाल दास रावत पिता स्व.श्री भगवान दास रावत एवं श्रीमती उर्मिला रावत पति डॉ. गोपाल दास रावत के द्वारा उक्त भवन की फ्री होल्ड करने हेतु नियमानुसार निर्धारित राशि जमा कर इस कार्यालय में आवेदन प्रस्तुत किया गया है। उक्त भवन का विक्रय-विलेख दिनांक 18.08.2022 को निष्पादित हो चुका है। उक्त सम्पत्ति की लीज फ्री होल्ड की कार्यवाही प्रचलन में है। यदि किसी को कोई आपत्ति हो तो विज्ञापन प्रकाशित दिनांक से 15 दिवस के अंदर लिखित आपत्ति इस कार्यालय में प्रस्तुत करें। अन्यथा डॉ. गोपाल दास रावत पिता श्री भगवान दास रावत एवं श्रीमती उर्मिला रावत पति डॉ. गोपाल दास रावत को आवंटित धनवंतरी नगर जबलपुर स्थित भवन क्रमांक एच.आई.जी. -90 लीज फ्री होल्ड किया जावेगा एवं किसी भी संस्था/व्यक्ति का दावा मान्य नहीं होगा।

**संपदा अधिकारी म.प्र. गृह निर्माण एवं अधोसंरचना विकास मण्डल,प्रदेश जबलपुर**



दमोह (स्वतंत्र मत)। विमुक्त, धुमंतू एवं अर्द्धधुमंतू समुदाय के लोगों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं से जोड़ने तथा आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध कराने के उद्देश्य से नगर पालिका

## नगर पालिका दमोह में विशेष शिविर आयोजित

दमोह में 15 अक्टूबर को विशेष शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में पात्र हितग्राहियों के विभिन्न दस्तावेज बनाने एवं योजनाओं के पंजीयन से संबंधित कार्य किए गए। शिविर में 15 जाति प्रमाण पत्र, 10 आधार कार्ड, 10 समग्र आईडी, 5 राशन पर्ची, 5 वृद्धावस्था पेंशन, 8 परिचय पत्र, 5 पीएम स्वनिधि पंजीयन तथा 4 आयुष्मान कार्ड से संबंधित कार्य किए गए। इस विशेष शिविर का उद्देश्य विमुक्त धुमंतू एवं अर्द्धधुमंतू समुदाय के लोगों को शासकीय सुविधाओं का लाभ उपलब्ध कराने, दस्तावेज संबंधी समस्याओं का निराकरण करने तथा उन्हें सामाजिक सुरक्षा एवं कल्याणकारी योजनाओं से जोड़ना है।

**OFFICE OF SE (O&M) CIRCLE, M.P.P.K.V.V.C.L., JABALPUR**  
REGD. OFFICE - SHADE NO. 4, RAMPUR NEAR GANESH MANDIR, JABALPUR -482008 (M.P.)  
(Telephone no. 0761-2702350) E-mail:- seonm.jbp2012@gmail.com  
No. SE/O&M/JBP/2026-27/TS-13/2117 Jabalpur, dtd: 14.10.2026

**NOTICE INVITING TENDER**  
Tender are invited as following:-

| S. N o | TS No. for e-tendering                                        | NAME OF ITEMS                                                                                                    | APPROX. VALUE (Rs. in Lakhs ) | TENDER FEE Including GST @18% (in Rs) | Due date & time of opening of tender online from 16.00 Hrs (**) |
|--------|---------------------------------------------------------------|------------------------------------------------------------------------------------------------------------------|-------------------------------|---------------------------------------|-----------------------------------------------------------------|
| 1      | SE/JC/O&M/PUR/2 6-27/TS-13/2117/E-Tender-2026 _PKVVC_542665_1 | 01 No. hiring of Light motor Vehicle Safari/ Tata Manza/ Mahindra Scorpio/Zaylo AC or equivalent of latest model | 8.00                          | 1180                                  | 30/10/2026                                                      |

For other details please visit website <http://www.mptender.gov.in>

Superintending Engineer (O&M) Circle

